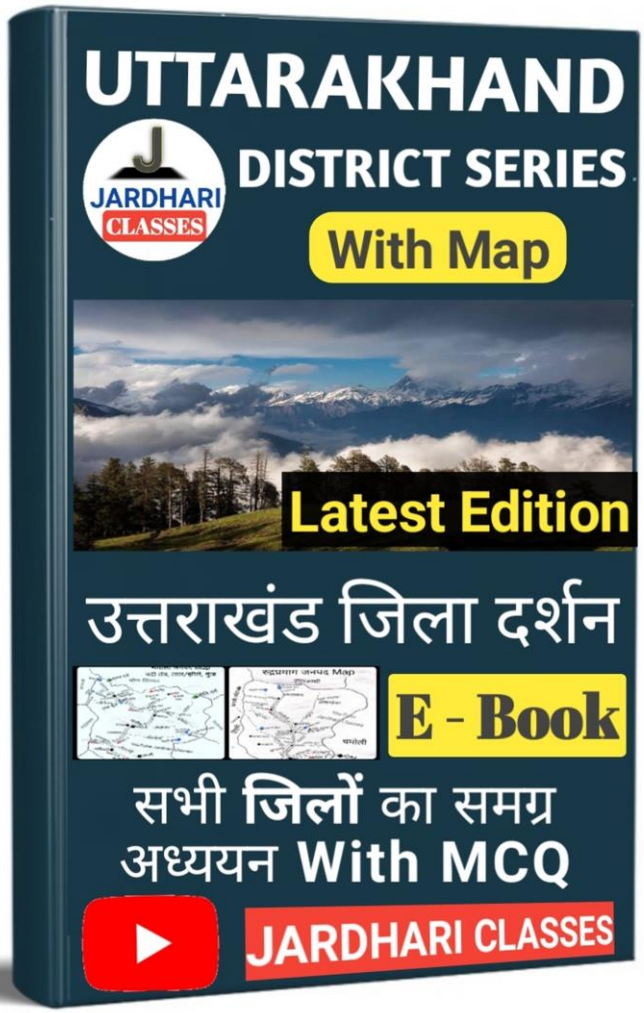

"उत्तराखंड जिला दर्शन" में आपकी सुविधानुसार आगामी प्रतियोगी परिक्षाओं को ध्यान में रखते हुए, इस किताब का निर्माण किया गया है जिसमें प्रत्येक जनपद का विस्तृत अध्ययन के साथ प्रत्येक जिले के MCQ भी दिए गए हैं।
इस किताब में आँकड़ो एवं तथ्यों को प्रस्तुत करने में पूरी सावधानी बरती गई है, फिर भी किसी प्रकार की मानवीकृत त्रुटि होने पर आप हमें E-mail कर सकते हैं।
इसके साथ ही इस किताब के बारे में अपना Rivew देने के लिए आप हमें Jardhariclasses@gmail.com पर E - Mail कर सकते हैं।

Copyright © JARDHARICLASSES.COM

All rights reserved. No portion of this book may be reproduced in any form without permission from the publisher, except as permitted by copyright Act.

Contact Us:

Email:- *Jardhariclasses@gmail.com*

Website:- *www.jardhariclasses.com*

उत्तराखंड 13 जनपद अध्ययन

Content Page ..

देहारादून जनपद	-	4 – 23
उत्तरकाशी जनपद	-	24 – 42
चमोली जनपद	-	43 – 65
रुद्रप्रयाग जनपद	-	66 – 76
टिहरी गढ़वाल जनपद	-	77 – 93
हरिद्वार जनपद	-	94 – 103
पौड़ी गढ़वाल जनपद	-	104 – 120
पिथोरागढ़ जनपद	-	121 – 135
बागेश्वर जनपद	-	136 – 144
अल्मोड़ा जनपद	-	145 - 160
नैनीताल जनपद	-	161 -175
चंपावत जनपद	-	176- 186
उधम सिंह नगर	-	187 -197

JARDHARI CLASSES

देहरादून

देहरादून का इतिहास

- देहरादून का नाम दो शब्दों से मिलकर बना है
- देहरा(डेरा या शिविर) तथा दून(घाटी)
- सिक्ख गुरु रामराय ने 1676 में देहरादून में डेरा डाला था इसलिए यहाँ का नाम डेरा से देहरा अथवा देहरादून पड़ा
- यह भी मान्यता है कि यहाँ पर आचार्य द्रोण ने तपस्या की थी जिसके कारण इस क्षेत्र का प्राचीन में द्रोणनगर कहते थे व द्रोणनगर से बाद में इसका नाम देहरादून पड़ा
- देहरादून का प्राचीन नाम पृथ्वीपुर था
- देहरादून के कालसी नामक स्थान पर अशोक शिलालेख प्राप्त हुआ जिससे इस बात की पुष्टि होती है कि यह क्षेत्र मौर्यों के आधीन था
- देहरादून 1804 तक गढ़वाल के पंवार वंश के राजाओं के अधीन था लेकिन 1804 में प्रद्युम्न शाह व गोरखा सेना के बीच देहरादून के खड़बुड़ा नामक मैदान पर युद्ध हुआ जिसमें प्रद्युम्न शाह की मृत्यु हो गयी जिसके बाद गोरखाओं ने इस क्षेत्र पर शासन किया
- 1814 में देहरादून के नालापानी में ब्रिटिश सेना व गोरखाओं के बीच युद्ध हुआ ब्रिटिश सेना का नेतृत्व जनरल जिलेस्पी ने व गोरखा सेना का नेतृत्व बलभद्र थापा ने किया इस युद्ध में गोरखाओं की पराजय हुई व यह क्षेत्र अब अंग्रेजों के अधीन हो गया
- 1817 में देहरादून को जिला बनाया गया व सहारनपूर मण्डल में शामिल किया गया
- 1825 में देहारादून को कुमाऊ कमिश्नरी में शामिल किया गया
- 1829 में देहारादून को कुमाऊँ कमिश्नरी से अलग कर मेरठ मण्डल में शामिल किया गया
- 1975 में देहरादून जनपद को गढ़वाल मंडल में शामिल किया गया
- 9 दिसंबर 1998 देहारादून को नगर निगम बनाया गया

भौगोलिक स्थिति - पड़ोसी जिले/राज्य

पूर्व - टिहरी, उत्तरकाशी, पौड़ी
पश्चिम- उत्तर प्रदेश
उत्तर- उत्तरकाशी ,हिमाचल प्रदेश
दक्षिण- हरिद्वार

राष्ट्रीय राजमार्ग(National Highway)-
NH 7- अम्बाला-पोंटा साहिब-देहरादून-ऋषिकेश
NH 507 - विकासनगर-कालसी-बड़कोट
NH 34- दिल्ली-बद्रीनाथ-माणा
NH-307- छुटमलपुर-देहरादून

- देहरादून उत्तराखंड राज्य का सबसे पश्चिमी जिला है
- देहरादून जनपद दो राज्यों से सीमा बनाता है- हिमाचल प्रदेश व उत्तरप्रदेश

देहरादून जनपद के प्रमुख स्थल

1.मसूरी-

- मसूरी को पर्वतों की रानी कहा जाता है
- मसूरी की खोज आयरिश अफसर कैप्टन यंग ने की
- मसूरी नाम यहाँ पर मंसूर पौधे के नाम पर पड़ा जो यहाँ बहुतायात में उगता था
- मसूरी को गंगोत्री, यमुनोत्री का प्रवेश द्वार भी कहा जाता है
- 1843 में भी मसूरी में पुस्तकालय समिति का गठन किया व मसूरी स्टेशन लाइब्रेरी की स्थापना की गयी
- जान मेकिनन(आयरिश व्यक्ति) जिसने 1842 में सबसे पहले मसूरी में छापाखाना लगाया था तथा 'द हिल्स' नामक समाचार पत्र निकाला था।
- ब्रिटिश सरकार ने 1842 में मसूरी नगरपालिका का प्रस्ताव पास किया था
- 1929 में महात्मा गांधी देहरादून गए थे इस दौरान वो 2 दिन के लिए मसूरी भी गए थे.दूसरी बार साल 1946 में दोबारा मसूरी आये
- मसूरी में हार्डी व भट्टा जलप्रपात स्थित है
- गन हिल पॉइंट मसूरी में एक पर्यटक स्थल है
- लाल टिब्बा मसूरी की सबसे ऊंची चोटी है इसे डिपो हिल भी कहा जाता है

जार्ज एवरेस्ट पीक

- 1832 में जार्ज एवरेट मसूरी आए व यहाँ पर सर्वेक्षण कार्यालय स्थापित किया
- मसूरी में एवरेस्ट पार्क स्थित है
- मसूरी में जार्ज एवरेस्ट के नाम से 1865 में एक शिखर का नाम जार्ज एवरेस्ट पीक रखा गया

मसूरी क्राइस्ट चर्च

मसूरी क्राइस्ट चर्च पूरे हिमालयी क्षेत्र में सबसे पहला चर्च है जिसकी स्थापना 1836 में कैप्टन रैनी टेलर ने की यह चर्च गॉथिक वास्तुकला का एक अनुकरणीय उदाहरण है

मसूरी में तिब्बत की पहली निर्वासित सरकार

चीन अधिकृत तिब्बत से निर्वासित होने के बाद तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा सबसे पहले मसूरी(1959) में आये थे
मसूरी में तिब्बत की पहली निर्वासित सरकार बनी

2.कालसी

- कालसी देहरादून के चकराता तहसील में स्थित है
- इस स्थान पर मौर्य सम्राट अशोक का लेख मिला
- कालसी शिलालेख में यहाँ के लोगों को पुलिंद व इस क्षेत्र को अपरांत कहा गया
- कालसी का प्राचीन नाम कालकूट, युगशैल, खलतिका है
- ह्वेनसांग ने कालसी को सुधनगर कहा

कालसी अभिलेख
खोज- जॉन फॉरेस्ट (1860)
भाषा – प्राकृत **लिपि**- ब्राह्मी
स्थित – टोंस व यमुना संगम कालसी देहारादून

3.लाखामंडल-

- यहाँ मूर्तियों का भंडार(लाखों मूर्तियां) प्राप्त हुई
- लाखामंडल जौनसार-बाबर क्षेत्र में है
- यह स्थल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है माना जाता है कि इस स्थल पर महाभारत काल में पांडवों को मारने के लिये लाक्षागृह बनाया गया था
- यह स्थल यमुना और रिखनाड़ नदी संगम पर स्थित है
- लाखामण्डल में लाक्षेश्वर शिव मंदिर स्थित ह

सिंहपुर का यदु राजवंश-

- **स्रोत -** लाखामंडल शिलालेख(देहरादून)
- लाखामंडल से **राजकुमारी ईश्वरा** का शिलालेख प्राप्त हुआ
- राजकुमारी ईश्वरा के पिता - भास्कर वर्मन
- **पति -** जालन्धर राजकुमार श्री चंद्रगुप्त
- लाखामंडल अभिलेख में यदुवंशी राजाओं की राजधानी सिंहपुर बतायी गयी है।

4.हनोल-

- जौनसार बाबर क्षेत्र का सबसे बड़ा तीर्थ स्थल है
- हनोल में महाशू देवता का सबसे बड़ा मंदिर है
- हनोल टोंस नदी के तट पर स्थित है
- हनोल का प्राचीन नाम-चकरपुर
- हनोल में महासू देवता मंदिर हूण शैली से बना हुआ है

5.चकराता-

- चकराता देहरादून के जौनसार बाबर क्षेत्र के अंतर्गत आता है
- चकराता को पहाड़ों का राजा कहा जाता है
- चकराता की स्थापना कर्नल ह्यूम ने की
- चकराता में टाइगर वाटर फॉल व किमोना वॉटर फॉल स्थित है
- कानासर पर्यटक स्थल चकराता में स्थित है
- चकराता की सबसे ऊंची चोटी चिलमरी नेक है
- देववन पिकनिक स्पाट चकराता में है
- बैराटगढ़ - यह स्थल चकराता से 15-16 किमी. दूर चौराणी चोटी पर स्थित है। यहाँ कुछ खंडहर पड़े हुए है। कहा जाता है कि यहाँ महाभारत काल में पुलिन्द राजा विराट की राजधानी थी।

5.ऋषिकेश-

- ऋषिकेश गंगा व चन्द्रभागा नदी के संगम पर स्थित है
- केदारखंड में ऋषिकेश को कुब्जाम्रक कहा गया है।
- ऋषिकेश को योग की राजधानी कहा जाता है
- ऋषिकेश में प्रसिद्ध त्रिवेणी घाट है माना जाता है कि यहाँ पर तीन नदियों का संगम होता है- गंगा , यमुना, सरस्वती
- ऋषिकेश में ऋषि कुंड स्थित है
- ऋषिकेश को 2017 में नगर निगम बनाया गया

6.फन वैली- देहरादून से 25 किमी. दूर हरिद्वार मार्ग पर 20 एकड़ क्षेत्र में फैला यह एक मनोरंजन पार्क है।

7.गुछुपानी

- गुछुपानी देहरादून का प्रसिद्ध स्थल है
- इसे Robbers cave(लुटेरों की गुफा) कहा जाता है

8.घंटाघर

- 24 जुलाई 1948 को सरोजिनी नायडू ने इस घंटाघर का शिलान्यास किया
- घंटाघर के निर्माता कुंवर आनन्द सिंह
- प्रारम्भ में इसका नाम- बलबीर टॉवर
- घंटाघर का उद्घाटन 23 अक्टूबर 1953 में लाल बहादुर शास्त्री ने किया

देहरादून जनपद के प्रमुख मंदिर

1.टपकेश्वर महादेव मंदिर-

- देहरादून से लगभग 6 Km दूर स्थित यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है
- यह मंदिर गुफा में स्थित है जहाँ पर जल बूँद-बूँद करके टपकता रहता है
- टपकेश्वर मन्दिर में शिवरात्रि को टपकेश्वर मेला लगता है

2.गुरु-रामराय दरबार-

- सिक्खो के गुरु रामराय 1676 में देहरादून आये व धमूवाला में बस गया
- गढ़वाल नरेश फतेहपति शाह ने इन्हें तीन गांव दान दिए
- 1699 में गुरु रामराय ने देहरादून के धमुवाला में गुरु राम राय दरबार(झंडा दरबार) की स्थापना की
- यह दरबार मुगल शैली से निर्मित है
- 1707 में गुरु राम राय की पत्नी पंजाब कौर ने निर्माण कार्य पूरा कराया
- यहाँ पर प्रतिवर्ष होली के 5वें दिन झंडा मेले का आयोजन किया जाता है

3.चंद्रबानी मंदिर(चंद्रबानी)-

- यह मंदिर देहरादून से लगभग 7 km स्थित है
- मान्यता है कि इस स्थान पर महर्षि गौतम ने अपनी पुत्री अंजनी व पत्नी के साथ निवास किया.
- चंद्रबानी मंदिर के निकट गौतम कुंड स्थित है

4.संतोला देवी मंदिर

5.सिद्धेश्वर मंदिर- यह मंदिर केदारपुरम में घंटाघर से 5km दूर मोथरोवाला रोड पर स्थित है

6.देहरादून के चार सिद्ध-

लक्ष्मण सिद्ध - यह मंदिर देहरादून से पूरब 11 किमी. की दूरी पर जंगल में है।

कालू सिद्ध - यह स्थल भानियावाला से 4 किमी. की दूरी पर स्थित है।

माणक सिद्ध - यह स्थल देहरादून से पश्चिम की ओर भुड्डी गांव के पास स्थित है।

मॉडू सिद्ध – यह स्थल भी देहरादून से पश्चिम प्रेमनगर के पास स्थित है।

7.बुद्धा टेंपल-

- देहरादून क्लेमनटाउन में स्थित बुद्धा टेम्पल का निर्माण 1965 में शुरू हुआ था
- इस प्रसिद्ध बुद्ध मंदिर का निर्माण कोचेन रिनपोछे नामक बौद्ध भिक्षु ने अन्य भिक्षुओं के साथ मिलकर कराया था।
- देहरादून के इस प्रसिद्ध बौद्ध मठ की वास्तुकला मूलतः जापानी वास्तुकला से प्रेरित है।
- बुद्धा टेम्पल को मिन्ड्रोलिंग मोनेस्ट्री भी कहते हैं।
- इस बौद्ध स्तूप की स्थापना 28 अक्टूबर 2002 में की गयी
- बुद्धा टेंपल की ऊंचाई 220 फीट है
- यहाँ भगवान बुद्ध की 103 फीट की प्रतिमा है

देहरादून जिले के प्रसिद्ध मेले

1.झंडा मेला-

- यह मेला देहरादून में प्रतिवर्ष होली के 5वें दिन बाद आयोजित होता है।
- यह मेला सिक्ख गुरु रामराय जी के जन्मदिवस पर प्रारम्भ होता है जो कि 15 दिनों तक चलता है।
- इसी दिन गुरु राम राय जी का आगमन देहरादून में हुआ
- गुरु राम राय देहरादून में 1676 में आये थे।
- इस मेले में पंजाब के कई भक्त देहरादून आते हैं जिन्हें 'संगत' कहते हैं।

2.नुणाई मेला-

- यह मेला देहरादून के जौनसार(चकराता) में श्रावण मास को आयोजित किया जाता है।

3.टपकेश्वर मेला-

- यह मेला देहरादून में देवधारा नदी के किनारे एक गुफा में स्थित शिव मंदिर में लगता है।
- इस गुफा में एक शिवलिंग है जिसमें पानी की बूंदे एक चट्टान से टपकती हैं इसलिये इस मंदिर का नाम टपकेश्वर मंदिर है।

4.भद्रराज मेला-

- यह मेला देहरादून के मसूरी से 15Km दून भद्रराज मन्दिर में आयोजित किया जाता है।
- यह मंदिर भगवान बालभद्र को सपर्पित है।

5.बिस्सू मेला - यह मेला जौनसार बाबर क्षेत्र का प्रसिद्ध मेला है

6.वीर केसरी चंद मेला-

- वीर केसरी चंद मेला चकराता में आयोजित किया जाता है।
- वीर केसरी का जन्म 1 नवंबर 1920 को चकराता के पास क्यावा गांव में हुआ
- वीर केसरी चंद पहले सेना में भर्ती हुए व बाद में आजाद हिंद फौज में भर्ती हुए।
- इन पर मुकदमा चलने के कारण 3 मई 1945 को इन्हें फांसी दी गयी

देहरादून जनपद नदी तंत्र

1.टोंस नदी- टोंस नदी यमुना नदी की प्रमुख सहायक नदी है
टोंस नदी व यमुना नदी का संगम देहरादून में कालसी के निकट होता है

टोंस नदी पर प्रमुख परियोजनाएँ-
1.किसाऊ बांध परियोजना
2.छिबरो बांध परियोजना
3.इचारी बांध परियोजना

2.यमुना नदी

- यमुना नदी देहरादून के लाखामंडल में प्रवेश करती है
- देहरादून के कालसी में अमलावा नदी यमुना से संगम करती है
- कालसी से आगे कुछ ही दूरी पर टोंस नदी यमुना से संगम करती है
- यमुना व टोंस के संगम स्थल के बाद कुछ दूरी पर यमुना नदी पर डाकपत्थर बैराज है
- डाकपत्थर बैराज से यमुना नदी से एक नहर निकलती है जिसे शक्ति नहर कहते हैं

शक्ति नहर पर निम्न परियोजनाएँ स्थित है-
1.ढकरानी बांध परियोजना
2.ढालीपुर बांध परियोजना
3.आसन बैराज
4.कुल्हाल बांध परियोजना

यमुना नदी पर निम्न परियोजनाएँ हैं
1.ब्यासी जल विद्युत परियोजना
2.खोदरी परियोजना
3 लखवाड़ बांध परियोजना

3.आसन नदी-
आसन नदी देहरादून के आशारोड़ी देहरामार्ग के पश्चिम से निकलती हुई रामपुर-मंडी(देहरादून) के पास बायीं और से शक्ति नहर(यमुना नदी) में मिल जाती है

4.रिस्पना नदी-

- रिस्पना नदी का मूल नाम ऋषिपर्णा नदी था
- रिस्पना नदी बिंदाल नदी की सहायक नदी है
- बिंदाल नदी व रिस्पना नदी मोथरोवाला में मिलती है
- मोथरोवाला से एक साथ आगे बढ़कर ये नदियाँ सोंग नदी से मिल जाती है

5.सोंग नदी-

- सोंग नदी गंगा नदी की सहायक नदी है जो कि रायपुर में गंगा नदी में मिल जाती है
- सोंग नदी की सहायक नदी बाल्दी नदी है बाल्दी नदी पर ही सहस्त्रधारा जलप्रपात है
- रिस्पना व बिंदाल नदी भी सोंग नदी की सहायक नदी है

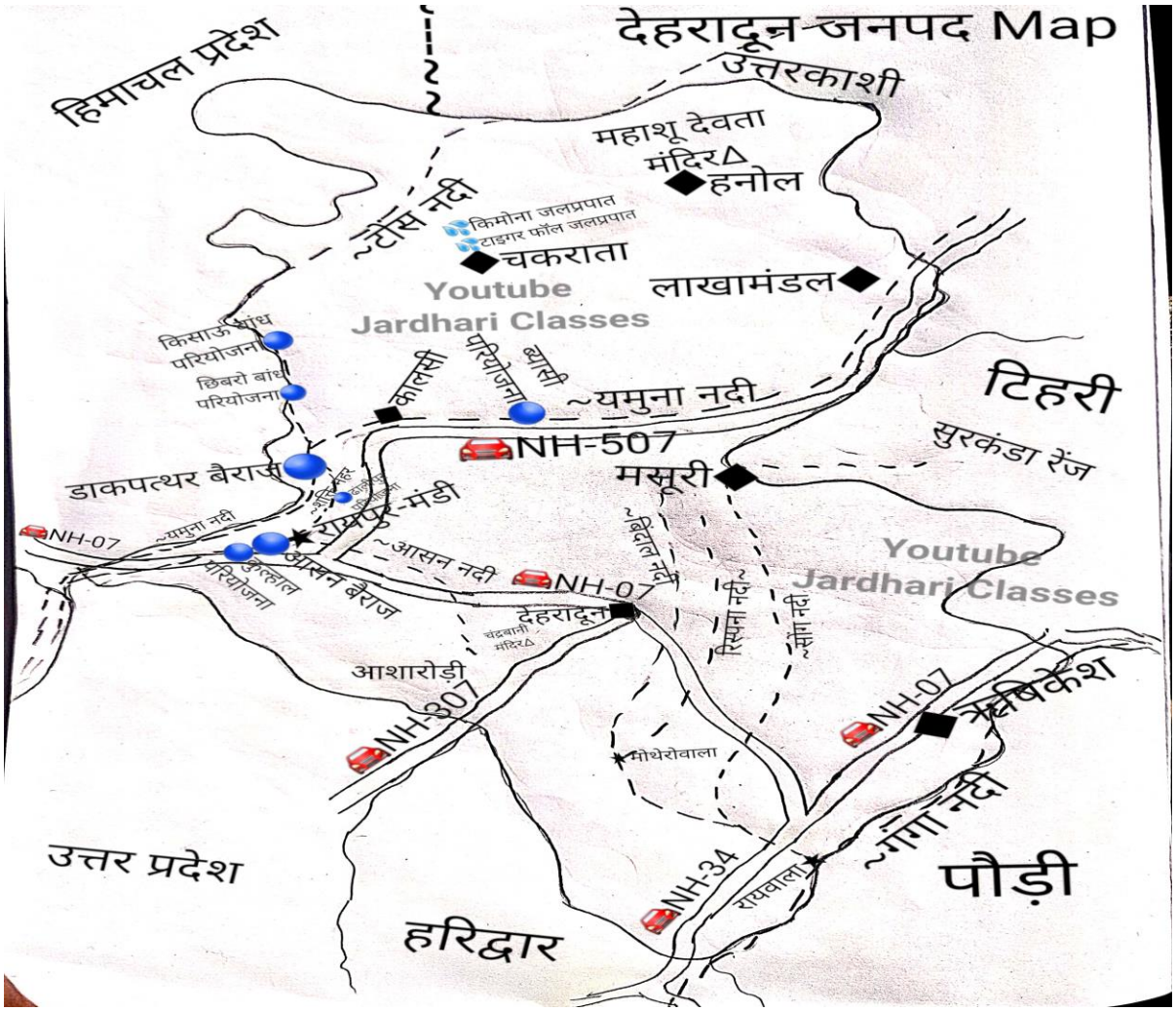

देहरादून में स्थित जलप्रपात

1.	टाइगर फॉल	यह चकराता में स्थित है
2.	किमोना फॉल	चकराता में स्थित है
3.	सहस्त्रधारा जलप्रपात	बाल्दी नदी के तट पर स्थित है इसमें गंधकयुक्त जल पाया जाता है
4.	हार्डी जलप्रपात-	मसूरी
5.	भट्टा जलप्रपात	मसूरी
6.	मासी जलप्रपात	मसूरी
7.	शिखर फॉल	

कुंड-

गौतम कुंड-
देहरादून से 7km दूर चंद्रबानी मंदिर के निकट स्थित है
यहाँ पर महर्षि गौतम ने तपस्या की थी

देहरादून में स्थित प्रमुख संस्थान

1.भारतीय सर्वेक्षण विभाग(Survey Of India)-

- भारतीय सर्वेक्षण विभाग भारत के नक्से बनाने वाली व सर्वेक्षण करने वाली केंद्रीय एंजेसी है
- स्थापना- 1767 बंगाल में
- देहरादून- 1942 में इसे देहरादून स्थानन्तरित कर दिया गया
- भारतीय सर्वेक्षण विभाग के महानिरीक्षक जार्ज एवरेस्ट को एवरेस्ट की ऊंचाई मापने का श्रेय जाता है

2.भारतीय वन अनुसंधान संस्थान देहरादून(Forest Research Institute Dehradun)-

- 1864 में भारतीय वन विभाग की स्थापना की गयी
- 1878 में Forest School Of Dehradun की स्थापना देहरादून में की गयी
- 1884 में Forest School of Dehradun का नाम बदलकर Imperial Forest School Of Dehradun कर दिया गया
- 1906 में Imperial Forest School Of Dehradun का नाम बदलकर Imperial Forest Research Institute Dehradun(FRI) किया गया
- इसे अब Indian Forest Research Institute (FRI) कहा जाता है
- ब्लॉमफील्ड ब्रिटिश आर्किटेक्ट ने वन अनुसंधान संस्थान (FRI) की इमारत को डिजाइन किया है।
- FRI के मुख्य गेट का नाम ब्रैंडिस गेट है
- वायसराय लार्ड इर्विन ने 7 नवम्बर 1929 को इस भवन का उद्घाटन किया.
- वर्ष 1991 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा एक डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में घोषित किया गया था ।

3.राष्ट्रीय जल सर्वेक्षण कार्यालय-

- भारत में पहली बार नौसेनिक जल सर्वेक्षण विभाग की स्थापना 1770 में ईस्ट इंडिया कंपनी ने की थी
- 1874 में मैरिनो सर्वे ऑफ इंडिया को कोलकाता स्थानान्तरित किया गया
- 1954 में मैरिनो सर्वे ऑफ इंडिया को देहरादून में स्थानांतरित कर दिया गया व इसका नाम नौसेना जल सर्वेक्षण कार्यालय रखा गया
- 1996 में इसका नाम नेशनल हाइड्रोग्राफ़िक ऑफिस कर दिया गया। 1999 में इसका नाम नेशनल हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण ऑफिस (राष्ट्रीय जल सर्वेक्षण कार्यालय) कर दिया गया

4.Wadia Institute of Himalayan Geology (WIHG)(वाडिया हिमालयन भू-विज्ञान संस्थान)-

- स्थापना- 1968 दिल्ली में
- 1976 में देहरादून में इसे स्थानन्तरित किया गया
- WIHG भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन है

यह भी जानें-
NGRSM (National Geo Research Scholars Meet) राष्ट्रीय भू-अनुसंधान अध्येता बैठक
NGRSM की चौथी बैठक का आयोजन बेबीनार के माध्यम से जून 2020 में WIHG में किया गया

5.भारतीय पेट्रोलियम संस्थान(Indian Institute Of Petrolium)-

- स्थापना- 1960
- उदेश्य- पेट्रोलियम उत्पादों का विकास करना
- वर्ष 2019 में IIP ने देहरादून में प्लास्टिक वेस्ट को डीजल में तब्दील करने के लिये एक प्लांट स्थापित किया

7.ड्रिलिंग प्रोद्योगिकी संस्थान(Institute Of Driling Technology)-
स्थापना- 1978

11.राष्ट्रीय दृष्टि बधित संस्थान

12.आपदा न्यूनीकरण व प्रबंधन केंद्र

6.Oil And Natural Gas Corporation-

- स्थापना- 1956
- 14 अगस्त 1956 में इसे तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग का नाम दिया गया और 1994 में तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम(ONGC) में रूपांतरित किया गया
- 1997 में ONGC को नवरत्न कम्पनी में शामिल किया गया
- 2010 में ONGC को भारत की महारत्न कम्पनी का दर्जा प्राप्त हुआ

8.भारतीय वन्य जीव संस्थान(Wildlife Institute Of India)-

- स्थापना- 1982
- उदेश्य- वन्य जीव सरक्षण क्षेत्र में प्रशिक्षण व रिसर्च करना

9.भारतीय सुदूर सर्वेदन संस्थान(Indian Institute Of Remote Sensing)
स्थापना- 1966

10.इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी(Indira Gandhi National Forest Academy)-
स्थापना-1987

राष्ट्रीय उद्यान/ वन्य जीव विहार

1.राजाजी राष्ट्रीय उद्यान-

- स्थापना-1983
  स्थित-देहरादून, हरिद्वार, पोड़ी
  क्षेत्रफल- 820.42 वर्ग Km
  मुख्यालय- देहरादून
- प्रमुख जीव:- हाथी शेर, टाइगर, नीलगाय, चीतल आदि।
- यह हाथियो के लिए प्रसिद्ध है
- इसे वर्ष 2015 में टाइगर रिजर्व घोषित किया गया
- यह देश का 48वां टाइगर रिजर्व व उत्तराखंड का दूसरा टाइगर रिजर्व है

2.मसूरी वन्य जीव विहार-

- स्थापना- 1993
- स्थित- देहरादून
- क्षेत्रफल- 11 वर्ग किमी
- वन्य जीव- लंगूर, बंदर, सुअर, भालू ,गुलदार, तीतर, पहाड़ी बटेर, चकोर आदि

प्रमुख संग्रहालय

- स्टेट वार मेमोरियल - चीर बाग(देहरादून)
- विश्व प्राकृतिक धरोहर केंद्र- देहरादून
- वन संग्रहालय- देहरादून

3.मालसी डीयर पार्क-यह देहारादून में मसूरी रोड पर स्थित है

उद्योग

SIDCUL (State Industrial Development Corporation of Uttarakhand)

- स्थापना- 2002 मुख्यालय- देहरादून
- सिडकुल के 7 बड़े औद्योगिक आस्थान-
- 1.एकीकृत औद्योगिक आस्थान हरिद्वार
- 2.एकीकृत औद्योगिक आस्थान पंतनगर
- 3.एकीकृत औद्योगिक आस्थान सेलाकुई देहरादून
- 4.IT पार्क सहस्त्रधारा देहरादून
- 5.एल्डिको सिडकुल इंडस्ट्रियल पार्क सितारगंज
- 6.सिग्गडी ग्रोथ सेंटर कोटद्वार पौड़ी
- 7.सिडकुल फेज 2 सितारगंज

प्रमुख उद्योग व औद्योगिक पार्क

- सिल्क पार्क- देहरादून
- सीमेंट उद्योग- देहरादून
- मारबल उद्योग- देहरादून

उच्च शिक्षा के राष्ट्रीय स्तर के संस्थान

1.इंडियन मिलिट्री अकादमी(IMA) –

स्थित- देहरादून
स्थापना- 1 अक्टूबर 1932
औपचारिक उद्घाटन- 10 दिसम्बर 1932 फील्ड मार्सल सर फिलिफ चेटवुड

- IMA की प्रमुख बिल्डिंग का नाम चेटवुड बिल्डिंग है
- भारतीय डाक विभाग ने IMA के नाम पर डाक टिकट जारी किया
- 1932 में ब्रिगेडियर एलपी कोलिंस प्रथम कमांडेंट बने थे।
- IMA के शुरुआती बैच को पायनियर बैच का नाम दिया गया था।
- इसी बैच में से फील्ड मार्शल सैम मानेक शॉ और म्यांमार के सेनाध्यक्ष रहे स्मिथ डन के साथ पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष मोहम्मद मूसा भी पास आउट हुए थे।
- 1947 में ब्रिगेडियर ठाकुर महादेव सिंह(पहले भारतीय) IMA पहले कमांडेंट बनें
- अकादमी का आदर्श वाक्य- वीरता और बुद्धि
- 1982 में भारतीय सैन्य अकादमी आईएमए की स्वर्ण जयंती पर 50 पैसे मूल्य का डाक टिकट जारी किया गया ।

2.इंदिरा गांधी राष्ट्रीय फारेस्ट अकादमी देहरादून
स्थापना- 1987
स्थित- देहरादून

3.,हिमालयन इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज- देहरादून जोलीग्रांट

- राज्य का पहला मेडिकल कॉलेज

4.राज्य का पहला महिला इंजीनियरिंग कॉलेज- सुद्धोवाला देहरादून

समसामयिक घटनायें

देहरादून(रायपुर) में किया गया कृषि ब्यवसाय विकास केंद्र का लोकार्पण -

- मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत व सतपाल महाराज ने देहरादून के रायपुर के ग्राम थानों में 20 सितम्बर 2020 को कृषि ब्यवसाय विकास केंद्र(Agriculture Business growth center) लोकार्पण किया
- इस केंद्र का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार विकसित करना है

देहरादून **में सूर्यधारा झील -**

- देहरादून में जाखन नदी पर बनी सूर्यधारा झील का लोकार्पण मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत जी द्वारा किया गया
- झील की लंबाई- 550 मीटर चौड़ाई- 28 मीटर व गहराई- 10 मीटर
- सूर्यधारा झील का नाम स्व गजेंद्र दत्त नैथानी जलाशय भी है

कमला थापा को मरणोपरांत प्रतिष्ठित फ्लोरेंस नाइटेंगल अवॉर्ड 2021 -

- देहरादून की रहने वाली नर्स कमला थापा को मरणोपरांत फ्लोरेंस नाइटेंगल अवार्ड से नवाजा गया
- राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने वर्चुअल समारोह में कमला थापा के स्वजन को यह अवार्ड प्रदान किया
- फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार भारतीय नर्सिंग परिषद द्वारा दिया जाता है
- यह पदक उन लोगों को दिया जाना था जिन्होंने नर्सिंग के पेशे में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।
- फ्लोरेंस नाइटिंगेल का जन्म 12 मई, 1820 को इटली के फ्लोरेंस में हुआ था
- फ़्लोरेन्स नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिग आन्दोलन का जन्मदाता माना जाता है।
- फ्लोरेंस नाइटिंगेल "द लेडी विद द लैंप" (दीपक वाली महिला) के नाम से प्रसिद्ध हैं

आसन कन्जर्वेशन रिजर्व बना उत्तराखण्ड का पहला रामसर स्थल -

- देहरादून जिले में स्थित आसन कन्जर्वेशन रिजर्व उत्तराखण्ड का पहला रामसर स्थल घोषित किया गया
- रामसर द्वारा मान्यता प्राप्त यह उत्तराखण्ड की पहली आद्रभूमि (wetland) है।
- रामसर - रामसर एक अंतर सरकारी सन्धि है जो अंतराष्ट्रीय महत्व के आद्रभूमि क्षेत्रों को रामसर स्थल के रूप में घोषित करता है। यह सन्धि 1971 में कई देशों के बीच ईरान के रामसर शहर में साइन की गयी
- भारत ने 1982 में इस संधि पर हस्ताक्षर किये

वीणा पाणी जोशी -

- प्रसिद्ध साहित्यकार व कवियित्री 'वीणा वाणी' जोशी जी का 83 वर्ष की आयु में 6 मार्च 2020 को निधन हो गया
- वीणा वाणी जोशी का जन्म 10 फरवरी 1934 को देहरादून में हुआ था

देहरादून **में खोला गया भारत का पहला क्रिप्टोगेमिक उद्यान –**

- देहरादून के देवबन में भारत का पहला क्रिप्टोगैमीक उद्यान खोला गया
- इसका उद्घाटन 11 जुलाई 2021 को अनूप नोटियाल द्वारा किया गया
- प्लांट जगत को दो भागों में बांटा गया है
  1.क्रिप्टोगैमस- वे पादप जिनमें प्रजनन बीजाणुओं (spores) की सहायता से होता है
  जैसे- थैलोफाइटा ब्रायोफाइट, टेरिडोफाइट
  2.फेनरोगम्स - इनमें बीज पाये जाते हैं जैसे- जिम्नोस्पर्म, एंजियोस्पर्म

उत्तराखंड का पहला बालमित्र थाना - देहरादून

- उत्तराखंड का पहला बालमित्र थाना देहरादून के डालनवाला कोतवाली में खोला गया
- 22 जनवरी 2021 को मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत जी द्वारा इस बालथाने का उद्घाटन किया गया
- उदेश्य- बाल अपराधियों को सुधारना

देहरादून जनपद प्रशासनिक ढांचा

विधानसभा सीटें - 10 सीटें
1.चकराता(ST), 2.राजपुर(SC), 3.विकासनगर, 4.देहरादून, 5.धर्मपुर 6.मसूरी 7.रायपुर 8.सहसपुर 9.ऋषिकेश 10.डोईवाला
विकासखंड - रायपुर, चकराता, डोईवाला, कालसी, सहसपुर, विकासखंड
तहसील - कालसी, त्यूनी, चकराता, ऋषिकेश, देहरादून, विकासनगर, डोईवाला

जनसंख्या - 16,96,694 (दूसरी सबसे ज्यादा सर्वाधिक हरिद्वार)
जनघनत्व - 549 तीसरा सर्वाधिक 1 हरिद्वार 2 उधम सिंह नगर
साक्षरता - 84.25%
पुरूष - 89.40%
महिला - 78.54%
लिंगानुपात - 902 (दूसरा सबसे कम लिंगानुपात वाला जिला)

देहरादून जनपद MCQ

Q1.देहरादून जनपद को गढवाल मंडल में कब शामिल किया गया
A.1872
B.1875
C.1975
D.1982

Ans- C

Q2.देहरादून नगर नगम कब बना
A.1990
B.1972
C.1975
D.1998

Ans- D

Q3.हनोल में महासू देवता मंदिर किस शैली से निर्मित है
A.मुगल शौली
B.द्रविण शैली
C.कत्यूर शैली
D.हूँण शैली

Ans- D

Q4.देहरादून का प्राचीन नाम है
A.डेरा घाटी
B.देहरापुर
C.पृथ्वीपुर
D.सहसपुर

Ans- C

Q5.बैराटगढ़ कहाँ है
A.कालसी
B.मसूरी
C.चकराता
D.ऋषिकेश

Ans- C

Q6.गन हिल प्वाइंट कहाँ स्थित है
A.कालसी
B.मसूरी
C.चकराता
D.ऋषिकेश

Ans- B

Q7.FRI को डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा कब दिया गया
A.1985
B.1991
C.1995
D.1997

Ans- B

Q8.देहरादून जनपद की सीमा उत्तराखंड के कितने जिलों से मिलती है
A.2
B.3
C.4
D.5

Ans- C

Q9.किसाऊ बांध परियोजना किस नदी पर है
A.यमुना नदी
B.टोंस नदी
C.आसन नदी
D.सोंग नदी

Ans- B

Q10.हनोल किस नदी के तट पर स्थित है
A.यमुना नदी
B.टोंस नदी
C.अलगाड नदी
D.सोंग नदी

Ans- B

Q11.देहरादून के किस स्थान पर स्टेट वार मेमोरियल है
A.सेलाकुई
B.राजपुर
C.चीरबाग
D.मोथेरवाला

Ans- C

Q12.FRI के मुख्य गेट का नाम क्या है
A.चेटवुड गेट
B.ब्रेंडिस गेट
C.ब्लॉमफील्ड गेट
D.इर्विन गेट

Ans- B

Q13.सिडकुल की स्थापना कब हुई
A.2001
B.2002
C.2004
D.2006

Ans- B

Q14.डाकपत्थर बैराज किस नदी पर है
A.यमुना
B.टोंस
C.आसन नदी
D.सोंग नदी

Ans-A

Q15.निम्न में से कौन सा जलप्रपात चकराता में स्थित है
A.किमोना फॉल
B.टाइगर फॉल
C.हार्डी जलप्रपात
D.A& B दोनों

Ans-D

Q16.निम्न में से देहरादून के चार सिद्ध में कौन सा शामिल नहीं है
A कालू सिद्ध
B.माणक सिद्ध
C.मांडू सिद्ध
D.केदार सिद्ध

Ans- D

Q17.देहरादून स्थित FRI की इमारत का डिजाइन किसके द्वारा तैयार किया गया
A.कैप्टन यंग
B.डेट्रिच ब्रेंडिस
C.ब्लॉमफील्ड
D.फिलिप चेटवुड

Ans- C

Q18.IMA(Indian Military Academy) की मुख्य बिल्डिंग का नाम किसके नाम पर रखा गया है
A.फिलिप चेटवुड
B.एलपी कोलिंस
C.कैप्टन यंग
D.सैम मानेक शॉ

Ans- A

Q19.मसूरी की खोज किस व्यक्ति ने की
A.जॉर्ज एवरेस्ट
B.कैप्टन यंग
C.जॉन मैकिनन
D.कैप्टन रैनी टेलर

Ans.B

Q20.ह्वेनसांग ने कालसी को क्या कहा
A.कालकूट
B.खतलिक
C.सुधनगर
D.युगशैल
Ans- C

Q21.सिल्क पार्क किस जनपद में है
A.देहरादून
B.पौड़ी
C.अल्मोड़ा
D.हरिद्वार

Ans-A

Q22.निम्न में से देहरादून जनपद की कौन सी विधानसभा सीट ST हेतु आरक्षित है
A.राजपुर
B.रायपुर
C.विकासनगर
D.चकराता

Ans-D

Q23.भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान कहाँ स्थित है
A.ऋषिकेश
B.हरिद्वार
C.देहरादून
D.हल्द्वानी

Ans- C

Q24.वाडिया हिमालय भू विज्ञान संस्थान की स्थापना कब हुई
A.1962
B.1964
C.1966
D.1968

Ans- D

Q25.वर्ष 2019 में प्लास्टिक वेस्ट को डीजल में तब्दील करने के लिए प्लांट किसके द्वारा स्थापित किया गया था
A.ONGC ने
B.IIP ने
C.FRI ने
D.ONGC ने

Ans- B

Q26. देहरादून में स्थित F.R.I की स्थापना कब हुई
A.1864
B.1884
D.1902
D.1906

Ans- D

Q27.भद्रराज मेला कहाँ आयोजित किया जाता है
A.चकराता
B.त्यूनी
C.मसूरी
D.विकासनगर

Ans- C

Q28.भारतीय वन्य जीव संस्थान की स्थापना देहरादून में कब की गयी
A.1980
B.1982
C.1983
D.1988

Ans- B

Q29.भारतीय डाक विभाग द्वारा IMA के नाम पर डाक टिकट कब जारी किया गया
A 1980
B.1982
C.1983
D.1986

Ans- B

Q30.राजाजी राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिजर्व क्षेत्र कब घोषित किया गया
A.2012 में
B.2014 में
C.2015 में
D.2016 में

Ans- C

Q31.देहरादून में स्थित गौतम कुंड कौन से मन्दिर के निकट स्थित है
A.टपकेश्वर मंदिर
B.चंद्रबानी मंदिर
C.संतोली माता मंदिर
D.सिधेश्वर मंदिर

Ans- B

Q32.देहरादून जनपद का जनघनत्व है
A.549
B.801
C.649
D.225

Ans- A

Q33.निम्न में से कौन सा स्थान सिडकुल से सम्बंधित नहीं है
A.सेलाकुई
B.टिहरी
C.सितारगंज
D.हरिद्वार

Ans- B

Q34.वर्ष 2015 में राजाजी नेशनल पार्क को टाइगर रिजर्व क्षेत्र घोषित किया गया यह देश का कौन सा टाइगर रिजर्व क्षेत्र है
A.47वां
B.48वां
C.50वां
D.52वां

Ans- B

Q35.फ्लोरेंश नाइटेंगल अवार्ड 2021 से किसे सम्मानित किया गया
A.सुनीता रावत
B.कमला थाप
C.रेखा आर्य
D.दीपा रावत

Ans- B

Q36.कुब्जाम्रक किसका प्राचीन नाम है
A.देहरादून
B.चकराता
C.ऋषिकेश
D.कालसी

Ans- C

Q37.मौर्य सम्राट अशोक का कालसी शिलालेख किस लिपि में लिखा गया है
A.ब्राह्मी लिपि
B.शंकु लिपि
C.खरोष्ठी लिपि
D.देवनागरी लिपि

Ans- A

Q38.देहरादून में सूर्यधारा झील किस नदी पर है
A.आसन नदी
B.सोंग नदी
C.यमुना नदी
D.जाखन नदी

Ans- D

Q39.देहरादून स्थित बुद्धा टेम्पल की स्थापना कब हुई
A.1965
B.1990
C.2002
D.2005

Ans- A

Q40.FRI को डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा कब दिया गया
A.1985
B.1991
C.1995
D.1997

Ans- B

Q41.सहस्त्रधारा जलप्रपात कौन सी नदी पर है
A.सोंग नदी
B.बाल्दी नदी
C.बिंदाल नदी
D.ऋषिपर्णा नदी

Ans- B

Q42.मसूरी स्टेशन लाइब्रेरी की स्थापना कब हुई
A.1842
B.1843
C.1844
D.1845

Ans- B

Q43.उत्तराखंड का पहला बालमित्र थाना कहाँ खोला गया
A.ऋषिकेश
B.मसूरी
C.देहरादून
D.हरिद्वार

Ans- C

Q44.इंदिरा गांधी राष्ट्रीय फॉरेस्ट अकादमी कहाँ है
A.पौड़ी
B.देहरादून
C.चमोली
D.टिहरी

Ans- B

Q45.निम्न में से कौन सा जलप्रपात देहरादून में नहीं है
A.किमोना जलप्रपात
B.शिखर फॉल
C.मासी जलप्रपात
D.खेड़ी जलप्रपात

Ans-D

Q46.कानासर पर्यटक स्थल है
A.मसुरी
B.चकराता
D.रायपुर
D.लाखामंडल

Ans- B

Q47.लाक्षेश्वर शिव मंदिर कहाँ स्थित है
A.मसूरी
B.ऋषिकेश
C.चकराता
D.लाखामंडल

Ans-D

Q48.जौनसार बाबर क्षेत्र का प्रमुख तीर्थ स्थल है
A.जौनपुर
B.चकराता
C.हनोल
D.त्यूणी

Ans- C

Q49.देहरादून जनपद का लिंगानुपात कितना है
A 880
B.902
C.920
D.934

Ans-B

Q50.जॉर्ज एवरेस्ट पीक कहाँ है
A.मसुरी
B.चकराता
D.रायपुर
D.लाखामंडल

Ans- A

Q51.सिक्ख गुरु रामराय को देहरादून में तीन गांव परमार वंश के किस राजा ने दिए
A.पृथ्वी पति शाह
B.फतेह पति शाह
C.प्रदीप शाह
D.प्रद्युम्न शाह

Ans- B

उत्तरकाशी जनपद

उत्तरकाशी जनपद का इतिहास

- उत्तरकाशी वरुणावत पर्वत की गोद में बसा हुआ एक सुंदर नगर है
- प्राचीन नाम – बाड़ाहाट व सोम्यकाशी
- अस्सी गंगा व वरुणा नदी के बीच बसे होने के कारण उत्तरकाशी को सोम्यकाशी कहा जाता है
- प्राचीन में यहां पर 12 गॉव हुआ करते थे व यहाँ पर मंडी लगने के कारण इसका नाम बड़ाहाट पड़ा
- उत्तरकाशी जनपद की स्थापना 24 फरवरी 1960 को हुई।
  इसे टिहरी जनपद से पृथक करके बनाया गया

पड़ोसी देश/राज्य/जिले सीमाएं

पूर्व में - चमोली
पश्चिम में - देहरादून
उत्तर में - हिमाचल प्रदेश
दक्षिण में - टिहरी

- उत्तरकाशी जनपद कुल 4 जिलों से सीमा बनाता है - देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली
- उत्तरकाशी उत्तराखंड राज्य का सबसे उत्तरी जिला है
- क्षेत्रफल - 8016 वर्ग KM

राष्ट्रीय राजमार्ग(National Highway)

- NH 34- धराशु से गंगोत्री
- NH 134 – धराशु – बड़कोट - फूलचट्टी - यमुनोत्री
- NH 507- विकासनगर – कालसी - बड़कोट

उत्तरकाशी जनपद के प्रमुख पर्यटक स्थल

1.हर की दून -

- हर की दून उत्तरकाशी में सूपिन नदी रेंज में रवाईं क्षेत्र में स्थित है
- पुरोला को हर की दून का प्रवेश द्वार कहा जाता है

2.हर्षिल -

- उत्तरकाशी-गंगोत्री मार्ग पर भागीरथी नदी के तट पर स्थित हर्षिल एक पर्यटक स्थल है
- हर्षिल सेब की खेती के लिये प्रसिद्ध है यहाँ पर सेब के बागान लगाने का श्रेय फ्रेडरिक विल्सन को जाता है
- फ्रेडरिक विल्सन को स्थानीय लोग राजा विल्सन या पहाड़ी विल्सन भी कहते हैं
- हर्षिल में विल्सन नाम की सेब की प्रजाति भी है

3.तपोवन - तपोवन भागीरथी नदी के उद्गम स्थल गोमुख के निकट स्थित है

उत्तरकाशी जनपद के प्रमुख मंदिर

1.विश्वनाथ मंदिर

- यह मंदिर उत्तरकाशी में स्थित है
- 1857 में गढ़वाल नरेश सुदर्शन शाह की पत्नी खनेटी रानी ने मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था
- विश्वनाथ मंदिर में एक त्रिशूल लेख जिसकी लंबाई 8 फूट 9 इंच है जिसमें लिखे लेख के अनुसार इस मंदिर का निर्माण राजा गणेश्वर ने कराया था
- विश्वनाथ मंदिर के निकट कुछ अन्य मंदिर- कालेश्वर महादेव, कोटेश्वर महादेव,गोपेश्वर मंदिर

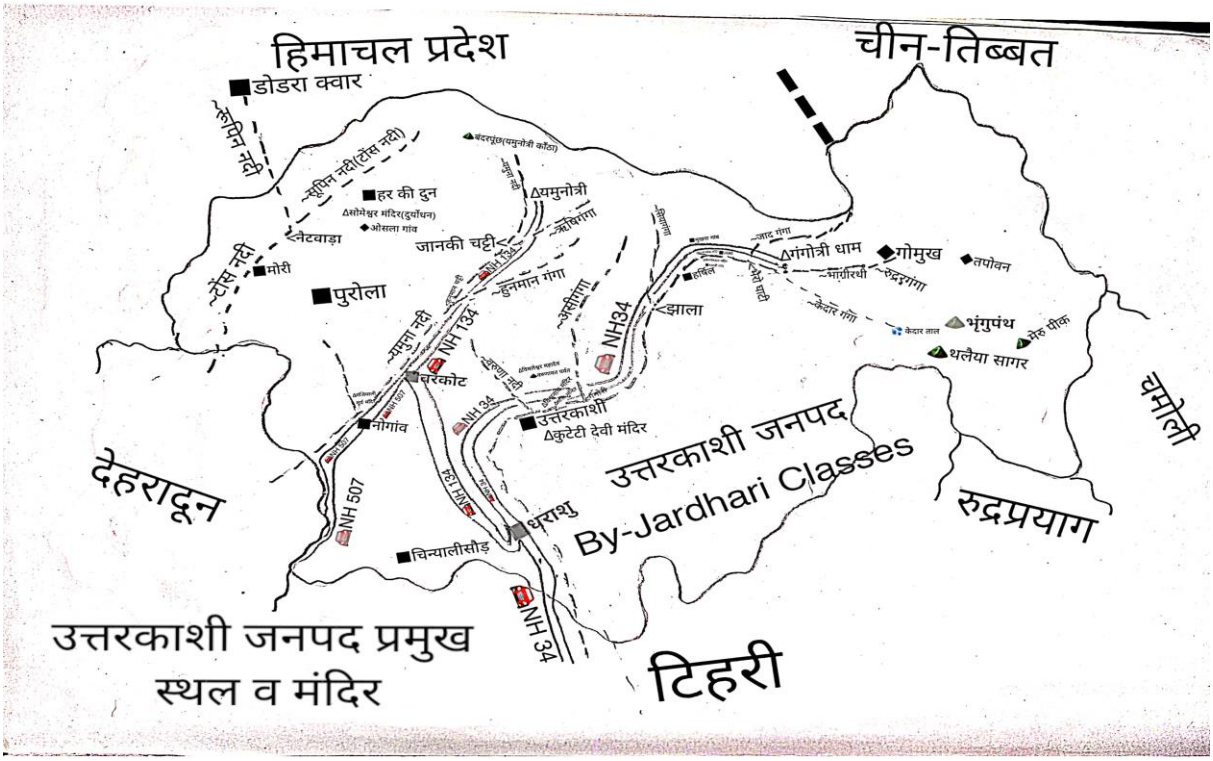

2.शक्ति मंदिर-

- शक्ति मंदिर विश्वनाथ मंदिर के सामने स्थित है
- शक्ति मंदिर में 6 मीटर ऊंचा एक त्रिशूल लेख प्राप्त हुआ
- इस त्रिशूल लेख में ब्राह्मी व शंख लिपि में लेख प्राप्त हुए

3.गंगोत्री मंदिर-

- उत्तरकाशी जनपद में गंगा(भागीरथी) माता का मंदिर गंगोत्री उत्तराखंड के चार धामों में से एक है
- इस मंदिर का निर्माण गोरखा सेनापति अमरसिंह थापा ने कराया
- वर्तमान मंदिर का पुनरुद्धार जयपुर के राजा माधो सिंह ने कराया
- इस मंदिर के निकट भागीरथी शिला है जिस पर भगीरथ ने शिव की घोर तपस्या की थी

4.यमुनोत्री मंदिर

- यमुनोत्री मंदिर उत्तरकाशी जनपद में स्थित है यह उत्तराखंड के चार धामों में से एक है
- यमुनोत्री मंदिर का जीर्णोद्धार पंवार वंश के राजा प्रताप शाह ने कराया व पुनर्निर्माण जयपुर की महारानी गुलेरिया रानी ने 19वीं सदी में कराया
- इस मंदिर के निकट एक गर्म कुंड सूर्य कुंड है

5.कल्पकेदार मंदिर –

- यह मंदिर उत्तरकाशी-गंगोत्री राजमार्ग पर स्थित धराली गांव में हैं
- यहाँ पर 240 मंदिरों का समूह था
- यह मंदिर कत्यूर शैली का बना हुआ है

6.मंजियाली का सूर्य मंदिर

- उत्तरकाशी के नोगांव, मंजियाली गांव में यह मंदिर स्थित है

7.लक्षेश्वर महादेव मंदिर-

- यह मंदिर उत्तरकाशी में भागीरथी नदी के तट पर स्थित है

8.विमलेश्वर मंदिर

- यह मंदिर उत्तरकाशी के वरुणावत पर्वत पर स्थित है
- मान्यता है कि भगवान परशुराम ने यहाँ पर शिव की तपस्या की थी

9.कुटेटी देवी मंदिर

- यह मंदिर उत्तरकाशी में ऐरावत पर्वत की चोटी पर स्थित है

10. सोमेश्वर मंदिर – यह मंदिर हर की दून रेंज में ओसला गांव में स्थित है

11. पोखू देवता मंदिर –

- यह मंदिर उत्तरकाशी के नेटवाड़ा में स्थित है
- इस मंदिर में श्रद्धालुओं को देवता की मूर्ति के दर्शन करने पर पाबंदी है
- पोखू देवता को कर्ण का प्रीतिनिधि व भगवान शिव का सेवक माना जाता है
- यहाँ मंदिर का पुजारी पीठ दिखाकर पूजा करता है

उत्तरकाशी जनपद के प्रमुख मेले

1.लोसर मेला –

- यह मेला उत्तरकाशी जनपद के जाड़ भोटिया समुदाय का प्रसिद्ध मेला है
- लोसर मेले में आटे की होली खेल मनाया जाता है
- यह मेला तीन दिन तक आयोजित किया जाता है

2.माघ मेला-

- यह मेला उत्तरकाशी में प्रतिवर्ष जनवरी माह मकर सक्रांति से शुरू होता है।
- यह मेला 8 दिन तक चलता है।
- इस मेले में कँडार देवता की डोली के साथ-साथ अन्य देवी देवताओं की डोली पहुंचती है।

3.बिस्सू मेला-

- यह मेला प्रतिवर्ष उत्तरकाशी के भुटाणु, टिकोची, किरोलो व देहरादून के चकराता , जौनसार-बाबर क्षेत्र में आयोजित किया जाता है।
- यह मेला प्रतिवर्ष विषुवत संक्राति के दिन लगता है इसलिए इसे बिस्सू मेला कहा जाता है।
- इस युद्ध में ठोटा युद्ध(धनुष बाणों का युद्ध) खेला जाता है। व ठोटा युद्ध में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 'ठोटेरी'.कहा जाता है।

4.गेंदुआ मेला-

- उत्तरकाशी की मोरी ब्लॉक की सिंगतुर पट्टी में यह मेला लगता है जिसमें दो धड़ पानसाई व साठी के बीच गेंदुआ खेल होता है

5.अठोड़ मेला-

- यह मेला उत्तरकाशी के नोगांव में लगता है
- इस मेले में जाख व सोमेश्वर देवता की पूजा अर्चना होती है

6.समसू मेला-

- यह मेला हर की दून रेंज में लगने वाला मेला यह दुर्योधन की पूजा से सम्बंद्धित है

7.खरसाली मेला –

- यमुनोत्री मार्ग में खरसाली गांव में यह मेला लगता है
- खरसाली गांव में यमुना के भाई शनि देव का एक प्राचीन मंदिर भी है

8.हरदूध मेला 9.बाड़ाहाट मेला

यात्रा-

1.पंचकोशी वारुणी यात्रा-

- यह यात्रा चैत्र मास में होती है
- यात्रा की शुरुआत भागीरथी - वारुणी के संगम से शुरू होती है व वरुणावत पर्वत की परिक्रमा कर भागीरथी-अस्सी गंगा संगम स्थल पर समाप्त होती है
- यह 15 KM की पैदल यात्रा है

उत्तरकाशी जनपद में स्थित प्रमुख दर्रे

उत्तरकाशी- तिब्बत को जोड़ने वाले दर्रे-

1.थांगला 2.मुलिंग ला 3.नेलंग ला 4.सांगचोकला

उत्तरकाशी - चमोली को जोड़ने वाले दर्रे-

1.कालिंदी दर्रा

हर की दून व यमुनोत्री को जोड़ने वाला दर्रा - बाली पास दर्रा

उत्तरकाशी व हिमाचल के बीच स्थित दर्रा – श्रंगकंठ दर्रा

प्रमुख नदियां

1.भागीरथी नदी -
उद्गम - गोमुख(गंगोत्री हिमनद)
सहायक नदी-
1.रुद्रगंगा- उद्गम - रुद्रगेरा ग्लेशियर
संगम - गंगोरी धाम के ऊपर भागीरथी से संगम

2.केदारगंगा -उद्गम - केदार ताल
संगम - गंगोत्री धाम के निकट

3.जाद गंगा(जाड़गंगा)- उद्गम - थांगला दर्रा
संगम – भैरोघाटी

4.सियागंगा- झाला नामक स्थान पर भागीरथी में मिलती है

5.अस्सी गंगा - इसका उद्गम डोंडीताल से होता है व गंगोरी नामक स्थान पर भागीरथी से संगम करती है

6.वरुणा नदी - उत्तरकाशी में भागीरथी में मिलती है

यमुना नदी-
यमुना नदी को कालिंदी नदी भी कहा जाता है
असित मुनि ने यमुना नदी की खोज की इसलिए इसका एक नाम आसिता नदी भी है
उद्गम- बंदरपूंछ पर्वत शिखर के यमुनोत्री काँठा हिमनद से
यमुना नदी यमुनोत्री धाम से होकर प्रवाह करती है यमुनोत्री धाम में स्थित मंदिर का निर्माण प्रताप शाह ने 1872-73 में कराया था।
यमुनोत्री से 16Km की दूरी पर सप्तऋषि कुण्ड स्थित है।
उत्तराखंड में यमुना नदी की लंबाई- 136Km.

सहायक नदी
1.,ऋषिगंगा-
उद्गम- बन्दरपूँछ ग्लेशियर
संगम- जानकी चट्टी में यमुना नदी से

2.हनुमान गंगा-
उद्गम- बन्दरपूँछ पर्वत से
संगम - हनुमान चट्टी के पास यमुना नदी से

3.कमलगाड़(कमल नदी) –
कमलगाड़ नोगांव में यमुना नदी में मिल जाती है
पुरोला घाटी को कमल नदी का वरदान कहा जाता है

टोंस नदी –
टोंस नदी यमुना नदी की प्रमुख सहायक नदी है
टोंस नदी को उद्गम से सूपिन नदी भी कहते हैं
उद्गम - बन्दरपूँछ पर्वत के उत्तरी ढाल से

सहायक नदी-
रूपिन नदी- इसका उद्गम हिमाचल प्रदेश के डोडरा क्वार से होता है
संगम - सूपिन व रूपिन(टोंस) नदी का संगम नैटवाड़(उत्तरकाशी) में होता है व आगे टोंस नदी के रूप में आगे बढ़ती है
टोंस नदी देहरादून के कालसी में यमुना नदी से मिल जाती है

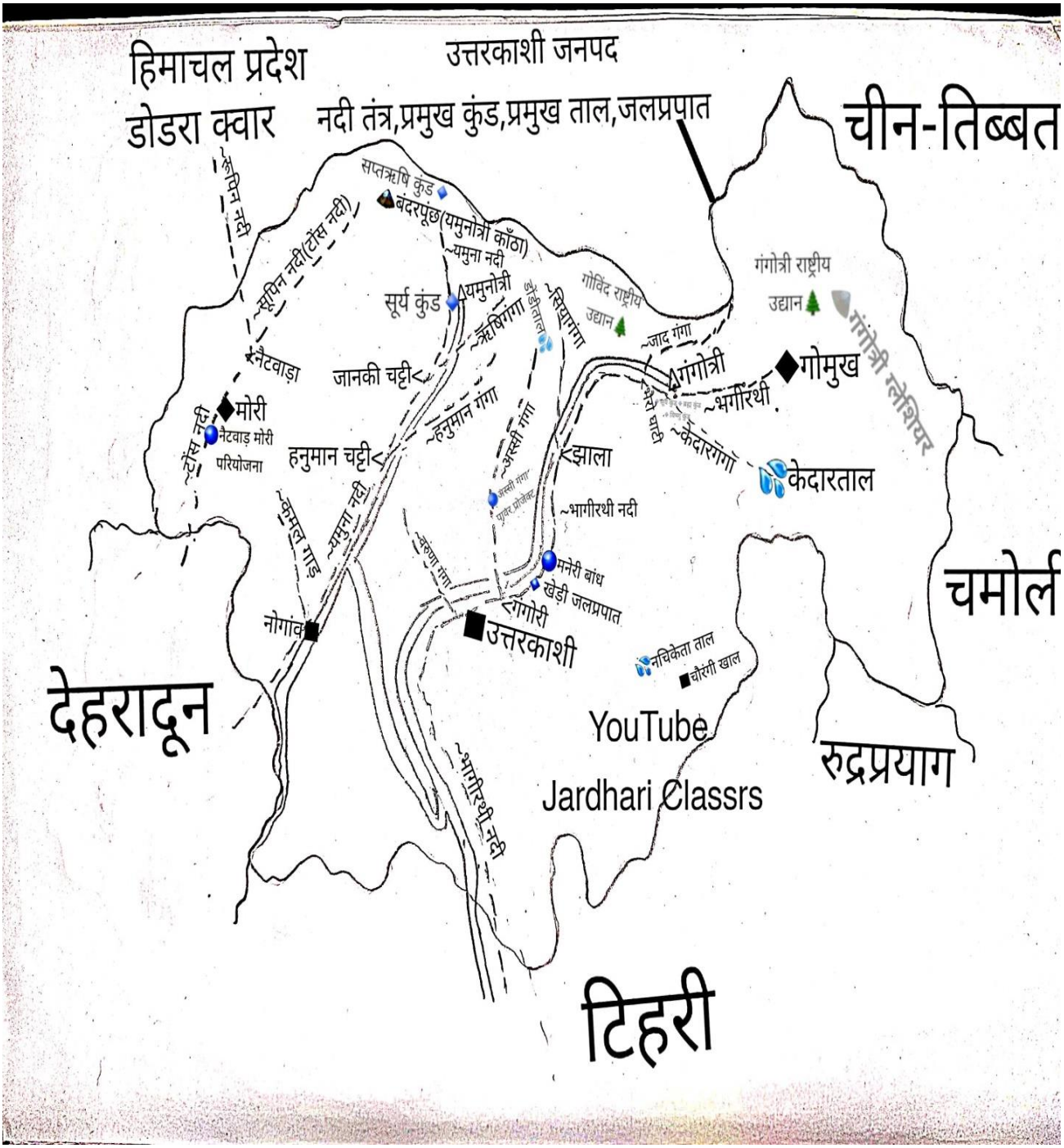
हिमाचल प्रदेश
उत्तरकाशी जनपद
डोडरा क्वार
नदी तंत्र,प्रमुख कुंड,प्रमुख ताल,जलप्रपात
चीन-तिब्बत
सप्तऋषि कुंड
बंदरपूंछ(यमुनोत्री काँठा)
~यमुना नदी
~सूपिन नदी
~सूपिन नदी(टोंस नदी)
सूर्य कुंड
यमुनोत्री
~ऋषिगंगा
~सियागंगा
गोविंद राष्ट्रीय उद्यान
गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान
गंगोत्री ग्लेशियर
~जाद गंगा
गंगोत्री
गोमुख
~भगीरथी
~नैटवाड़ा
जानकी चट्टी
मोरी
नैटवाड़ मोरी परियोजना
~टोंस नदी
हनुमान चट्टी
~हनुमान गंगा
~भस्मी गंगा
भस्मी गंगा पुपर प्रोजेक्ट
झाला
~केदारगंगा
केदारताल
~भागीरथी नदी
~कमल गाड
~यमुना नदी
~बंदरा गंगा
मनेरी बांध
खेड़ी जलप्रपात
गंगोरी
नोगांव
उत्तरकाशी
नचिकेता ताल
चौरंगी खाल
चमोर्ल
देहरादून
YouTube
Jardhari Classrs
रुद्रप्रयाग
~भागीरथी नदी
टिहरी

प्रमुख परियोजनाएँ, कुंड, झील

प्रमुख परियोजनाएँ

परियोजन नदी

1.मनेरी-भाली परियोजना - भागीरथी नदी
2.हनुमान गंगा परियोजना - हनुमान गंगा
3.करमोली परियोजना - जाद गंगा
4.जाड़गंगा परियोजना - "
4.सोनगढ़ परियोजना - यमुना
5.तालुका सांकरी परियोजना - टोंस नदी
6.मोरी हनोल परियोजना - टोंस
7.लोहारी नाग परियोजना - भागीरथी

प्रमुख कुंड

ठंडे कुंड

1.सप्तऋषि कुंड - यह कुंड यमुनोत्री से 14 KM दूर है
यह एक ठंडा कुंड है
इसे यमुनोत्री का उद्गम भी माना जाता है

2.सूर्य कुंड - यह कुंड गंगोत्री में स्थित है
3.ब्रह्म कुंड व विष्णु कुंड - ये कुंड भी भगीरथ शिला के पास गंगोत्री में स्थित हैं
4.गंगनानी कुंड- यमुनोत्री मार्ग पर ठंडा कुंड

गर्म कुंड-

1.सूर्य कुंड -
यमुनोत्री मंदिर के निकट यह एक गर्म कुंड है
2.गंगनानी कुंड(गंगानी कुंड)- यह भी एक गर्म कुंड है। यह गंगोत्री मार्ग पर है

जलप्रपात- खेड़ी जलप्रपात उत्तरकाशी जनपद में स्थित है

प्रमुख झील व ताल

1.नचिकेता ताल-
यह ताल उत्तरकाशी से 32Km दूर व चौरंगीखाल से 3 Km दूर स्थित
माना जाता है कि इस स्थान पर नचिकेता व यमराज का सवांद हुआ था जिससे इस ताल का नाम नचिकेता ताल पड़ा।

2.डोंडीताल-
यह ताल उत्तरकाशी जनपद के 30km दूर स्थित है
इस ताल के 6 कोने है।
इस ताल से असीमगंगा(भागीरथी की सहायक नदी) का उद्गम होता है।

3.केदारताल-
यह ताल उत्तरकाशी जनपद में गंगोत्री से 20Km दूरी पर स्थित है।
यह ताल थालैयासागर पर्वत श्रखंला पर स्थित है।
इस ताल से भागीरथी नदी की सहायक नदी केदारगंगा का उद्गम होता है

4.फाचकंडी ताल-
उत्तरकाशी जनपद में स्थित इस ताल का जल उबलता रहता है
5.देवताल
6.खिड़ा ताल
7.लामाताल
8.भराड़सरताल
9.बयाँ ताल
10.रोहिसाड़ा ताल

उत्तरकाशी में स्थित हिमनद, पर्वत शिखर, बुग्याल, प्रमुख घाटी, प्रमुख गुफा

उत्तरकाशी में स्थित हिमनद

क्रस.	ग्लेशियर	जनपद
1	बंदरपूंछ	उत्तरकाशी
2	गंगोत्री	राज्य का सबसे बड़ा ग्लेशियर
3	यमुनोत्री	उत्तरकाशी
4	चांगथांग-	उत्तरकाशी
5	चतुरंगी	उत्तरकाशी

उत्तरकाशी जिले में स्थित पर्वत शिखर-

केदारनाथ 6940
भागीरथी 6856
श्रीकंठ 6728
गंगोत्री 6672
मेरु पर्वत – 6640
यमुनोत्री 6400
मेरु पर्वत – 6331
बंदरपूंछ 6320
थलैया सागर पर्वत – 6904
भृगू पर्वत – 6041
जैलंग पर्वत- 5871

चमोली-उत्तरकाशी में स्थित पर्वत शिखर-

स्वर्गारोहनी 6252

उत्तरकाशी जनपद में स्थित बुग्याल

1.केदार काँठा 2.केदार खर्क 3.दयारा बुग्याल
4.तपोवन बुग्याल
5.कुश कल्याण 6.देवदामिनी 7.सोन गाड़
8.हर की दून 9.मानेग बुग्याल
10.पंवाली काँठा- यह टिहरी व उत्तरकाशी में स्थित है
11.देवक्यारा बुगयाल – 2019 में ट्रेक ऑफ द इयर घोषित

प्रमुख घाटी –

नेलंग घाटी –

उत्तरखंड का लदाख कहा जाता है
इसे पहाड़ का रेगिस्तान भी कहा जाता है

गरतांग गली सीढ़ी–

- यह नेलंग घाटी में स्थित है
- यहा पर लकड़ी का पुल है
- यह भारत व तिब्बत के मध्य व्यापार का मार्ग था
- इस गरतंग गली पुल को 1962 में बंद कर दिया था व 2021 में पर्यटकों के लिए खोल दिया गया

भैरो घाटी –

- भैरों घाटी के पास लंका नामक स्थान है
- भैरो घाटी के पास जाड़गंगा व भागीरथी नदी का संगम होता है

हर की दून घाटी –

हर की दून उत्तरकाशी में सूपिन नदी रेंज में स्थिर है

पुरोला घाटी –

पुरोला घाटी को कमल नदी का वरदान कहा जाता है

पुरोला को हर की दून का प्रवेश द्वार कहा जाता है

प्रमुख गुफा –

- प्रकटेश्वर पंचानन महादेव गुफा- उत्तरकाशी के ब्रह्मखाल के महर गाँव में स्थित
- मतंग गुफा – उत्तरकाशी के मालती गाँव में
- श्रंगी गुफा

राष्ट्रीय उद्यान व वन्य जीव विहार-

1. गोविंद राष्ट्रीय उद्यान-

- स्थापना- 1980
- स्थित- उत्तरकाशी
- क्षेत्रफल- 472 वर्ग Km
- प्रमुख जीव- भूरा भालू, हिम तेंदुआ, काला भालू, कस्तूरी मृग, मोनाल, आदि।

2.गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान-

- स्थापना-1989
  स्थित-उत्तरकाशी
  क्षेत्रफ़ल- 2390 वर्ग Km
- गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान राज्य का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है।
- प्रमुख जीव- हिम तेंदुआ, हिमालयन भालू, कस्तूरी मृग, भरल आदि।

3.गोविंद वन्य जीव विहार-

- स्थापना- 1955
- स्थित- उत्तरकाशी
- क्षेत्रफल- 485 वर्ग Km
- प्रमुख जीव- हिम बाघ(स्नो लैपर्ड), कस्तूरी मृग, गुलदार, कला व भूरा भालू , चकोर , गोल्डन ईगल, मोनाल, दाढ़ी वाले गिद्ध आदि।

प्रमुख संस्थान –

नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (Nehru Institute of Mountaineering)-

स्थापना- 14 नवंबर 1965

हिमालयन संग्रहालय – यह उत्तरकाशी जनपद में स्थित है

प्रमुख व्यक्तित्व

बछेन्द्री पाल- जन्म- 24 मई 1954
1984 में एवरेस्ट अभियान में शामिल
23 मई 1984 को बछेंद्रीपाल ने एवरेस्ट फतह की
एवरेस्ट पर चढ़ने वाले देश की पहली महिला

पुरस्कार-
पद्मश्री(1984)
अर्जुन पुरस्कार(1986)
भारतीय पर्वतारोहण फाउंडेशन द्वारा स्वर्ण पदक- 1984
नेशनल एडवेंचर अवार्ड- 1994
HNB से Phd मानद उपाधि- 1997
पदम् भूषण- 2019

मानसी जोशी – उत्तरकाशी क्रिकेट खिलाड़ी

समसामयिक घटनायें

उत्तरकाशी मेंपिरूल विधुत परियोजना शुरू की गयी -

- 30 सितम्बर 2020 को मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत जी ने उत्तरकाशी जिले के डुंडा क्षेत्र के ग्राम चकोन धनारी में 25 लाख रुपये की लागत वाली 25 किलोवाट क्षमता की पिरूल (चीड की सूखी पत्तियां) से विद्युत उत्पादन की पहली परियोजना का लोकार्पण किया

उत्तराखंड ट्रेक ऑफ द ईयर 2019 -

- उत्तरकाशी जनपद के मोरी ब्लॉक में स्थित देवक्यारा बुग्याल को वर्ष 2019 का ट्रेक ऑफ द ईयर घोषित किया गया है।
- साहसिक पर्यटन व दूरस्थ गांवों को विकसित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा ट्रेक ऑफ द ईयर योजना शुरू की गई

ट्रेक ऑफ द ईयर 2018- नामिक ग्लेशियर
ट्रेक ऑफ द ईयर 2017- द्रोणगिरि पर्वत

देश का पहला इनडोर स्पोर्ट क्लाइम्बिग सेंटर

- उत्तरकाशी में स्थित नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (निम) में देश का पहला इनडोर स्पोर्ट क्लाइम्बिग सेंटर बन कर तैयार हो गया है
- यहां स्पोर्ट क्लाइम्बिग के प्रशिक्षण के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्पोर्ट क्लाइम्बिग स्पर्धाएं भी हो सकेंगी

अनामिका बिष्ट ने किया यूरोप महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रुस का सफल आरोहण –

- उत्तरकाशी जनपद की पर्वतारोही अनामिका बिष्ट ने यूरोप महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रुस का सफल आरोहण किया
- माउंट एलब्रुस की ऊंचाई 5642 मीटर है
- अनामिका बिष्ट ने 24 अगस्त 2021 को दोपहर एक बजे उन्होंने दो अन्य साथियों दिल्ली निवासी लेफ्टिनेंट रोमिल और बेंग्लुरु निवासी गायत्री के साथ सफल आरोहण किया

उत्तराखंड की यमुना घाटी से मिली सिंधु घाटी सभ्यता काल से जुड़ी प्रतिमा-

- दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र की पहल पर पुरातत्व व इतिहास के शोधार्थियों ने उत्तरकाशी जिले में बर्नीगाड से लगभग दस किमी उत्तर-पूर्व में देवल गांव से पाषाण निर्मित महिष (भैंसा) मुखी चतुर्भुज मानव प्रतिमा खोज निकाली है।
- उत्तराखंड की यमुना घाटी में पहले भी सिंधु घाटी सभ्यता से जुड़े अवशेष मिल चुके हैं।
- यहां कालसी में अशोक के शिलालेख जगतग्राम व पुरोला में ईंटों से बनी अश्वमेध यज्ञ की वेदियां और लाखामंडल के देवालय समूह प्रसिद्ध हैं।

सविता कंसवाल ने माउंट मकालू का किया सफल आरोहण –

- उत्तरकाशी के लोंथरु गांव निवासी पर्वतारोही सविता कंसवाल ने माउंट एवरेस्ट के बाद 15 दिन के अंदर माउंट मकालू पर सफल आरोहण कर नेशनल रिकॉर्ड बनाया है।
- सविता कंसवाल ने 12 मई को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराया था।
- इसके बाद उन्होंने माउंट मकालू (8463 मीटर) पर आरोहण किया।
- 15 दिन के अंदर दोनों पर्वतों पर आरोहण कर उन्होंने नया नेशनल रिकॉर्ड अपने नाम किया।

प्रशासनिक ढांचा

विधानसभा क्षेत्र -

उत्तरकाशी जनपद में कुल 3 विधानसभा सीट हैं

1.गंगोत्री 2.पुरोला(SC) 3.यमुनोत्री

विकासखंड -

1.चिन्यालीसौड़ 2. पुरोला 3.नोगांव

4.डुंडा 5.भटवाड़ी 6. मोरी

कुल जनसंख्या - 3,30,086

जनसंख्या घनत्व - 41(प्रति वर्ग KM में निवास करने वाले ब्यक्ति)

लिंगानुपात - 958

कुल साक्षरतादर - 75.81%

पुरुष साक्षरता - 88.79%

महिला साक्षरता - 62.35%

JARDHARI CLASSES

उत्तरकाशी जनपद MCQ

Q1.निम्न में से उत्तरकाशी में कौन सा सूर्य मन्दिर है
A.कुलसारी का सूर्य मंदिर
B.पलेठी का सूर्य मंदिर
C.रमकादित्य का सूर्य मंदिर
D.मंजियाली का सूर्य मंदिर

Ans-D

Q2.हर की दून का प्रवेश द्वार कहा जाता है
A.पुरोला
B.हर्षिल
C.बड़कोट
D.मोरी

Ans- A

Q3.पंचकोशी वारुणी यात्रा का सम्बंध किस जनपद से है
A.देहरादून
B.चमोली
C.उत्तरकाशी
D.अल्मोड़ा

Ans- C

Q4.हर की दून स्थित है
A.देहरादून
B.हरिद्वार
C.उत्तरकाशी
D.टिहरी

Ans-c

Q5.निम्न में से कौन सा दर्रा चमोली व उत्तरकाशी के मध्य है
A.कालिंदी दर्रा
B.नेलंग ला दर्रा
C.बाली पास दर्रा
D.मुलिंग ला

Ans- A

Q6.कमल नदी का वरदान किसे कहा जाता है
A.मोरी
B.नोगांव
C.पुरोला
D.नैटवाड़

Ans- C

Q7.कमलगाड़ किसकी सहायक नदी है
A.भागीरथी की
B.यमुना की
C.टोंस की
D.ऋषिगंगा की

Ans- B

Q8.उत्तरकाशी के पश्चिम में स्थित है
A.हिमाचल प्रदेश
B.देहरादून
C.टिहरी
D.चमोली

Ans- B

Q9.उत्तरकाशी में निम्न विधानसभा सीटों में से कौन सी एक सीट SC के लिए आरक्षित है
A.गंगोत्री
B.पुरोला
C.यमुनोत्री
D.इनमें से कोई नहीं

Ans- B

Q10.निम्न में से कौन सा ताल थलैयासागर पर्वत श्रंखला में स्थित है
A नचिकेता ताल
B.केदारताल
C.रोहिसाड़ा ताल
D.फाचकंडी ताल

Ans- B

Q11.चांगथांग ग्लेशियर किस जनपद में है
A.उत्तरकाशी
B.चमोली
C.बागेश्वर
D.पिथौरागढ़

Ans- A

Q12.उत्तरकाशी जनपद के जाड़ भोटिया जनजाति का प्रसिद्ध मेला है
A.बिस्सू मेला
B.अठोड़ मेला
C.लोसर मेला
D.गेंदुआ मेला

Ans- C

Q13.उत्तरकाशी जनपद उत्तराखंड के कितने जिलों से सीमा बनाता है
A.2
B.4
C.3
D.5

Ans- b

Q14.निम्न में से किस ताल का जल उबलता रहता है
A.फाचकंडी ताल
B.भराड़सरताल
C.रोहिसाड़ा ताल
D.डोंडीताल

Ans- A

Q15.निम्न में से कौन सा पर्वत उत्तरकाशी में नहीं है
A.थलैया सागर पर्वत
B.मेरु पर्वत
C.श्रीकंठ पर्वत
D.हाथी पर्वत

Ans- D

Q16.उत्तरकाशी जनपद की स्थापना कब हुई
A.1957
B.1949
C 1960
D.1962

Ans- c

Q17.उत्तरकाशी व चमोली को जोड़ने वाला दर्रा है
A.संगचोककला
B.थांगला दर्रा
C.बाली पास दर्रा
D.कालिंदी दर्रा

Ans- d

Q18.भैरोघाटी में भागीरथी से किस नदी का संगम होता है
A.केदारगंगा
B.अस्सी गंगा
C.वरुणा नदी
D.जाड़गंगा

Ans- D

Q19.निम्न में से उत्तरकाशी में कौन सा एक गरम पानी का कुंड है
A.नारद कुंड
B.गंगनानी कुंड
C.सप्तऋषि कुंड
D.B&C दोनों

Ans- B

Q20.मनेरी भाली परियोजना किस नदी पर बनी है
A.यमुना नदी
B.भागीरथी नदी
C.टोंस नदी
D.जाड़गंगा

Ans- b

Q21.उत्तराखंड के किस जनपद में सबसे कम महिला साक्षरता दर है
A.हरिद्वार
B.टिहरी
C.चम्पावत
D.उत्तरकाशी

Ans- d

Q22.निम्न में से किस बुग्याल को वर्ष 2019 में ट्रेक ऑफ द ईयर चुना गया
A केदार खर्क
B.देवक्यारा बुग्याल
C.पूठारा बुग्याल
D.पंवाली कांठा बुग्याल

Ans- B

Q23.विश्वनाथ मंदिर किस शैली में निर्मित है
A.पुष्पक शैली
B.कत्यूरी शैली
C.नागर शैली
D.शंकुधारी शैली

Ans- B

Q24.उत्तरकाशी में स्थित विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार किसने कराया
A.खनेटी रानी
B.रानी कर्णावती
C.जिया कनकदेइ
D.इंदु मती शाह

Ans- A

Q25.निम्न में से कौन सा मेला ठोटा युद्ध(धनुष बाण युद्ध) से सम्बंद्धित है
A.बिस्सू मेला
B.अठोड़ मेला
C.लोसर मेला
D.गेंदुआ मेला

Ans- A

Q26.केदार कांठा बुग्याल किस जनपद में है
A.चमोली
B.उत्तरकाशी
C.पिथौरागढ़
D.रुद्रप्रयाग

Ans- B

Q27.उत्तराखंड का लद्दाख कहा जाता है
A.पुरोला
B.नेलंग घाटी
C.हर की दून
D.लुरोला घाटी

Ans- B

Q28.निम्न में से किस ताल से असीम गंगा का उद्गम होता है
A.नचिकेता ताल
B.केदारताल
C.डोंडी ताल
D.फाचकंडी ताल

Ans- C

Q29.जाद गंगा व भागीरथी का संगम कहाँ पर होता है
A.झाला
B.गंगोरी
C.गंगोत्री
D.भैरो घाटी

Ans- d

Q30.उत्तरकाशी जनपद में लंका जामक स्थान में भागीरथी नदी से किस नदी का मिलन होता है?
A.जान्हवी
B.गरुड़ गंगा
C.पाताल गंगा
D.भिलंगना

Ans- A

Q31.मतंग गुफा किस जनपद में है
A चमोली
B.टिहरी
C हरिद्वार
D.उत्तरकाशी

Ans- D

Q32.निम्न में से किस मंदिर का निर्माण गोरखा सेनापति अमरसिंह थापा ने कराया
A.यमुनोत्री
B.कल्पकेदार
C.दुर्योधन मंदिर
D.गंगोत्री मंदिर

Ans- d

Q33.धराशु से गंगोत्री को कौन सा राजमार्ग जोड़ता है
A.NH 34
B.NH 134
C.NH 107
D.NH 94

Ans- a

Q34.राज्य का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है
A.कार्बेट नेशनल पार्क
B.राजाजी नेशनल पार्क
C.गंगोत्री नेशनल पार्क
D.गोविंद नेशनल पार्क

Ans- C

Q35.नेहरु पर्वतारोहण संस्थान की स्थापना उत्तरकाशी में कब की गयी
A.14 नवंबर 1962
B.14 नवंबर 1963
C.14 नवंबर 1964
D.14 नवंबर 1965

Ans- D

Q36.गर्म कुंड सूर्य कुंड कहाँ स्थित है
A.गंगोत्री
B.यमुनोत्री
C.केदारनाथ
D.बद्रीनाथ

Ans- B

Q37.निम्न में से कौन सी नदी गंगोत्री धाम के निकट भागीरथी से संगम करती है
A.रुद्रगंगा
B.जाड़ गंगा
C.केदारगंगा
D.सिया गंगा

Ans- c

Q38.गरतांग गली कहाँ स्थित है
A.पुरोला
B.नेलंग घाटी
C.हर की दून
D.लुरोला घाटी

Ans- B

Q39.निम्न में से कौन सा बुग्याल उत्तरकाशी में नहीं है
A.मानेग बुग्याल
B.दयारा बुग्याल
C.केदार खर्क
D.बगजी बुग्याल

Ans- D

Q40.गोविंद राष्ट्रीय उद्यान किस जनपद में स्थित है
A.टिहरी
B.उत्तरकाशी
C.देहरादून
D.चमोली

Ans- b

Q41.ऋषिगंगा किस नदी की सहायक नदी है
A.यमुना नदी
B.भागीरथी नदी
C.टोंस नदी
D.इनमें से कोई नहीं

Ans- a

Q42.देवक्यारा बुग्याल किस जनपद में है
A.उत्तरकाशी
B.चमोली
C.रुद्रप्रयाग
D.टिहरी

Ans- A

Q43.पर्वतारोही बछेंद्री पाल को पदम् भूषण से कब सम्मानित किया गया
A.1984
B.2009
C.2019
D.2021

Ans- C

Q44.निम्न में से कौन सा बुग्याल उत्तरकाशी जनपद में नहीं है
A.दयारा बुग्याल
B.तपोवन बुग्याल
C.बर्मी बुग्याल
D.हर की दून बुग्याल

Ans- c

Q45.निम्न में से किस यात्रा का सम्बंध उत्तरकाशी से है
A.गुरु मणिकनाथ यात्रा
B.पंच कोशी वारुणी यात्रा
C.मनणा माई की जात
D.इनमें से कोई नहीं

Ans- b

Q46.संविता कंसवाल का सम्बंध है
A.बैडमिंटन
B.क्रिकेट
C.पर्वतारोहण
D.बॉक्सिंग

Ans- C

Q47.उत्तराखंड के किस जनपद में पिरूल विद्युत परियोजना शुरू की गयी
A.चमोली
B.उत्तरकाशी
C.देवप्रयाग
D.पिथौरागढ़

Ans- B

Q48.उत्तरकाशी का प्राचीन नाम है
A.सुदर्शन क्षेत्र
B.द्वारहाट
C.डोंडीहाट
D.बाड़ाहाट

Ans- D

Q49.हर की दून व यमुनोत्री को जोड़ने वाला दर्रा है
A.श्रृंगकण्ठ
B.बाली पास
C.कालिंदी
D.थांगला

Ans- b

Q50.अनामिका बिष्ट ने यूरोप महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रुस का सफल आरोहण किया वे किस जनपद से हैं
A.चमोली
B.पिथौरागढ़
C.उत्तरकाशी
D.बागेश्वर

Ans- C

Q51.उत्तरकाशी जनपद किस पर्वत की गोद में बसा हुआ है
A.वरुणावत
B.ऐरावत
C.सुदर्शन
D.वराहवत

Ans- A

JARDHARI CLASSES

चमोली जनपद

चमोली का इतिहास

- ऋग्वेद के अनुसार जलप्रलय के बाद चमोली के माणा(प्राणा) गांव में सप्तऋषियों ने अपने प्राणों की रक्षा की व यहीं से पुनः सृष्टि का आरम्भ हुआ
- चमोली के माणा गांव में व्यासगुफा स्थित है मान्यता है कि इसी व्यास गुफा में वेदव्यास ने महाभारत कथा की रचना की
- चमोली का प्राचीन नाम लाल सांगा था
- चमोली में जोशीमठ नामक स्थान कत्यूरी राजाओं की प्रारम्भिक राजधानी थी
- पंवार वंश के संस्थापक कनकपाल ने चमोली के चाँदपुरगढ़ के शासक भानुप्रताप की पुत्री से विवाह कर चाँदपुरगढ़ में परमार वंश की नींव रखी

चमोली जनपद की स्थापना - 24 फरवरी 1960
मुख्यालय – गोपेश्वर

भौगोलिक स्थिति -
पड़ोसी जिले/राज्य/देश-
पूर्व - पिथौरागढ़, बागेश्वर
पश्चिम - उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग
उत्तर – चीन
दक्षिण- अल्मोड़ा, पोड़ी
चमोली जनपद राज्य के 6 जनपदों से सीमा बनाता है
क्षेत्रफल- 8030 वर्ग KM

National Highway (राष्ट्रीय राजमार्ग)-
NH 7 - दिल्ली-रुद्रप्रयाग-कर्णप्रयाग-बद्रीनाथ-माणा (Old Name- 58)
NH 109 - कर्णप्रयाग-आदिबद्री-गैरसैण-रानीखेत(अल्मोड़ा) old name- 87

प्रमुख पर्यटक स्थल

1.गोपेश्वर -

- गोपेश्वर 1970 में चमोली जिले का मुख्यालय बनाया गया
- गोपेश्वर में प्रसिद्ध गोपीनाथ मंदिर है
- मान्यताओं के अनुसार गोपेश्वर का नाम श्री कृष्ण के नाम पर पड़ा
- गोपेश्वर में वैतरणी कुंड(रति कुंड) स्थित है
- गोपेश्वर से कुछ दूर पर सगर गाँव हैं

2.जोशीमठ-

- जोशीमठ कत्युरी राजाओं की प्राचीन राजधानी है
- आदिगुरु शंकराचार्य जी ने यहाँ मठ की स्थापना की व इयका नाम श्रीमठ रखा लेकिन यहाँ पर उन्हें आत्मज्योति की प्राप्ति हुई इसलिये इस मठ का नाम ज्योतिर्मठ पड़ा
- आचार्य शंकराचार्य जी ने अपने शिष्य त्रोटकाचार्य को ज्योतिर्मठ का पहला शंकराचार्य प्रतिष्ठित किया
- यहीं पर आदि गुरु शंकराचार्य ने पूर्णगिरी देवी पीठ व नरसिंह मन्दिर की स्थापना की
- इसी नर्सिंग मंदिर में तिमुंडा मेले का आयोजन होता है
- बद्रीनाथ का शीतकालीन आवास जोशीमठ का नर्सिंग मंदिर है

3.गैरसैण -

- गैर सैण गढ़वाल एवं कुमाऊँ का केंद्र बिंदु है
- वीर चंद्र सिंह गढ़वाली ने सर्वप्रथम गैरसैंण को उत्तराखंड की राजधानी का प्रस्ताव रखा
- जुलाई 1992 में उत्तराखंड क्रांति दल ने गैरसैंण को उत्तराखंड की राजधानी घोषित किया
- 4 मार्च 2020 को मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत ने गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित किया
- मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने स्वंतत्रता दिवस पर 15 अगस्त 2020 को गैरसैंण में तिरंगा फहराया

5.कर्णप्रयाग-

- कर्णप्रयाग उत्तराखंड के पंच प्रयागों में से एक है
- यहाँ पर अलकनंदा एवं पिंडर नदी का संगम होता है
- कर्णप्रयाग कर्ण की तपस्थली है व यहाँ पर कर्ण मंदिर स्थित है।कर्णप्रयाग में उमा देवी मंदिर एक प्राचीन मंदिर है

4.ग्वालदम-

- ग्वालदम चाय व सेब की खेती के लिए प्रसिद्ध है
- 1970 में ग्वालदम में SSB प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गयी

6.माणा गांव-

- माणा गांव भारत का अंतिम सीमावर्ती गांव है जो बद्रीनाथ से 3-4 KM दूर स्थित है
- माणा गांव में केशव प्रयाग में सरस्वती एवं अलकनंदा नदी का संगम होता है
- माणा गांव में सरस्वती नदी पर दो विशाल शिलाओं से निर्मित भीम पुल भी है
- माणा गाँव मे ब्यास गुफा व मुचकुंद गुफा स्थित है
- ऋग्वेद के अनुसार जलप्रलय के बाद चमोली के माणा(प्राणा) गांव में सप्तऋषियों ने अपने प्राणों की रक्षा की व यहीं से पुनः सृष्टि का आरम्भ हुआ

7.ओली –

- चमोली जिले में स्थित औली स्कीइंग तथा अन्य साहसिक खेल के लिए प्रसिद्ध है
- औली में रज्जुमार्ग(औली परियोजना) का शुभारंभ जुलाई 1983में इंदिरा गांधी जी द्वारा किया गया ओली के पास गुरसो बुग्याल स्थित है
- औली में स्कीइंग खेल महोत्सव की शुरुआत- 1987

8.गोचर –

- गोचर अलकनंदा नदी के तट पर स्थित है
- गौचर मेला उत्तराखंड का प्रसिद्ध ऐतिहासिक ब्यवसायिक मेला है।
- इस मेले की शुरुआत 1943 में तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर बर्नेडी ने की
- इस मेले का आयोजन 14-20 नवम्बर को होता है।

प्रमुख मंदिर

पंच बद्री

1.बद्रीनाथ(विशाल बद्री)-

- बद्रीनाथ मंदिर उत्तराखंड के चार धामों में से एक है
- बद्रीनाथ मंदिर अलकनंदा नदी के तट पर स्थित है
- पुराणों में बद्रीनाथ को योगसिद्धा, मुक्ति प्रदा, बद्रिकाश्रम, व विशाल बद्री कहा गया है
- बद्रीनाथ मंदिर नर एवं नारायण पर्वतों के मध्य में स्थित है
- आदि गुरु शंकराचार्य ने नारद कुंड से बद्रीनाथ मंदिर की मुख्य प्रतिमा को निकालकर यहाँ पर स्थापित कर मंदिर की स्थापना की थी
- बद्रीनाथ मंदिर का पुनः निर्माण पंवार वंश के राजा अजयपाल ने कराया
- बद्रीनाथ मंदिर को पूर्ण भव्य मंदिर बनाने का श्रेय कत्यूरी शासकों को जाता है
- बद्रीनाथ मंदिर के तीन भाग हैं- गर्भगृह, मंडप, सिंहद्वार
- गर्भगृह में भगवान विष्णु की शालिग्राम से निर्मित मूर्ति है
- बद्रीनाथ मंदिर के पुजारियों को रावल कहा जाता है
- बद्रीनाथ मंदिर शंकुधारी शैली से निर्मित है
- शीतकाल में बद्रीनाथ मंदिर के कपाट बंद होने पर बद्रीनाथ की पूजा जोशीमठ स्थित नृसिंग मंदिर की जाती है

बद्रीनाथ मंदिर के निकट प्रमुख स्थल-

पंच शिलाएँ - गरुड़ शिला, नारद शिला, नृसिंह शिला, मार्कण्डेय शिला, ब्रह्मकपाल शिला

पंच कुंड- नारद कुंड, तप्त कुंड, मानुषी कुंड, त्रिकोण कुंड, सत्यपथ कुंड

पंच धाराएँ- उवर्शी धारा, इंदु धारा, भृगु धारा, कुर्म धारा, प्रहलाद धारा

प्रमुख गुफाएँ- स्कन्द गुफा, गरुड़ व राम गुफा

2.आदि बद्री-

- यह मंदिर कर्णप्रयाग के निकट स्थित है
- यहाँ पर 16 छोटे मंदिरों का समूह था
- नोठा कोथिग यहीं पर आयोजित किया जाता है

3.भविष्य बद्री-

- यह मंदिर जोशीमठ से 17-18 KM दूर तपोवन के आगे सुभई गांव में स्थित है
- यहाँ भगवान विष्णु की आधी आकृति की मूर्ति नजर आती है

4.वृद्ध बद्री-

- यह मंदिर जोशीमठ से 7 KM दूर अनीमठ नामक स्थान पर स्थित है
- मान्यता है कि भगवान विष्णु ने नारद मुनि को यहाँ पर वृद्ध रूप में दर्शन दिए

5.योगध्यान बद्री-

- यह मंदिर जोशीमठ से 24KM दूर पांडुकेश्वर में स्थित है
- यहाँ पर पांडवों के पिता महाराज पांडु ने तपस्या की थी

पंच केदारों में से दो केदार चमोली जनपद में है

1.रुद्रनाथ-

- चमोली में स्थित यह मंदिर पंच केदारों में से चौथा केदार है
- रुद्रनाथ मंदिर में भगवान शिव के रौद्र मुख की पूजा होती है

- शीतकाल में रुद्रनाथ मंदिर का पूजा स्थल गोपेश्वर का गोपीनाथ मंदिर है

2.कल्पेश्वर -

- चमोली की उर्गम घाटी में स्थित यह मंदिर पंच केदारों में से अंतिम केदार है
- इस मंदिर में भगवान शिव की जटाओं की पूजा होती है

- इस मंदिर के कपाट वर्षभर खुले रहते हैं

कुछ अन्य महत्वपूर्ण मंदिर -

1.अनुसूया देवी मंदिर-

- यह मंदिर गोपेश्वर से 13 KM दूर मंडल से कुछ दूरी पर स्थित है
- अनुसूया देवी मंदिर के निकट अत्रि मुनि का आश्रम भी है
- इस मंदिर में प्रतिवर्ष दत्तात्रेय जयंती सामारोह मनाया जाता है

2.गोपीनाथ मंदिर- गोपेश्वर

3.पूर्णागिरि देवी मंदिर - जोशीमठ

4.नृसिंग मंदिर - जोशीमठ

5.कर्ण मंदिर - कर्णप्रयाग

6.उमा देवी मंदिर - कर्णप्रयाग

7.लव कुश मंदिर

8.कुलसारी का सूर्य मंदिर-

9.लाटू देवता मंदिर-

- यह मंदिर चमोली के देवाल ब्लॉक के वाण नामक स्थान पर स्थित है
- लाटू देवता की पूजा पुजारियों द्वारा आँखों में पट्टी बांधकर की जाती है

चमोली जनपद MAP 1

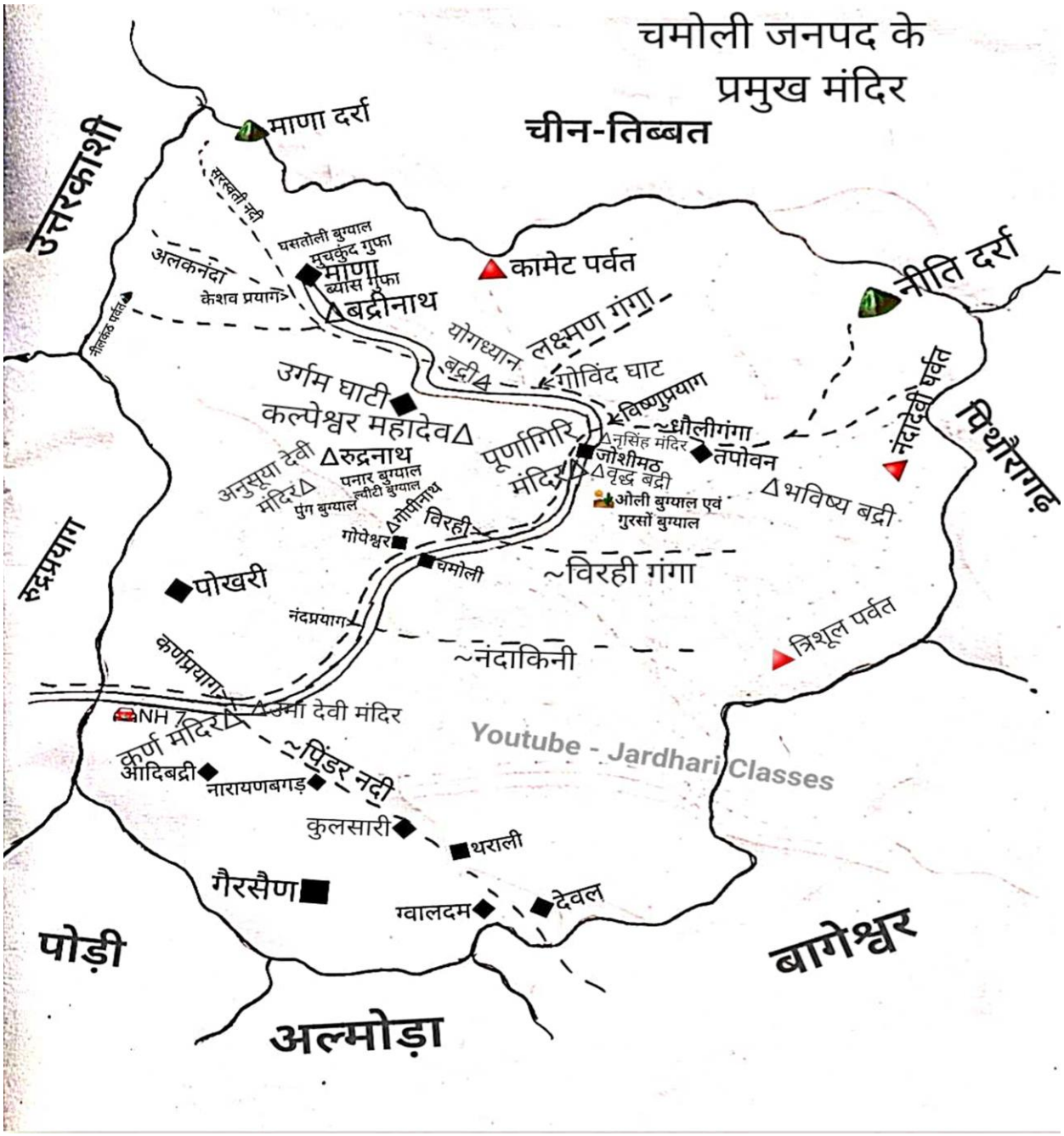

चमोली के प्रसिद्ध मेले

1).गोचर मेला -

- यह मेला चमोली जनपद के गोचर में लगता है।
- यह उत्तराखंड का प्रसिद्ध ऐतिहासिक ब्यवसायिक मेला है।
- इस मेले की शुरुआत 1943 में तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर बर्नेडी ने की
- इस मेले का आयोजन 14-20 नवम्बर को होता है।

2).हरियाली पूड़ा मेला-

- यह मेला चमोली जनपद के नोटी गांव में चैत्रमास के पहले दिन लगता है
- यह मेला मुख्य रूप से ध्याणियों(विवाहित कन्याओं) का उत्सव होता है क्योंकि इस गांव के लोग नंदादेवी को ध्याणी मानते हैं।

3).तिमुण्डा मेला-

- यह मेला प्रतिवर्ष चमोली जनपद के जोशीमठ में नर्सिंग मन्दिर में बद्री नाथ के कपाट खुलने से पूर्व आयोजित किया जाता है।
- प्रसिद्धि- तिमुण्डा वीर का पश्वा बकरी का कच्चा मांस, कच्चा चावल, गुड़ व तीन घड़े पानी पी जाता है।

4).नोठा कौथिग-

- यह कौथिग चमोली जनपद के नोठा में आदिबद्री मन्दिर में बैशाख व ज्येष्ठ में लगता है।

5.अठवाड़ का मेला-

6.कुलसारी मेला- थराली ब्लॉक के कुलसारी में आयोजित

7.उमा कर्ण महोत्सव- चमोली के कर्णप्रयाग

9.रम्माण महोत्सव-

- रम्माण महोत्सव चमोली जिले के सलूड़ गाँव में प्रतिवर्ष अप्रैल माह में 11-13 दिन तक आयोजित किया जाता है
- रम्माण महोत्सव में मुखोटा नृत्य किया जाता है
- रम्माण उत्सव में रामायण पाठ किया जाता है

रम्माण महोत्सव में किए जाने वाले प्रमुख नृत्य-

1.माल-मल्ल
2.म्योर-मुरैण
3.कुरु जोगी
4.बण्या-बण्याण

रम्माण महोत्सव से सम्बंधित महत्वपूर्ण तथ्य-

- वर्ष 2008 में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र ने दिल्ली में रम्माण उत्सव का आयोजन किया
- 2 अक्टूबर 2009 को यूनेस्को ने रम्माण को विश्व धरोहर घोषित किया
- 2016 में गणतंत्र दिवस के मौके पर उत्तराखंड राज्य की ओर से रम्माण की झांकी प्रदर्शित की गयी

चमोली जनपद की प्रमुख यात्रा-

1.नंदादेवी राजजात यात्रा-

- नंदा देवी यात्रा प्रत्येक 12 वर्षों में आयोजित की जाती है
- नंदा देवी राजजात यात्रा चमोली के कासुवा गाँव के पास स्थित नोटी से शुरू होती है व होमकुंड तक पहुँचती है
- यह यात्रा 280 KM की है जो 19-20 दिन में पूरी की जाती है
- नंदा देवी राजजात यात्रा में चार सींग वाला खाडू(चौसिंग्या खाडू) यात्रा में शामिल किया जाता है
- नंदा देवी राजजात यात्रा नोटी से प्रारम्भ होती है व अंतिम पड़ाव होमकुण्ड में समाप्त होती है यहाँ से चौसिंग्या खाडू अकेले हिमालय की और निकल जाता है व अन्य लोग दूसरे रास्ते से वापस आ जाते हैं
- होमकुंड त्रिशूल पर्वत की तलहटी में बसा हुआ है
- नंदादेवी राजजात यात्रा का नेतृत्व कासुआँ गाँव के राजकुँवर करते हैं जो कि अपने को गढ़वाल नरेश अजयपाल के छोटे भाई का वंशज मानते हैं

प्रमुख दर्रे/ नदी तंत्र/ प्रमुख झील व ताल/ परियोजनाएँ

प्रमुख दर्रे

चमोली-तिब्बत(चीन) के बीच स्थित दर्रे-

1.बालचा दर्रा, 2.माणा दर्रा(डूंगरी ला) 3.किंगरी बिंगरी 4.घाटरालिया 5,कोई दर्रा 6.म्युडार दर्रा 7.नीति दर्रा 8.शलशला दर्रा 9.तन्जुन दर्रा 10.लमलंग दर्रा 11.चोरहोती दर्रा

चमोली-पिथौरागढ़ के बीच स्थित दर्रे-

1.लातु धुरा 2.बाराहोती दर्रा 3.मार्च योक 4.टोपी धुरा

चमोली- उत्तरकाशी के बीच स्थित दर्रे-

1.कालिंदी दर्रा

चमोली-बागेश्वर के बीच स्थित दर्रे-

1.सुन्दरढूंगा

चमोली जनपद नदी तंत्र

अलकनन्दा नदी तंत्र - अलकनंदा नदी को पौराणिक ग्रंथों में देवनदी भी कहा जाता है। अलकनंदा का उदगम चमोलो जिले के उत्तरी भाग में स्थित संतोपथ हिमनद और संतोपथ ताल(क्षीर सागर) से होता है

उद्गम स्थल से देवप्रयाग तक अलकनन्दा नदी की लंबाई 195Km है

अलकनंदा की प्रमुख सहायक नदियां

1.सरस्वती नदी-

उद्गम स्थल - देवताल झील से

अलकनंदा सेसंगम - केशव प्रयाग में

सरस्वती नदी पर दो बड़े पत्थरों से निर्मित भीम पुल है माना जाता है कि स्वर्ग जाते समय भीम ने इस पुल को दो विशाल शिलाओं द्वारा बनाया

2.ऋषिगंगा-
उद्गम स्थल- नीलकंठ पर्वत
अलकनंदा से संगम- बद्रिनाथ
संतोपथ हिमनद से बद्रिनाथ धाम तक
अलकनन्दा की लंबाई-20-22 Km

3.लक्ष्मण गंगा/हेमगंगा-
उद्गम स्थल:- हेमकुंड ग्लेशियर के निकट से
अलकनंदा से संगम:- गोविंद घाट
लक्ष्मण गंगा की प्रमुख सहायक नदी पुष्पावती है जो कि घांघरिया नामक स्थान पर लक्ष्मण गंगा से मिलती है

4.पश्चिमी धौलीगंगा:-

- उद्गम स्थल:- धोलोगिरी श्रेणी(नीति दर्रा)
  अलकनंदा से संगम:- विष्णुप्रयाग
- पश्चिमी धौलीगंगा की प्रमुख सहायक नदियां:- ऋषिगंगा, गणेश गंगा, गिरथी गंगा
- ऋषिगंगा रैणी गांव में पश्चिमी धौलीगंगा से मिल जाती है
- पंच प्रयागों मे विष्णुप्रयाग एकमात्र ऐसा प्रयाग है जो बिना आबादी वाले क्षेत्र में स्थित है

5.विरही गंगा,पाताल गंगा व गरुड़ गंगा: - ये तीनों नदियां जोशीमठ में अलकनंदा में मिल जाती है

6.बालखिल्य नदी-
उद्गम स्थल- तुंगनाथ, रुद्रनाथ श्रेणी से
संगम- अलकापुरी में अलकनन्दा से
बालखिल्य नदी की प्रमुख सहायक नदी- अमृत गंगा

7.नन्दाकिनी -
उद्गम - नंदा घुँघटि हिमनद से
संगम:- नंदप्रयाग में अलकनंदा से
नन्दाकिनी की प्रमुख सहायक नदी- चुपलागाड , गोरी नदी, मोलागाड़

8.पिंडर नदी:-
उद्गम स्थल- पिण्डारी ग्लेशियर(बागेश्वर)
संगम- कर्णप्रयाग में अलकनंदा से
पिण्डर नदी की प्रमुख सहायक नदियां:-
अटागाड़,प्राणमती, ज्ञानगंगा,
पिण्डर नदी को कर्णगंगा के नाम से भी जाना जाता है

चमोली जनपद के प्रमुख झील व ताल

1.रूपकुंड-

- यह ताल चमोली जनपद के थराली विकासखंड में स्थित है।
- इस ताल को कंकालीताल या रहस्यमयी ताल भी कहा जाता है।
- इस ताल से आज भी कंकाल प्राप्त होते हैं
- इस ताल के निकट त्रिशूल व नंदाघुँघटि पहाड़ी स्थित है।

2.होमकुंड-

- यह ताल चमोली में रुपकुंड से 17km आगे है।
- नंदा का डोला इसी ताल के निकट स्थित चबूतरे पर रखा जाता है व इसी स्थान से नंदा राजजात यात्रा में चार सिंह वाला खाडू अकेला आगे जाता है।

3.हेमकुंड(लोकपाल)-

- चमोली में स्थित इस ताल के किनारे सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह ने तपस्या की थी।
- इस ताल के निकट एक गुरुद्वारा(हेमकुंड साहिब) स्थित है।
- इसी ताल के किनारे लक्ष्मण जी का प्राचीन मंदिर स्थित है।
- इसी ताल से लक्ष्मण गंगा(अलकनंदा की सहायक नदी) का उद्गम होता है।
- यह ताल 7 पर्वतों से घिरा है।

4.संतोपथ ताल-

- यह चमोली में बद्रीनाथ से 21km दूर स्थित है।
- इसी ताल से अलकनंदा नदी का उद्गम होता है।
- इस ताल के तीन कोण हैं माना जाता है कि इन तीन कोणों पर ब्रह्मा विष्णु महेश ने तपस्या की थी
- इस ताल के निकट सूर्यकुंड व चंद्रकुण्ड नामक दो कुंड हैं।

चमोली जनपद के अन्य महत्वपूर्ण ताल

1.होमकुण्ड ,2.संतोपथ ताल, 3.विरही ताल, 4.विष्णुताल 5.लोकपाल(हेमकुंड) 6.सिद्धताल 7.लिंगताल 8.मणिताल 9.झलताल 10.आछरिताल 11.सूखाताल 12.गोहनाताल 13.मातृकाताल 14.काकभुशांडिताल 15.बेनिताल 16.नरसिंह ताल 17.गुडयार ताल

चमोली में स्थित प्रमुख जल विद्युत परियोजनाए

	राजवक्ती जल विद्युत परियोजना	नंदाकिनी नदी
	विष्णुगाड़ पीपलकोटी परियोजना	अलकनंदा नदी
	देवसारी बांध परियोजना	पिंडर नदी
	मेलखेत बांध परियोजना	पिंडर नदी
	मलेरी झेलम - तमक परियोजना	पश्चिमी धौलीगंगा
	उर्गम परियोजना	कल्पगंगा
	गोहना ताल परियोजना	विरही गंगा
	बनाला परियोजना	नंदाकिनी नदी
	बावला नन्द प्रयाग जल विद्युत परियोजना	अलकनंदा
	नंद प्रयाग लंगाशु जल विद्युत परियोजना	अलकनंदा

	ऋषिगंगा परियोजना	ऋषिगंगा

चमोली **में स्थित हिमनद**

क्र.स	**ग्लेशियर**	**जनपद**
1	संतोपथ	चमोली
2	भागीरथी	चमोली
3	बद्रीनाथ	चमोली
4	दुनागिरी	चमोली
5	हिपराबमक	चमोली

Short Trick-

चमोली के संत भागे बद्रीनाथ से दूर हिमालय

चमोली संतोपथ भागीरथी बद्रीनाथ दुनागिरी हिपराबमक

चमोली में स्थित बुग्याल

क्र. सं	बुग्याल	स्थित		बुग्याल
1.	वेदनी बुग्याल	यह बुग्याल रूपकुंड मार्ग पर स्थित है	**9.**	रताकोण बुग्याल
2.	अली बुग्याल	यह बुग्याल वेदनी बुग्याल के निकट स्थित है	10.	लक्ष्मीवन बुग्याल
3.	संतोपथ बुग्याल	यह बुग्याल माणा गांव के ऊपर स्थित है	11.	फूलों की घाटी
4.	पुंग बुग्याल	यह बुग्याल गोपेश्वर-रुद्रनाथ मार्ग में स्थित है	12.	नंदकानन बुग्याल
5.	कैला बुग्याल	यह बुग्याल बद्रीनाथ के चारों और फैला हुआ है		ल्वीटी बुग्याल
6.	ओली बुग्याल		13.	पनार बुग्याल
7.	गुरसो बुग्याल		14.	बगजी बुग्याल
8.	घसतोली बुग्याल			

प्रमुख पर्वत श्रेणी

1.नंदादेवी पश्चिमी - यह उत्तराखंड की सबसे ऊंची (7817 मीटर) चोटी है

2.कामेट- यह उत्तराखंड की दूसरी सबसे ऊंची (7756 मीटर) चोटी है।

3.नंदादेवी पूर्वी- 7434

4.माणा - 7272 मीटर

5.बद्रिनाथ 7,140 मीटर

6.चौखम्बा 7,138m

7.त्रिशूल 7,120 m

8.संतोपथ 7,084m

9.द्रोणागिरी 7066 m

10.गंधमादन 6984m

11.कालोंका 6931m

12.हाथीपर्वत 6727m

13.देवस्थान 6,678m

14.नन्दाखाट 6674m

15.नीलकंठ 6597m

16.नंदाघुँघटि 6309m

17.गौरी 6250m

18.नारायण पर्वत 5965m

19.नरपर्वत 5831m

प्रमुख घाटियां व गुफा

प्रमुख घाटियां –

1.चिनाप घाटी –

चमोली के जोशीमठ से कुछ दूर स्थित हरी भरी घाटी जहां रंग बिरंगे फूल खिले रहते हैं

इस घाटी को चमोली की दूसरी फूलों की घाटी भी कहा जाता है

2.उर्गम घाटी

3.नीति घाटी -

प्रसिद्ध गुफा –

व्यास गुफा,गणेश गुफा, स्कन्द गुफा व मुचकुंद गुफा बद्रीनाथ के पास स्थित है

टिमरसैण गुफा- चमोली की नीति घाटी में टिमरसैण में भगवान शिव की गुफा है

चमोली में स्थित प्रमुख ठंडे व गर्म कुंड

ठंडे कुंड

1.बैराश कुंड - यह नंदप्रयाग के दशोली में स्थित है

2.वेदिनी कुंड- नंदा देवी राजजात यात्रा पर वेदनी बुग्याल में स्थित है

3.बैतरणी कुंड() –

यह कुंड गोपेश्वर में स्थित है।

इस कुंड को रति कुंड भी कहा जाता है

4.ऋषिकुंड -

5.होमकुंड – नंदा देवी राजजात यात्रा का अंतिम पड़ाव यहीं तक होता है

यह त्रिसुल पर्वत व नंदा देवी पर्वत के समीप स्थित है

6.हेमकुंड(लोकपाल)

यहाँ पर लक्ष्मण मंदिर स्थित है

सिक्खों के 10वें गुरु गुरुगोविंद सिंह जी ने यहीं पर तपस्या की थी

7.सप्तकुण्ड 8.नंदी कुंड 9.गोरी कुंड 10.रूप कुंड 11.सूर्यकुंड 12.चंद्रकुण्ड

13.उवर्शी कुंड- बद्रीनाथ के समीप

14.त्रिकोण कुंड 15.मानुषी कुंड 16.सत्यपथ कुंड

गर्म कुंड-

1.तप्त कुंड – बद्रीनाथ मार्ग पर स्थित है

2.भापकुंड- जोशीमठ से 18km दूर स्थित

3.नारदकुंड- बद्रीनाथ मार्ग में तप्त कुंड के नजदीक स्थित

आदि गुरु शंकराचार्य ने इसी कुंड से भगवान विष्णु की मूर्ति निकाली

जल प्रपात –

वसुधारा जलप्रपात – यह अलकनंदा नदी पर स्थित है

राष्ट्रीय उद्यान व वन्य जीव विहार

1.नंदादेवी राष्ट्रीय उद्यान

- स्थापना- 1982
- स्थित- चमोली
- क्षेत्रफल- 624 वर्ग Km
- मुख्यालय- जोशीमठ
- प्रमुख जीव- हिमालयन भालू, मोनाल, कस्तूरी मृग आदि।
- नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान को 1988 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल किया गया।

2.फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान-

- स्थापना- 1982
- स्थित- चमोली
- क्षेत्रफल- 87.5 वर्ग Km
- मुख्यालय- जोशीमठ
- फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान राज्य का सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान है
- फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान को 2005 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल किया गया था।
- फूलों की घाटी की खोज 1931 में फ्रैंक स्माइथ ने की।
- प्रमुख जीव- कस्तूरी मृग, गुलदार, भरल, हिमालयन भालू आदि।

3.केदारनाथ वन्य जीव विहार-

- स्थापना- 1972
- स्थित- चमोली-रुद्रप्रयाग
- क्षेत्रफल- 957 वर्ग km
- प्रमुख वन्य जीव - स्नो लैपर्ड, हिमालयन भालू, कस्तूरी मृग, जंगली सुअर।
- यह उत्तराखंड का सबसे बड़ा वन्य जीव विहार है ।

जैव मंडल आरक्षित क्षेत्र(Biosphere reserves)

- नंदा देवी जैव मंडल आरक्षित क्षेत्र(Biosphere reserves)
- स्थापना- 1988
- स्थित-चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़
- क्षेत्रफल- 5860.6 वर्ग किमी
- नंदा देवी बायोस्फियर रिजर्व में नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान व फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान शामिल हैं
- नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान को 1988 में व फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान को 2005 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।

चमोली में स्थित प्रमुख संस्थान

1.जड़ी बूटि शौध एवं विकास संस्थान

- स्थापना -1989
- स्थित(गोपेश्वर(चमोली -

2.उत्तराखंड बोली भाषा संस्थान-
स्थित - गौचर चमोली
स्थापना – 2016

3.उत्तराखंड राजकीय विधि कॉलेज(Uttarakhand Government Law College)- गोपेश्वर(चमोली)

प्रमुख व्यक्ति

अनुसुइया प्रसाद बहुगुणा

जन्म - 18 फरवरी 1864 नंदप्रयाग चमोली
निधन -23 मार्च 1943

- अनुसुइया प्रसाद बहुगुणा को गढ़केशरी के नाम से जाना जाता है

- 1918 में गढ़वाल कांग्रेस की स्थापना में मुख्य योगदान
- 1919 को कांग्रेस के अमृतसर अधिवेशन में बैरिस्टर मुकंदी लाल व अनुसुइया प्रसाद बहुगुणा ने भाग लिया था
- 1921 में गढ़वाल युवा सम्मेलनश्रीनगर) का अध्यक्ष चुना गया)
- 23 मार्च 1943 में अनुसुइया प्रसाद बहुगुणा का निधन हुआ

चंडी प्रसाद भट्ट

जन्म - 23 जनवरी 1934 गोपेश्वर(चमोली)

1956 में चंडी प्रसाद भट्ट की भेंट सर्वोदयी नेता जयप्रकाश नारायण से हुई
1964 में गोपेश्वर में 'दशोली ग्राम स्वराज संघ' की स्थापना की
चंडी प्रसाद भट्ट ने 'दाल्यो का दगड्या'संगठन की स्थापना की

प्रमुख पुरस्कार - 1982 - रैमन मैग्सेसे पुरस्कार
1986 - पदम् श्री
1987 - ग्लोबल 500 पुरस्कार
1991 - इंदिरा गांधी पर्यावरण पुरस्कार
2005 - पदम् भूषण पुरस्कार
2008 - G.B पंत कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विज्ञान में डॉ की उपाधि दी गयी
2010- Real Hero lifetime Achievement Award
2013 - गांधी शांति पुरस्कार
31 अक्टूबर 2019 - 31 वां इंदिरा गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार

गौरा देवी(चिपको वूमेन)

जन्म - 1925 (लाता गांव चमोली

निधन - 4 जुलाई 1991

पिता - नारायण सिंह

पति - मेहरबान सिंहरैणी)

(गांव

- 1972 में गौरा देवी रैणी गांव की महिला मंगल दल की अध्यक्ष चुनी गयी
- 26 मार्च 1974 - रैणी गांव में चिपको आंदोलन की सूत्रकर्ता
- 1986 - प्रथम वृक्ष मित्र पुरस्कार से सम्मानित

कल्याण सिंह रावत

उपनाम – मैती

जन्म – 19 अक्टूबर 1953 चमोली बैनोली)

(गाँव

पिता - त्रिलोक सिंह रावत

माता - विमला देवी

पत्नी - श्रीमती मंजू रावत

- 1974 में कल्याण सिंह रावत ने हिमालय वन्यजीव संस्थान की
- 1987 राजगढ़ी रंवाई घाटी में स्कूली बच्चों के साथ मिल कर उत्तराखंड शिक्षा विभाग की सबसे बड़ी नर्सरी बनाई थी
- 1995 में कल्याण सिंह रावत द्वारा मैती आन्दोलन की शुरवात ग्लवादम चमोली से की गयी

समसामयिक घटना

चमोली में बना उत्तर भारत का पहला ऑर्किड पार्क -

- उत्तराखंड वन विभाग की शोध शाखा की ओर से ऑर्किड के संरक्षण के लिए चमोली जिले में गोपेश्वर के समीप खल्ला गांव में ऑर्किड पार्क स्थापित किया गया है
- यह ऑर्किड पार्क उत्तर भारत का पहला पार्क है जो खल्ला गांव में है
- 30 जुलाई को वन शोध शाखा के मुख्य वन संरक्षक संजीव चतुर्वेदी और वानस्पतिक सर्वे ऑफ इंडिया के संयुक्त निदेशक डॉ. एसके सिंह ने संयुक्त रूप से इसका उद्घाटन किया
- इस पार्क का मुख्य उद्देश्य राज्य में आर्किड के संरक्षण व स्वरोजगार उपलब्ध कराना है

प्रसिद्ध साहित्यकार शिवराज सिंह रावत निस्संग का हुआ निधन –

उत्तराखंड के चमोली जिले के प्रसिद्ध साहित्यकार शिवराज सिंह रावत का 2 जून 2021 को निधन हो गया

प्रमुख रचनाऐ-

- पेशावर गोली कांड का लोहा पुरुष
- उत्तराखंड में नंदा जात
- सृष्टि का रहस्य

उत्तराखंड के माणा में देश का सबसे अधिक ऊंचाई वाला हर्बल गार्डन विकसित किया गया-

- भारत का सबसे ऊंचा हर्बल गार्डन चमोली जिले के अंतगर्त माणा गांव के निकट समुद्रतल से 11000 फ़ीट की ऊंचाई पर बनाया गया है21 अगस्त 2021 को देश के सबसे ऊँचे हर्बल गार्डन को देश को समर्पित किया गया है , इस अवसर पर माणा गांव के सरपंच पीतांबर मोलपा द्वारा इसका विधिवत रूप से उद्घाटन किया है
- 11 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित इस हर्बल गार्डन में सभी 40 प्रजातियां दुर्लभ श्रेणी की हैं
- हर्बल गार्डन को चार भागों में विभाजित किया गया है, जिसमे पहला भाग में, भगवान बद्री विशाल से सम्बंधित प्रजातियों को संरक्षित किया गया है
- हर्बल गार्डन के दूसरे भाग में, अष्टवर्ग जड़ीबूटी समूह की आठ प्रजातियों को - गया है संरक्षित किया
- तीसरे भाग में, सौसुरिया कुल से सम्बंधित पादप व प्रजातियां संरक्षित हैं
- हर्बल गार्डन के चौथे भाग में, अल्पाइन श्रेणी की दुर्लभ प्रजातियों को सम्मिलित किया गया है

चमोली जनपद के विकासखंड घाट का नाम बदलकर नंदानगर रखा गया -

- उत्तराखंड चमोली जनपद के विकासखंड घाट का नाम बदलकर नन्दानगर कर दिया गया है।
- अभिलेखों में यह नया नाम 1 अप्रैल 2022 से प्रभावी होगा
- उत्तराखण्ड पंचायतीराज अधिनियम 2016 की भागअध्याय नौ की -तीन- -धारा50 (1) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल ने चमोली जिले के विकासखण्ड घाट का नाम बदलकर विकासखण्ड “नन्दानगर” के रूप में परिवर्तित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की

डॉ वेणीराम अंथवाल . –

- डॉ. वेणीराम अंथवाल की पुस्तक 'औखाण' को एशिया व इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज किया गया है-
- पीजी कॉलेज कर्णप्रयाग में इतिहास विभाग के प्राध्यापक डॉ. वेणीराम अंथवाल की पुस्तक उत्तराखंड की समृद्ध परंपरा 'औखाण' को एशिया बुक ऑफ रिकार्ड तथा इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज किया गया है।
- पुस्तक के रचियता डॉ. वीआर अंथवाल मूल रूप से ग्राम-अंथवालगांव (टिहरी गढ़वाल) के मूल निवासी हैं

प्रशासनिक ढांचा

विधानसभा सीटें-
1.बद्रीनाथ
2.कर्णप्रयाग
3.थराली - SC आरक्षित सीट

तहसील- चमोली जनपद में कुल 12 तहसील हैं
1.चमोली 2.जोशीमठ 3.पोखरी 4.कर्णप्रयाग 5.गैरसैण 6.थराली 7.देवाल 8.नारायणबगड़ 9.आदिबद्री 10.जिलासू 11.नंदप्रयाग 12.घाट

विकासखण्ड-
1.कर्णप्रयाग 2.जोशीमठ 3.गैरसैंण 4.थराली 5.नारायणबगड़ 6.पोखरी 7.देवाल 8.घाट 9.दशोली

जनसंख्या- 3,91,605
जनघनत्व- 49
लिंगानुपात - 1019
साक्षरता दर - 82.65%
पुरुष साक्षरता - 93.40%
महिला साक्षरता - 72.32%
दशकीय वृद्धि - 5.74%

Note- Jardhari Classes के सभी नोट्स व E-BOOK के लिये Google पर सर्च करें – Jardhariclasses.in

YouTube

https://youtube.com/c/JARDHARICLASSES

JARDHARI CLASSES

चमोली जनपद MCQ

Q1.निम्न में से कौन सा पर्वत चमोली जनपद में है
A.पंचाचूली पर्वत
B.नीलकंठ पर्वत
C.बिल्ब पर्वत
D.भृंग पर्वत

Ans- B

Q2.चमोली जनपद का मुख्यालय कहाँ है
A.चमोली
B.गौचर
C.गोपेश्वर
D.कर्णप्रयाग

Ans-C

Q3.निम्न में से चमोली-तिब्बत(चीन) के बीच स्थित दर्रा है
A.कालिंदी दर्रा
B.मार्चयोक
C.चोरहोती
D.बाराहोती

Ans-C

Q4.जड़ी बूटि विकास शोध संस्थान कहाँ स्थित है
A.गोचर
B.जोशीमठ
C.गोपेश्वर
D.ग्वालदम

Ans- C

Q5.ओली के पास निम्न में से कौन सा बुग्याल स्थित है
A.घसतोली बुग्याल
B.पनार बुग्याल
C.गुरसो बुग्याल
D.पुंग बुग्याल

Ans- C

Q6.भारत का अंतिम सीमावर्ती गांव है
A.रैणी गांव
B.माणा गांव
C.गम्शाली
D.ग्वालदम

Ans – B

Q7.चमोली जनपद में स्थित गर्म कुंड है
A.गंगनानी कुंड
B.तप्त कुंड
C.गौरीकुण्ड
D.भौरी अमोला कुंड

Ans – B

Q8.वैतरणी कुंड कहाँ है
A.जोशीमठ
B.गोपेश्वर
C.कर्णप्रयाग
D.ग्वालदम

Ans- B

Q9.ग्वालदम में SSB प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना कब की गयी
A.1968
B.1969
C.1970
D.1971

Ans- C

Q10.नोठा कौथिग सम्बंधित है
A.विशाल बद्री से
B.आदि बद्री से
C.योगध्यान बद्री से
D.वृद्ध बद्री से

Ans - B

JARDHARI CLASSES

Q11.सुंदरढुंगा दर्रा स्थित है
A.चमोली-उत्तरकाशी
B.चमोली-बागेश्वर
C.चमोली-पिथौरागढ़
D.चमोली-अल्मोड़ा

Ans- B

Q12.बद्रीनाथ मंदिर के निर्माण के लिए किस कत्यूरी शासक ने भूमि दान की
A.ललित सूर देव
B.बसंत देव
C.असान्तिदेव
D.सुभिक्ष राज देव

Ans- A

Q13.बद्रीनाथ मंदिर किस शैली से बना है
A.कत्यूर शैली
B.हूण शैली
C.शंकुधारी शैली
D.द्रविण शैली

Ans- C

Q14.राज्य की सबसे ऊंची पर्वत चोटी है
A.कामेट
B.त्रिशूल
C.चंगोरी
D.नंदा देवी

Ans- D

Q15.आदिगुरु शंकराचार्य जी ने बद्रीनाथ में स्थापित मूर्ति को किस कुंड से निकाला था
A.नारद कुंड
B.तप्त कुंड
C.गौरीकुंड
D.होमकुंड

Ans- A

Q16.औली रज्जुमार्ग का शुभारंभ कब किया गया
A.1982
B.1983
C.1984
D.1986

Ans- B

Q17.गोचर मेले की शुरुआत किसके द्वारा की गयी
A.कैप्टन यंग
B.जॉन फिलिप
C.बर्नेडी
D.ट्रेल

Ans- C

Q18.दो विशाल शिलाओं से निर्मित महाभारत कालीन भीम पुल कौन सी नदी पर है
A.सरस्वती नदी
B.ऋषिगंगा
C.अलकनंदा
D.लक्ष्मण गंगा

Ans – A

Q19.नंदादेवी राजजात यात्रा के अंतिम पड़ाव में नंदादेवी का डोला किस ताल के निकट रखा जाता है
A.हेमकुंड
B.होमकुंड
C.मातृकाताल
D.आछरिया ताल

Ans – B

Q20.निम्न में से किस मंदिर में भगवान विष्णु की आधी मूर्ति नजर आती है
A.विशाल बद्री
B.आदि बद्री
C.भविष्य बद्री
D.योगध्यान बद्री

Ans- C

Q21.रुद्रनाथ मंदिर का शीतकालीन आवास है
A.जोशीमठ
B.गोपेश्वर
C.उखीमठ
D.मक्कू मठ

Ans- B

Q22.निम्न में से कौन से मंदिर में विष्णु भगवान की आधी आकृति की मूर्ति है
A.आदि बद्री
B.भविष्य बद्री
C.विशाल बद्री
D.वृद्ध बद्री

Ans- B

Q23.कल्पेश्वर मंदिर में भगवान शिव के किस भाग की पूजा होती है
A.मुख
B.नाभि
C.जटा
D.भुजा

Ans – C

Q24.उर्गम घाटी किस जनपद में है
A.उत्तरकाशी
B.रुद्रप्रयाग
C.टिहरी
D.चमोली

Ans- D

Q25.तन्जुन दर्रा स्थित है
A.चमोली- तिब्बत
B.चमोली- उत्तरकाशी
C.चमोली- अल्मोड़ा
D.चमोलक- बागेश्वर

Ans- A

Q26.निम्न में से पंच कुंडों में सम्मिलित नहीं है
A.मानुषी कुंड
B.नारद कुंड
C.वेदनी कुंड
D.त्रिकोण कुंड

Ans - C

Q27.मुखोटा नृत्य सम्बंधित है
A.रम्माण महोत्सव से
B.अठवाड़ महोत्सव से
C.तिमुण्डा मेले से
D.कुलसारी मेला

Ans - A

Q28.निम्न में से कौन बुग्याल चमोली में नहीं है
A.अली बुग्याल
B.नंदकानन बुग्याल
C.दयारा बुग्याल
D.गुरसो बुग्याल

Ans- C

Q29.चिनाप घाटी किस जनपद में है
A.उत्तरकाशी
B.चमोली
C.पिथौरागढ़
D.रुद्रप्रयाग

Ans- B

Q30.चमोली जनपद की कौन सी विधानसभा सीट अनुसूचित जाति(SC) के लिए आरक्षित है
A.बद्रीनाथ
B.कर्णप्रयाग
C.थराली
D.इनमें से कोई नहीं

Ans – C

Q31.पंच केदारों में से ऐसा कौन सा केदार है जिसके कपाट वर्षभर खुले रहते हैं
A.रुद्रनाथ
B.तुंगनाथ
C.मदमहेश्वर
D.कल्पेश्वर

Ans – D

Q32.निम्न में से चमोली में कौन सा कुंड है
A.रेतस कुंड
B.थमरी कुंड
C.सुकुण्ड
D.वैतरणी कुंड

Ans- D

Q33.उत्तराखंड बोली भाषा संस्थान कहाँ स्थित है
A.गैरसैंण
B.गोपेश्वर
C.जोशीमठ
D.गोचर

Ans- D

Q34.कौन सा ताल उत्तराखंड का रहस्यमयी ताल के नाम से जाना जाता है
A.सूखाताल
B.विरही ताल
C.रूपकुंड
D.लिंगताल

Ans - C

Q35.जोशीमठ कौन सी नदी के तट पर बसा हुआ है
A.धौलीगंगा
B.अलकनंदा
C.लक्ष्मण गंगा
D.पिंडर नदी

Ans - B

Q36.शिवराज सिंह निस्संग थे
A.पर्यावरणविद
B.साहित्यकार
C.राजनेता
D.अभिनेता

Ans- B

Q37.चंडी प्रसाद भट्ट जी को रैमन मैग्सेसे पुरस्कार से कब सम्मानित किया गया
A.1982
B.1986
C.1988
D.1991

Ans- A

Q38.पंच केदारों में से कौन सा एक शामिल नहीं है
A.रुद्रनाथ
B.विश्वनाथ
C.तुंगनाथ
D.कल्पेश्वर

Ans – B

Q39.हेमकुंड ताल कितने पर्वतों से घिरा हुआ है
A.5
B.8
C.7
D.9

Ans – C

Q40.चमोली जनपद के किस विकासखंड का नाम बदलकर नंदानगर रखा गया
A.देवाल
B.दशोली
C.नारायणबगड़
D.घाट

Ans- D

Q41.उर्वशी कुंड किस जनपद में है
A.उत्तरकाशी
B.पिथौरागढ़
C.चमोली
D.टिहरी

Ans- C

Q42.भारत का पहला ऑर्किड पार्क कहाँ स्थापित किया गया
A.उखीमठ
B.देववन
C.गोपेश्वर
D.श्रीनगर

Ans- C

Q43.निम्न में से पंच प्रयागों में सम्मिलित नहीं है
A.कर्णप्रयाग
B.केशव प्रयाग
C.रुद्रप्रयाग
D.विष्णुप्रयाग

Ans - B

Q44.ब्यास गुफा कहाँ स्थित है
A.केदारनाथ
B.बद्रीनाथ
C.गंगोत्री
D.यमुनोत्री

Ans - B

Q45.उत्तराखण्ड की निम्न पर्वत चोटियों का उनकी ऊँचाई के अनुसार बढ़ता हुआ क्रम होगा:
1. नन्दा देवी
2. द्रोणगिरि
3. केदारनाथ
4. कामेट

A.2,3,4,1
B.2, 4,3,1
C..3,2,4,1
D.उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans- C

Q46.कुलसारी का सूर्य मंदिर कौन से जनपद में स्थित है
A.उत्तरकाशी
B.चम्पावत
C.पिथौरागढ़
D.चमोली

Ans- D

Q47.निम्न में से कौन सा मंदिर चमोली की उर्गम घाटी में स्थित है
A.आदिबद्री
B.कल्पेश्वर मन्दिर
C.भविष्य बद्री
D.वृद्ध बद्री

Ans- B

Q48.रम्माण महोत्सव को यूनेस्को ने विश्व धरोहर उत्सव कब घोषित किया
A.2008
B.2007
C.2009
D.2010

Ans – C

Q49.निम्न में से कौन सा सूर्य मंदिर चमोली जनपद में स्थित है
A.मंजियाली का सूर्य मंदिर
B.कुलसारी का सूर्य मंदिर
C.पलेठी का सूर्य मंदिर
D.मढ़का सूर्य मंदिर

Ans – B

Q50.घसतोली बुग्याल किस जनपद में है

A.उत्तरकाशी

B.चमोली

C.रुद्रप्रयाग

D.अल्मोड़ा

Ans- B

रुद्रप्रयाग जनपद

रुद्रप्रयाग का इतिहास

स्थापना- 16 सितम्बर 1997
रुद्रप्रयाग का पुराना नाम - पुनाड़

भौगोलिक स्थिति-

पड़ोसी जिले-
पूर्व में – चमोली
पश्चिम- टिहरी
उत्तर- उत्तरकाशी
दक्षिण- पोड़ी

- रुद्रप्रयाग जनपद उत्तराखंड का आंतरिक जिला है जो किसी अन्य राज्य व देश से सीमा नहीं बनाता
- रुद्रप्रयाग चार जनपदों से सीमा बनाता है- टिहरी, पोड़ी, चमोली, उत्तरकाशी
- **क्षेत्रफल**- 1984 वर्ग KM

राष्ट्रीय राजमार्ग-

NH 107- रुद्रप्रयाग - गौरीकुण्ड
NH 7 - दिल्ली - रुद्रप्रयाग - बद्रीनाथ – माणा

प्रमुख पर्यटक स्थल/ प्रमुख मेले/ प्रमुख मंदिर

प्रमुख पर्यटक स्थल

1.गुप्तकाशी-

- मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित गुप्तकाशी एक सुंदर स्थल हैं
- गुप्तकाशी में भगवान शिव को समर्पित विश्वनाथ मंदिर है
- विश्वनाथ मंदिर के समीप ही अर्धनारीश्वर मंदिर भी है
- विश्वनाथ मंदिर के सामने ही मणिकर्णिका कुंड भी हैं यह एक ठंडा कुंड है

2.अगस्तमुनि-

- यह स्थान मुनि अगस्त्य की तपोभूमि है
- यहाँ पर मुनि अगस्त्य के ईष्ट देव अगस्तेश्वर महादेव मंदिर भी हैं

3.उखीमठ-

- इस स्थान को बाणासुर की पुत्री ऊषा व अनिरुद्ध का विवाह स्थल माना जाता है
- उखीमठ में ओंकारेश्वर शिव मंदिर है जिसका निर्माण गुरु शंकराचार्य ने किया
- शीतकालीन में केदारनाथ व मदमहेश्वर की डोलियां यहीं पर लायी जाती है

4.चोपता-

- उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में स्थित चोपता एक छोटा सा हिल स्टेशन है
- चोपता के निकट बनिया कुंड स्थित है
- बनिया कुंड जंगल में उत्तराखंड का पहला नेचर कैनेपी वॉक बनाया जाएगा जिसकी ऊंचाई 20 फ़ीट होगी

रुद्रप्रयाग के प्रमुख मंदिर

1.केदारनाथ-

- केदारनाथ उत्तराखंड में स्थित चार धामों में से एक धाम व पांच केदार में से एक केदार है
- केदारनाथ मंदिर मंदाकिनी नदी तट पर स्थित है

- केदारनाथ मंदिर में शिव रूपी बैल की पीठ आकृति पिंड की पूजा होती है
- शीतकाल के दौरान केदारनाथ मंदिर के कपाट बंद होने बाद केदारनाथ का शीतकालीन पूजा स्थल ऊखीमठ का ओंकारेश्वर मंदिर है
- यह मंदिर कत्यूरी शैली से निर्मित है

2.मदमहेश्वर-

- उत्तराखंड के पंचकेदारों में से यह दूसरा केदार है
- यहाँ पर भगवान शिव की नाभि की पूजा होती है
- मदमहेश्वर के ऊपर कुछ दूरी 3-4Km पर बूढ़ा मदमहेश्वर मंदिर भी है
- मदमहेश्वर मंदिर का शीतकालीन पूजा स्थल उखीमठ है

3.तुंगनाथ

- तुंगनाथ मंदिर उत्तराखंड के पंच केदारों में से तीसरा केदार है
- इस मंदिर में शिव की भुजाओं की पूजा होती है

- तुंगनाथ मंदिर के नजदीक रावण शिला और चंद्र शिला पर्वत भी है
- तुंगनाथ का शीतकालीन पूजा स्थल मक्कूमठ है
- तुंगनाथ मन्दिर उत्तराखंड का सबसे ऊंचाई पर स्थित मंदिर है
- यह मंदिर कत्यूरी शैली में बना हुआ है

4.कोटेश्वर महादेव मंदिर-

- रुद्रप्रयाग से 3Km दूर अलकनंदा नदी के तट पर कोटेश्वर महादेव मंदिर स्थित है

5.त्रियुगी नारायण मंदिर-

- यह मंदिर रुद्रप्रयाग के त्रियुगी गॉव में स्थित है
- यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है यहाँ पर भगवान शिव व पार्वती का विवाह हुआ था
- यहाँ पर एक अग्नि ज्योति प्रज्वलित होती है
- यहाँ पर तीन कुंड हैं- ब्रह्म कुंड, विष्णु कुंड, व रुद्र कुंड

6.कार्तिक स्वामी मंदिर-

- रुद्रप्रयाग के कनक्चोंरी गांव में स्थित भगवान शिव के पुत्र कार्तिक स्वामी का मंदिर है

7.बसुकेदार मंदिर-

- इस मंदिर में भूमिगत शिवलिंग है
- इस मंदिर का निर्माण गुरु शंकराचार्य जी ने कराया था
- यहां पर कत्यूरी शैली से निर्मित कई अनेक छोटे छोटे मंदिर भी हैं

8.कालीमठ मंदिर-

9.सिर कटा गणेश मंदिर- यह सोन प्रयाग में स्थित है

11.बाणासुर मंदिर

12.हरियाली देवी मंदिर

रुद्रप्रयाग के प्रमुख मेले

1.जाख मेला-

यह मेला गुप्तकाशी में जाख देवता के मन्दिर में लगता है

इस मेले का आयोजन बैशाख माह में होता है

जाख देवता का पश्वा जलते अंगारो पर नृत्य करता है

2.भतूज मेला या अन्नकूट मेला-

यह मेला केदारनाथ में रक्षाबंधन से एक दिन पूर्व लगता है

इस दिन भगवान शिव के स्वयंभू लिंग की पूजा होती है

3.मठियाणा मेला-

यह मेला रुद्रप्रयाग के जखोली विकासखंड के भरदार में मठियाणा मां के मंदिर में लगता है

4.हरियाली देवी मेला

5.वासुदेव मेला

प्रमुख यात्रा-

मनणा माई की जात-

- यह यात्रा उखीमठ विकासखंड के मदमहेश्वर घाटी में आयोजित होती है
- मनणा माई की डोली रांसी गांव से मनणी बुग्याल तक जाती है व फिर वापस रांसी गांव में रकेश्वरी मन्दिर में लायी जाती है

रुद्रप्रयाग जनपद Map
उत्तरकाशी
चोराबाड़ी ग्लेशियर
चोराबाड़ी ताल
मंदाकिनी नदी
वाशुकी ताल
केदारनाथ
वाशुकी नदी (सोनगंगा)
गौरीकुंड
बूढा मदमहेश्वर
मदमहेश्वर
त्रियुगीनारायण मंदिर
त्रियुगी गाँव
सोनप्रयाग
NH 107
मंदाकिनी
मधुगंगा
ब्यूंग गाड़
पंवाली कांठा
घनसाली
टिहरी
YouTube
Jardhari Classes
कालीमठ
देवरिया ताल
बधाणी ताल
चोपता
तुंगनाथ
बनियाकुंड
गुप्तकाशी
काशी विश्वनाथ
अर्धनारीश्वर मंदिर
ओंकारेश्वर मंदिर
उखीमठ
खल्यान बांगर
बशुकेदार मंदिर
चंद्रपुरी
ब्यूंजागाड़
चमोली
जखोली
अगस्तमुनि
कार्तिक स्वामी मंदिर
कनाक्चौरी गांव
सूर्य प्रयाग
NH 107
कोटेश्वर मंदिर
अलकनंदा
मंदाकिनी
NH 7
गोचर
रुद्रप्रयाग
अलकनंदा
NH 7
श्रीनगर
पोड़ी

रुद्रप्रयाग नदी तंत्र/ ताल/ प्रमुख कुंड/ बुग्याल

नदी तंत्र

1.मंदाकिनी नदी-

उद्गम- मंदराचल श्रेणी(केदारनाथ) या चोराबाड़ी ताल(चोराबाड़ी ग्लेशियर) से

संगम- रुद्रप्रयाग में अलकनंदा से संगम करती है

मंदाकिनी की प्रमुख सहायक नदी

1.सोनगंगा(वाशुकी नदी)-

उद्गम- वाशुकी ताल

संगम- सोनप्रयाग में मंदाकिनी से संगम

2.मधुगंगा-

उद्गम- मदमहेश्वर के निकट से

संगम- कालीमठ के निकट मंदाकिनी से मिलती है

3.क्यूंजागाड़- चंद्रपुरी में मंदाकिनी से संगम

4.लस्तर नदी-

उद्गम- पंवाली काँठा

संगम- सूर्यप्रयाग में मंदाकिनी नदी से

रुद्रप्रयाग की प्रमुख ताल/झील

1.चोराबाड़ी ताल(गांधी सरोवर)

- इसे शरवदी ताल भी कहा जाता है
- इस ताल में गांधी जी की अस्थियां विसर्जित की गयी थी
- यह केदारनाथ मंदिर के ऊपर कुछ दूरी पर स्थित है
- इस ताल से मंदाकिनी नदी का उद्गम होता है

राज्य की सबसे बड़ी आपदा केदारनाथ आपदा

- तिथि - 16 - 17 जून 2013
- कारण - अतिवृष्टि व बादल फटने के कारण
- केदारनाथ के ऊपर चोराबाड़ी ग्लेशियर टूटने के कारण चोराबाड़ी ताल टूट गया व मंदाकिनी नदी घाटी में भारी तबाही हुई
- बचाव कार्य - सेना द्वारा बचाव कार्य हेतु ऑपरेशन सूर्य हॉप चलाया गया

2.देवरिया ताल –यह उखीमठ के पास स्थित है

3.भेंकताल- रुद्रप्रयाग में स्थित यह ताल अंडाकार ताल है

4.वासुकी ताल- यह ताल सयुंक्त रूप से टिहरी रुद्रप्रयाग में स्थित है इस ताल से सोनगंगा का उद्गम होता है

5.बधाणी ताल- जाखोली की बांगर पट्टी में स्थित

रुद्रप्रयाग में स्थित प्रमुख कुंड

ठंडे कुंड

1.अमृत कुंड
2.हंस कुंड – केदारनाथ के निकट
3.उदक कुंड- केदारनाथ के निकट
4.रेतस कुंड – यह भी केदारनाथ के निकट है
5.नंदी कुंड 6.ब्रह्म कुंड 7.विष्णु कुंड 8.रुद्र कुंड 9.शिव कुंड
10.रुधिर कुंड
11.मणिकर्णिका कुंड – गुप्तकाशी में स्थित
12.सरस्वती कुंड

गर्म कुंड

1.गौरीकुण्ड
2.भौरी अमोला कुंड

रुद्रप्रयाग जनपद में स्थित बुग्याल

1.बर्मी बुग्याल
2.चोपता
3.मदमहेश्वर
4.कसनी खर्क
5.मनणी बुग्याल

JARDHARI CLASSES

समसामयिक घटना

रुद्रप्रयाग में उत्तराखंड का पहला नेचर कैनेपी वॉक -

- उत्तराखंड में चोपता(रुद्रप्रयाग) से लगे बनियाकुंड के जंगल में उत्तराखंड का पहला नेचर कैनोपी वॉक बनाया जाएगा।
- इसकी ऊँचाई 20 फीट होगी

केदारनाथ में आदि शंकराचार्य जी की मूर्ति स्थापित

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 05 नवंबर 2021 को केदारनाथ धाम पहँचे
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आदि शंकराचार्य जी की 12 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया
- कर्नाटक के मैसूर के मूर्तिकार अरुण योगीराज ने इस मूर्ति को बनाया है

उत्तराखंड में के केदारनाथ धाम को न्यूयॉर्क की तर्ज पर बनाया जाएगा हॉट सिटी –

- उत्तराखंड पर्यटन विभाग केदारनाथ में कड़ाके की ठंड को देखते हुए यूरोप और अमेरिका के ठंडे शहरों की तर्ज पर केदारनाथ को भी हाट सिटी बनाने का प्रस्ताव तैयार कर रहा है।
- योजना के तहत न सिर्फ केदारनाथ के कड़ाके की ठंड में श्रद्धालुओं को कमरे में सामान्य तापमान महसूस होगा।
- साथ ही पाइपलाइन के जरिये गर्म पानी की सप्लाई ही की जाएगी।

प्रशासनिक ढांचा

विधानसभा क्षेत्र- 1.केदारनाथ 2.रुद्रप्रयाग
तहसील- रुद्रप्रयाग जनपद में 4 तहसील हैं
1.रुद्रप्रयाग, 2.उखीमठ, 3.बसुकेदार, 4.जखोली

विकासखंड-
रुद्रप्रयाग में 3 विकासखंड या ब्लॉक हैं-
1.उखीमठ, 2.जखोली, 3.अगस्तमुनि

जनंसख्या- 2,42,285
जनघनत्व- 122
लिंगानुपात- 114
साक्षरता- 81.3%
पुरूष- 93.90%
महिला-70.35%

JARDHARI CLASSES

रुद्रप्रयाग जनपद MCQ

Q1.रुद्रप्रयाग जनपद की स्थापना कब हुई
A.1996
B.1997
C.1998
D.1999

Ans- B

Q2.रुद्रप्रयाग में कोटेश्वर महादेव मंदिर किस नदी के तट पर स्थित है
A.मंदाकिनी
B.लस्तर नदी
C.अलकनंदा
D.सोनगंगा

Ans- C

Q3.उत्तराखंड के किस जनपद की पुरूष साक्षरता दर सर्वाधिक है
A.हरिद्वार
B.देहरादून
C.टिहरी
D.रुद्रप्रयाग

Ans- D

Q4.ओंकारेश्वर शिव मंदिर कहाँ स्थित है
A.चोपता
B.गुप्तकाशी
C.उखीमठ
D.मक्कुमठ

Ans- C

Q.5 रुद्रप्रयाग जनपद का कुल क्षेत्रफल है
A.1980 वर्ग KM
B.1984 वर्ग KM
C.1987 वर्ग KM
D.1986 वर्ग KM

Ans-B

Q6.रुद्रप्रयाग के दक्षिण में कौन सा जनपद स्थित है
A.टिहरी
B. पोड़ी
C.चमोली
D.अल्मोड़ा

Ans .B

Q7.चोपता हिल स्टेशन कौन से जनपद में है
A.अल्मोड़ा
B.रुद्रप्रयाग
C.चमोली
D.उत्तरकाशी

Ans- B

Q8.रुद्रप्रयाग से गौरीकुण्ड को निम्न में से कौन सा राष्ट्रीय राजमार्ग जोड़ता है
A.NH 7
B.NH 107
C.NH 70
D.NH 121

Ans- B

Q9.निम्न में से कौन सा एक ताल रुद्रप्रयाग में स्थित है
A.अप्सरा ताल
B.देवसाड़ी ताल
C.बधाणी ताल
D.विरही ताल

Ans- C

Q10.केदारनाथ मंदिर किस शैली से बना हुआ है
A.शंकुधारी शैली
B.मुगल शैली
C.कत्यूर शैली
D.हूण शैली

Ans- C

Q11. रुद्रप्रयाग में विधानसभा सीटें कितनी है
A.1
B.2
C.3
D.4

Ans-B

Q12.निम्न में से किस मेले में जलते अंगारो पर नृत्य किया जाता है
A.भतूज मेला
B.मठियाणा मेला
C.हरियाली मेला
D.जाख मेला

Ans- D

Q13.निम्न में से किस मंदिर के निकट रावण शिला व चंद्र शिला पर्वत है
A.केदारनाथ
B.मदमहेश्वर
C.तुंगनाथ
D.विश्वनाथ

Ans- C

Q14.मंदाकिनी नदी का उद्गम कहाँ से होता है
A.शरवदी ताल
B.वासुकी ताल
C.भेंक ताल
D.देवरिया ताल

Ans- A

Q15.रुद्रप्रयाग में विश्वनाथ मंदिर कहाँ स्थित है
A.उखीमठ
B.गुप्तकाशी
C.अगस्तमुनि
D.केदारनाथ

Ans-B

Q16.निम्न में से मंदाकिनी की सहायक नदी नहीं है
A.मधुगंगा
B.वाशुकी नदी
C.लस्तर नदी
D.आटागाड

Ans- D

Q17.निम्न में से रुद्रप्रयाग का विकासखंड नहीं है
A उखीमठ
B.बसुकेदार
C.जखोली
D.अगस्तमुनि

Ans- B

Q18.मदमहेश्वर का शीतकालीन आवास है-
A.गुप्तकाशी
B.मक्कूमठ
C.उखीमठ
D.चोपता

Ans-C

Q19.निम्न में से किसे शरवदी ताल कहा जाता है
A.गांधी सरोवर
B.देवरिया ताल
C.वासुकी ताल
D.बधाणी ताल

Ans- A

Q20.निम्न में से किस यात्रा का सम्बंध रुद्रप्रयाग से है
A.गुरु मणिकनाथ यात्रा
B.पंच कोशी वारुणी यात्रा
C.मनणा माई की जात
D.इनमें से कोई नहीं

Ans- C

Q21.उत्तराखंड का पहला नेचर कैनेपी पार्क बनाया जाएगा-
A.अगस्तमुनि
B.चोपता
C.गौरीकुण्ड
D.गुप्तकाशी

Ans- B

Q22.निम्न में से कौन सा बुग्याल रुद्रप्रयाग में स्थित है
A.कसनी खर्क
B.केदार खर्क
C.गुरसो बुग्याल
D.केदार कांठा

Ans- A

Q23.निम्न में से एक गर्म कुंड है
A.बैराश कुंड
B.रेतस कुंड
C.मणिकर्णिका कुंड
D.गौरीकुण्ड

Ans- D

Q24.उत्तराखंड के पंच केदारों में से रुद्रप्रयाग में कितने केदार स्थित हैं
A.1
B.2
C.3
D.4

Ans- C

Q25.बर्मी बुग्याल किस जनपद में है
A.चमोली
B.टिहरी
C.उत्तरकाशी
D.रुद्रप्रयाग

Ans- D

Q26.उत्तराखंड का सबसे ऊंचा मन्दिर है
A.विश्वनाथ
B.केदारनाथ
C.मदमहेश्वर
D.तुंगनाथ

Ans- D

Q27.रुद्रप्रयाग में कौन सी नदियों का संगम होता है
A.अलकनंदा- पिंडर
B.मंदाकिनी - लस्तर नदी
C.अलकनंदा – मंदाकिनी
D.अलकनंदा - भागीरथी

Ans- C

Q28.जाख मेला कहाँ लगता है
A.उखीमठ
B.केदारनाथ
C.गौरीकुण्ड
D.गुप्तकाशी

Ans- D

Q29.रुद्रप्रयाग की स्थापना कब हुई
A.1996
B.1995
C.1998
D.1997

Ans- D

Q30.निम्न में से कौन सी नदी सूर्यप्रयाग में मंदाकिनी नदी से संगम करती है
A.ब्यूंग गाड़
B.लस्तर नदी
C.क्यूंजागाड
D.मधु गंगा

Ans- B

Q31.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केदारनाथ में आदि गुरु शंकराचार्य जी की मूर्ति का अनावरण किया यह मूर्ति कितनी ऊँची है

A.8 फ़ीट
B.10 फीट
C.12 फीट
D.16 फीट

Ans- C

Q32.मणिकर्णिका कुंड कहाँ स्थित है

A.केदारनाथ
B.गुप्तकाशी
C.अगस्तमुनि
C.त्रियुगी गांव

Ans- B

Q33.रुद्रप्रयाग जनपद में कुल कितनी तहसीलें हैं

A.1
B.2
C.3
D.4

Ans- D

Q34.रुद्रप्रयाग का लिंगानुपात कितना है

A.997
B.1101
C.1114
D 1124

Ans-C

टिहरी जनपद

टिहरी का इतिहास

- स्थापना - 28 दिसम्बर 1815
- पंवार वंश के 55वें राजा सुदर्शन शाह ने 28 दिसम्बर 1815 को पुरानी टिहरी में टिहरी रियासत की नींव रखी
- 1877 में प्रताप शाह ने टिहरी रियासत में प्रताप नगर की नींव रखी व इसे अपनी राजधानी बमाया
- 1921 में नरेंद्र शाह ने नरेंद्र नगर की स्थापना की व 1925 में नरेंद्र नगर में राजधानी बनायी
- टिहरी रियासत का भारतीय संघ में विलय - 1 अगस्त 1949
- 24 फरवरी 1960 को टिहरी जनपद से उत्तरकाशी को अलग किया गया
- 16 सितम्बर 1997 में टिहरी से रुद्रप्रयाग को अलग कर दिया गया

भौगोलिक स्थिति

पड़ोसी जिले –

पूर्व – रुद्रप्रयाग
पश्चिम – देहारादून
उत्तर – उत्तरकाशी
दक्षिण – पौड़ी
क्षेत्रफल- 3642
टिहरी राज्य का आंतरिक जिला है

टिहरी जनपद प्रमुख पर्यटक स्थल

1.मुनि की रेती -

- मुनि की रेती टिहरी जनपद के ऋषिकेश में लक्ष्मण झूला पुल के निकट स्थित है
- जानकी सेतु पुल मुनि की रेती(टिहरी) और स्वर्गाश्रम(पौड़ी) को जोड़ता है
- यह पुल गंगा नदी पर बना हुआ है
- उद्घाटन - 20 नवंबर 2020 त्रिवेंद्र रावत द्वारा

2.तपोवन - यह स्थल ऋषिकेश में मुनि की रेती के निकट स्थित है
प्रसिद्ध लक्ष्मण झूला पुल यहीं पर स्थित है

3.खैंट पर्वत -

- आक्षरी, परियों या अप्सराओं का निवास स्थल या देश
- **खैंट पर्वत** - इस पर्वत पर खैंटखाल मंदिर स्थित है

4.चम्बा -

- गब्बर सिंह नेगी(विक्टोरिया क्रॉस सम्मानित) की जन्मस्थली
- चंबा के निकट श्री देव सुमन की जन्मस्थली जोलगाँव भी है
- चम्बा में ऋषिकेश धराशु मार्ग पर बनी 440 मीटर लंबी चम्बा सुरंग स्थित है जिसका उद्घाटन 26 मई 2020 को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा किया गया

5.धनोल्टी -

- मसूरी- चम्बा मार्ग पर स्थित प्रमुख स्थल

6.प्रताप नगर

- स्थापना - 1877(प्रताप शाह ने)
- प्रताप नगर का पुराना नाम- ठांगधार
- प्रताप नगर के सेम मुखेम में नागराजा का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है

7.देवप्रयाग –

देव प्रयाग में भागीरथी व अलकनदा का संगम होता है

यह उत्तराखंड के पंच प्रयागों में से एक है

- देव शर्मा नामक ऋषि ने यहाँ पर तपस्या थी जिसके कारण यहाँ का नाम देवप्रयाग पड़ा
- इस स्थल को सुदर्शन तीर्थ व इंद्र प्रयाग भी कहा जाता है
- देवप्रयाग में रघुनाथ मंदिर स्थित है
- देवप्रयाग के निकट ही प्रसिद्ध तीन धारा स्थल है

8.नरेंद्र नगर -

- स्थापना - 1921 नरेंद्र शाह ने
- नरेंद्रनगर में राज्य पुलिस प्रशिक्षण अकादमी स्थित है जिसकी स्थापना 1 मई 2011 को की गयी

9.नई टिहरी - टिहरी जनपद का मुख्यालय

टिहरी जनपद प्रमुख मन्दिर

1.रघुनाथ मन्दिर -

- यह मंदिर देवप्रयाग में स्थित है
- भगवान श्री राम ने यहां पर रावण को मारने के बाद तपस्या की थी
- यह मंदिर द्रविण शैली में बना है

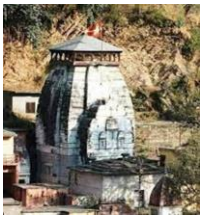

2.पलेठी का सूर्य मंदिर -

- टिहरी के हिंडोलाखाल में स्थित इस मंदिर की स्थापना 6वीं-7वीं शताब्दी में हुई मानी जाती है
- 1968 में भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा मंदिर में स्थित लेखों का अध्ययन किया गया जो कि ब्राह्मी लिपि में लिखे गए हैं
- यह लेख आदिवर्मन व कल्याण वर्मन के माने गए हें

3.सेम मुखेम मंदिर -

- प्रताप नगर के मुखेम गांव से लगभग 5 km ऊपर स्थित यह मंदिर भगवान नागराज को समर्पित है
- यहाँ भगवान श्री कृष्ण नागराजा के रूप में विधमान रहते हैं
- यहाँ पर प्रत्येक तीसरे साल(तिसाली मेला) मेला मंगशीर्ष माह आयोजित किया जाता है

- इस स्थान पर रमोली गढ़ के गढ़पति गंगू रमोला का राज था
- राजा गंगू रमोला के दो पुत्र सिधवा-विधवा थे जिनकी स्थानीय लोगों द्वारा आज भी पूजा की जाती है

4.बूढाकेदार -

- भगवान शिव को समर्पित यह मंदिर भिलंगना विकासखंड में स्थित है
- यह मंदिर भगवान शिव का प्राचीन मंदिर है
- बूढाकेदार मंदिर में मंगशीर की दीपावली में 'बलिराज मेले' का आयोजन होता है
- बुढ़ाकेदार के निकट भिलंगना कि सहायक नदियां बालगंगा व धर्मगंगा का संगम होता है

5.ज्वालामुखी मंदिर - यह मंदिर टिहरी जनपद के घनसाली तहसील के विनयखाल में देवगढ़ नामक स्थान पर है

6.सुरकण्डा देवी मंदिर-

- चंबा मसूरी मार्ग पर स्थित यह मंदिर कदुखाल से 2.5 KM ऊपर सुरकूट पर्वत पर स्थित है
- सुरकूट पर्वत मध्य हिमालय पर्वत श्रेणी स्थित है
- यह माता सती का शक्ति पीठ है
- यहाँ के पुजारी स्थानीय लेखवार ब्राह्मण हैं

7.चन्द्रबदनी मंदिर -

- यह पर्वत चंद्रकुट पर्वत पर स्थित है
- इस मंदिर का उल्लेख स्कन्द पुराण के केदारखंड में मिलता है जहां इसे भुवनेश्वरी पीठ कहा गया है
- यह भी माता सती का शक्ति पीठ है

8.कुंजापुरी मंदिर –

- यह मंदिर नरेंद्रनगर से आगे हिंडोलाखाल के निकट स्थित है
- यह मंदिर माता सती के शक्ति पीठों में से एक है
- यहाँ के पुजारी भंडारी राजपूत हैं
-

9.बलखिलेश्वर मंदिर - यह बाल गंगा नदी के तट पर स्थित है

10.मणिकनाथ मंदिर – भिलंगना घाटी में स्थित

11.ढूँढ़ेश्वर महादेव मंदिर – कीर्तिनगर में अलकनदा नदी के तट पर

टिहरी जनपद के प्रसिद्ध मेले व प्रमुख यात्रा

1.मोण मेला -
यह मेला जौनपुर क्षेत्र में जौनसारी जनजाति का प्रसिद्ध मेला है
इस मेले की शुरुआत टिहरी नरेश नरेंद्र शाह ने की
इस मेले में मछली पकड़ने की प्रतियोगिता होती है इसलिए इस मेले को मछमोण मेला भी कहते हैं
मोण मेला अगलाड़ नदी पर अयोजित किया जाता है

2.सेम मुखेम मेला -
यह मेला प्रतापनगर क्षेत्र के मुखेम गांव से ऊपर सेम मुखेम मंदिर पर मंगशीर्ष के माह आयोजित होता है

3.रंवाई किसान मेला -
यह मेला माधो सिंह भंडारी के गांव मलेथा में आयोजित किया जाता है

4.शहीद नागेंद्र सकलानी मोलू भरदारी विकास मेला - कीर्तिनगर

5.रणभूत मेला -
यह मेला टिहरी जनपद के नैलचामी पट्टी में कार्तिक माह में आयोजित किया जाता है
यह मेला राजशाही के समय विभिन्न युद्धों में मारे गए लोगों की याद में लगता है
यह मेला भूत नृत्य के रूप में जाना जाता है

6.तिलका देवी मेला -
यह मेला बाड़ासरी जौनपुर में तिलका देवी मंदिर में आयोजित किया जाता है

7.नाग टिब्बा मेला- टिहरी के जोनपूर में
8.चन्द्रबदनी मेला- चन्द्रबदनी में

टिहरी जनपद की प्रमुख यात्रा

1.खतलिंग महादेव यात्रा-
यह यात्रा भिलंगना क्षेत्र के घुत्तू से होकर पंवाली काँठा होते हुए खतलिंग ग्लेशियर तक होती है
इस यात्रा का आयोजन सितंबर माह में होता है

2.पंवाली-काँठा केदारनाथ यात्रा -
यह यात्रा टिहरी के पंवाली काँठा से रुद्रप्रयाग के केदारनाथ तक आयोजित की जाती है
इस यात्रा का आयोजन अगस्त-सितम्बर माह में होता है

3.गुरु मणिकनाथ यात्रा -
टिहरी जनपद में प्रति वर्ष पांच दिवसीय गुरु मणिकनाथ यात्रा आयोजित की जाती है

4.सहस्त्र ताल - महासर ताल यात्रा

टिहरी जनपद MAP

उत्तरकाशी
नागटिब्बा
मुखेम
अंगलाड़ नदी
भागीरथी नदी
जौनपुर क्षेत्र
लम्बगांव
प्रताप नगर
धनोल्टी
कैम्पटी जल प्रपात
मसूरी
भल्डियाणा
डोबरा चांटी पुल
सुरकंडा मंदिर
कानाताल
नई टिहरी
चम्बा
टिहरी बांध
भिलंगना
घनसाली
रुद्रप्रयाग
देहरादून
YouTube:- Jardhari Classes
कोटेश्वर बांध
परियोजना
कीर्तिनगर
श्रीनगर
नरेंद्रनगर
हेंवल नदी
देवप्रयाग
अलकनंदा नदी
मुनि की रेती
स्वर्गाश्रम
पटना
जलप्रपात
गंगा नदी
भैरव मन्दिर
नयार नदी
पोड़ी
वासुकीताल
मासरताल
सहस्त्रताल
खतलिंग ग्लेशियर
बालगंगा
महासरताल
भिलंगना हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट

टिहरी जनपद की प्रमुख नदियां/परियोजना/ प्रमुख ताल/ कुंड/गुफाएं/बुग्याल

प्रमुख नदियां

भागीरथी नदी

उद्गम- गोमुख उत्तरकाशी

भागीरथी की प्रमुख सहायक नदियां

1.भिलंगना

- उद्गम स्थल - खतलिंग ग्लेशियर
- संगम - गणेश प्रयाग में भागीरथी नदी से

भिलंगना की प्रमुख सहायक नदी-

- बालगंगा- बालगंगा घनसाली में भिलंगना से संगम करती है
- धर्मगंगा -बालगंगा की प्रमुख सहायक नदी धर्मगंगा है जो बूढाकेदार के पास बालगंगा से मिलती है

2.जलकुर नदी -भल्डियाणा में भागीरथी से संगम

3.अलकनंदा- देवप्रयाग में भागीरथी से संगम करती है व देवप्रयाग से आगे गंगा नदी के नाम से जानी जाती है

कुछ अन्य नदियां-

1.अलगाड़ नदी-

- उद्गम - नागटिब्बा के निकट
- अलगाड़ नदी यमुना नदी की सहायक नदी है

3.चंद्रभागा नदी - यह नदी ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट के निकट गंगा नदी से मिलती है

टिहरी जनपद की प्रमुख परियोजना

1.टिहरी बांध परियोजना - भागीरथी व भिलंगना नदी पर
2.कोटेश्वर बांध परियोजना - भागीरथी नदी पर
3.कोटली भेल परियोजना - देवप्रयाग में स्थित यह परियोजना गंगा नदी पर है
4.झालाकोट परियोजना - धर्मगंगा नदी पर
5.भिलंगना बांध परियोजना - भिलंगना नदी पर

टिहरी जनपद के प्रमुख ताल

1.सहस्त्रताल - खतलिंग ग्लेशियर के पश्चिम में स्थित यह ताल गढ़वाल क्षेत्र का सबसे बड़ा व गहरा ताल है
2.मांसर ताल - इस ताल को मंसूर ताल भी कहा जाता है
3.वासुकी ताल - इस ताल को लाल पानी वाला ताल भी कहा जाता है
4.महासर ताल - यह ताल दो कटोरेनुमा तालों से निर्मित है इन्हें भाई-बहन ताल भी कहा जाता है
5.अप्सरा ताल - टिहरी ले बूढा केदार के पास स्थित इस ताल को आछरी ताल भी कहा जाता है
6.यमताल – हमेशा बर्फ से ढका रहता है
7.जराल ताल

प्रमुख कुंड -

1.वशिष्ट कुंड - ऋषिकेश से 16 km दूर गंगा नदी के तट पर
2.बेताल कुंड - देवप्रयाग में
3.सूर्य कुंड -देवप्रयाग
4.ब्रह्म कुंड - देवप्रयाग
5.भास्कर कुंड - देवप्रयाग

प्रमुख गुफाएं-

1.वशिष्ट गुफा - ऋषिकेश में
2.विश्वनाथ गुफा
3.बुग्डेश्वर गुफा
4.वामन गुफा - देवप्रयाग में

ग्लेशियर - खतलिंग ग्लेशियर

जलप्रपात-

कैम्पटी फॉल जलप्रपात - मसूरी से 15 Km दूर यह जलप्रपात टिहरी जनपद में स्थित है

प्रमुख बुग्याल

1.मासरताल बुग्याल
2.जोराई बुग्याल
3.खतलिंग बुग्याल
4.खारसोली बुग्याल
5.कोटली (अप्सराओं) बुग्याल
6.पंवाली - काँठा बुग्याल- उत्तरकाशी व टिहरी में स्थित

टिहरी में स्थित प्रमुख संस्थान

1.हिमालय नक्षत्र वेधशाला

- स्थापना-1946
- स्थित)देवप्रयाग -TG)
- संस्थापकआचार्य चक्रधर जोशी -
- उद्देश्य ग्रहों उपग्रहों व खगोलीय घटनाओं का -अवलोकन करना

2.THDC Institute of Hydropower Engineering and technology

स्थापना- 2011
स्थित- भागीरथी पुरम(टिहरी डैम के निकट)
उदघाटन- सुशील कुमार सिंदे

3.राज्य पुलिस प्रशिक्षण अकादमी(State Police Training Academy)-

स्थित -नरेंद्र नगर(टिहरी)
स्थापना – 1 मई 2011 (रमेश पोखरियाल निशंक द्वारा)

प्रमुख व्यक्ति

इंद्रमणि बडोनी

जन्म - 24 दिसम्बर 1924 (अखोड़ी गांव टिहरी(

- इंद्रमणि बडोनी जी को उत्तराखंड का गांधी कहा जाता है
- 1956 में दिल्ली के राजपथ पर उत्तराखंड के पारम्परिक केदार नृत्य की झांकी प्रदर्शित की
- 1961 में ग्राम अखोड़ी के ग्राम प्रधान बने
- 1979 में उत्तराखंड क्रांति दल के गठन में विशेष भूमिका निभाई
- 1988 में इन्होंने 105 दिनों की पैदल जन सम्पर्क यात्रा की
- 7 अगस्त 1994 में पृथक राज्य की मांग के लिये आमरण अनशन पर बैठे
- 18 अगस्त 1999 को इनका निधन हो गया

सुंदरलाल बहुगुणा

जन्म - 9 जनवरी 1927 मरोड़ा गांव(टिहरी)

निधन - 21 मई 2021

उपनाम - वृक्ष मित्र

- सुंदरलाल बहुगुणा एक पर्यावरणविद व सामाजिक कार्यकर्ता थे
- 1949 में इन्होंने टिहरी में 'ठक्कर बापा' होस्टल की स्थापना की
- पत्नी विमला ले सहयोग से पर्वतीय नवजीवन मण्डल की स्थापना की
- सुंदरलाल बहुगुणा को चिपको आंदोलन का प्रणेता माना जाता है

प्रमुख पुरस्कार -

1981 - पद्मश्री सुंदरलाल बहुगुणा ने पद्मश्री) (किया पुरस्कार अस्वीकार

1987 - The Right livelihood Award

1984 - राष्ट्रीय एकता पुरस्कार

1985 - वृक्ष मानव पुरस्कार

1987 - सरस्वती सम्मान

1989 - रुड़की विश्वविद्यालय के द्वारा सामाजिक विज्ञान में डॉ की मानद उपाधि प्रदान की गयी

1999 - गांधी सेवा सम्मान

2009 - पद्मविभूषण पुरस्कार से सम्मानित

विश्वेश्वर दत्त सकलानी

जन्म - 2 जून 1922 पुजार गांव(टिहरी)

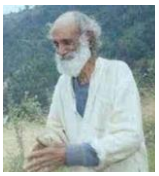

निधन - 18 जनवरी 2019

- विश्वेश्वर दत्त सकलानी को वृक्ष मानव कहा जाता है
- इन्होंने अकेले 50 लाख से अधिक वृक्ष लगाए

पुरस्कार – 1986 में इंदिरा प्रियदर्शिनी अवार्ड से सम्मानित

जसपाल राणा

- जन्म -28 जून 1976 चिलामु गांव(टिहरी गढ़वाल)
- जसपाल राणा ने 1995 के कामनवेल्थ गेम्स की शूटिंग चैम्पियनशिप में 8 स्वर्ण पदक जीतकर रिकॉर्ड बनाया था

- जसपाल राणा को गोल्डन बॉय के नाम से जाना जाता है

प्रमुख अवार्ड-

- 1994 में जसपाल राणा को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया
- 1994 यश भारती पुरस्कार
- 2002 में पदम् श्री पुरस्कार
- 2013 में देवभूमि उत्तराखंड खेल रत्न अवार्ड
- 2020 में द्रोणाचार्य पुरस्कार

गब्बर सिंह नेगी

- जन्म - 21 अप्रैल 1895
- जन्म स्थान- चम्ब्रा, टिहरी गढ़वाल उत्तराखंड
- युद्ध की तारीख- 10 मार्च 1915
- युद्ध का स्थान- नेव चापेल, फ्रांस
- रेजिमेंट: दूसरी बटालियन, 39 वीं गढ़वाल राइफल्स
- ब्रिटिश सरकार के सबसे बड़े सम्मान विक्टोरिया क्रास से गबर सिंह नेगी को सम्मानित किया गया था।

श्री देव सुमन

जन्म- 25 मई 1916 जॉल गांव(टिहरी)
पिता - हरिराम बडोनी
माता - तारा देवी
पत्नी - विनयलक्ष्मी

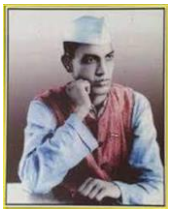

- श्री देव सुमन ने मात्र 14 वर्ष की आयु में नमक सत्याग्रह में भाग लिया व 15 दिन जेल गए
- 1937 में सुमन सौरभ नाम से कविताएं प्रकाशित की
- 1938 में दिल्ली में अखिल भारतीय पर्वतीय जन सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें श्री देव सुमन व बद्रीदत्त पांडे ने भाग लिया
- 1938 में श्रीनगर में राजनीतिक सम्मेलन में पृथक राज्य की मांग रखी
- 1938 में गढदेश सेवा संघ की स्थापना की
- 30 दिसम्बर 1943 में टिहरी जेल में बंद कर दिया गया
- 21 फरवरी 1944 को श्री देव सुमन पर राजद्रोह का मुदकमा चलाया गया
- 29 फरवरी 1944 से श्री देव ने अनशन आरम्भ किया
- 3 मई 1944 से आमरण अनशन शुरू किया
- 25 जुलाई 1944 को 84 दिन की भूखहड़ताल के बाद श्री देव सुमन शहीद हो गए

इंद्रमणि बडोनी

जन्म - 24 दिसम्बर 1924 (अखोड़ी गांव टिहरी(

- इंद्रमणि बडोनी जी को उत्तराखंड का गांधी कहा जाता है
- 1956 में दिल्ली के राजपथ पर उत्तराखंड के पारम्परिक केदार नृत्य की झांकी प्रदर्शित की
- 1961 में ग्राम अखोड़ी के ग्राम प्रधान बने
- 1979 में उत्तराखंड क्रांति दल के गठन में विशेष भूमिका निभाई
- 1988 में इन्होंने 105 दिनों की पैदल जन सम्पर्क यात्रा की
- 7 अगस्त 1994 में पृथक राज्य की मांग के लिये आमरण अनशन पर बैठे
- 18 अगस्त 1999 को इनका निधन हो गया

समसामयिक घटना

देश के सबसे लम्बे सिंगल लेन सस्पेंशन ब्रिज का उद्घाटन 8 नवम्बर 2020 को टिहरी में उद्घाटन- मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत जी द्वारा

- पुल की कुल लंबाई- 725 मीटर
- झूला पुल की लंबाई- 440 मीटर
- कुल चौड़ाई- 7 मीटर
- पुल का डिजाइन तैयार किया गया- कोरियन कम्पनी योसिन
- **डोबरा चांटी पुल की गाथा' पुस्तक किसने लिखी -** शीशपाल गुसाईं

जानकी सेतु पुल का निर्माण -

- जानकी सेतु पुल उत्तराखंड के ऋषिकेश में गंगा नदी पर निर्मित किया गया यह पुल मुनि की रेती व स्वर्गाश्रम को जोड़ता है
- उद्घाटन- 20 नवंबर 2020
- लोकार्पण- मुख्य त्रिवेंद्र रावत जी
- लम्बाई- 346 मीटर

टिहरी के चम्बा शहर में बनी 440M लंबी टनल

इस सुरंग का निर्माण BRO(Border Rode Organization) द्वारा ऋषिकेश- धराशु highway पर किया गया है

- इस सड़क की लंबाई 440 m है.
- 26 मई 2020 को इस सुरंग का उद्घाटन सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये किया गया

वर्ष 2022 में गणतंत्र दिवस पर राजपथ पर होने वाली परेड में देवभूमि उत्तराखंड की झांकी -

गणतंत्र दिवस पर राजपथ पर होने वाली परेड में इस बार देवभूमि उत्तराखंड की झांकी नजर आएगी।

- राज्य गठन के बाद से अब तक 13 बार उत्तराखंड की झांकी का चयन हो चुका है

- राजपथ पर अब तक उत्तराखंड की झांकी-
- 2015 - केदारनाथ धाम पुनर्निमाण
- 2018 - ग्रामीण पर्यटन
- 2019 - अनासक्ति आश्रम कौसानी
- 2021 - केदारनाथ धाम की झांकी
- 2022 - डोबरा चांटी पुल

टिहरी जनपद का राजनीतिक व प्रशासनिक ढांचा

लोकसभा सीट
टिहरी

विधानसभा सीटें - टिहरी जनपद में कुल 6 विधानसभा सीटें है

क्र.सं	विधानसभा सीट
1	देवप्रयाग
2.	नरेंद्र नगर
3.	प्रताप नगर
4.	घनसाली(SC)
5.	टिहरी
6.	धनोल्टी

नोट- टिहरी जनपद की 6 विधासभा सीटों में घनसाली विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है

विकासखंड(ब्लॉक) - टिहरी जनपद में कुल 9 विकासखंड हैं

1.नरेंद्र नगर(फकोट)
2.चम्बा
3.जौनपुर
4.थौलधार
5.प्रताप नगर
6.जाखणीधार
7.हिंडोलाखाल(देवप्रयाग)
8.कीर्तिनगर
9.भिलंगना(घनसाली)

टिहरी जनपद जनसंख्या आकंड़े

कुल जनसंख्या - 6,18,932 (6.13%)
जनघनत्व - 170
लिंगानुपात - 1078
कुल साक्षरता प्रतिशत - 76.36%
पुरुष साक्षरता - 89.76%
महिला साक्षरता - 64.28%

टिहरी जनपद MCQ

Q1.जानकी सेतु पुल किस नदी पर है
A.भागीरथी
B.गंगा
C.अलकनंदा
D.भिलंगना

Ans- B

Q2.राइफलमैन गबर सिंह नेगी को किस युद्ध के लिए विक्टोरिया क्रॉस (मरणोपरान्त) प्रदान किया गया था ?
A.ला बेसी
B.न्यू चैपल
C.कोटकाई (वजीरिस्तान)
D.फेस्टुबर्ट

Ans- B

Q3.आछरियों व परियों का देश कहा जाता है
A.तपोवन
B.नाग टिब्बा
C.खैंट पर्वत
D.पंवाली काँठा

Ans - C

Q4.टिहरी जनपद की कौन सी विधानसभा सीट अनुसूचित जाति हेतु आरक्षित है
A.प्रताप नगर
B.नरेंद्र नगर
C.धनोल्टी
D.घनसाली

Ans – D

Q5.चम्बा में ऋषिकेश धराशू मार्ग पर बनी चम्बा टनल की लंबाई है
A.420 मीटर
B.430 मीटर
C.435 मीटर
D 440 मीटर

Ans- D

Q6.उत्तराखंड राज्य पुलिस प्रशिक्षण अकादमी कहाँ है
A.टिहरी
B.ऋषिकेश
C.देहरादून
D.नरेंद्र नगर

Ans- D

Q7.बालगंग व धर्मगंगा का संगम कहाँ पर होता है
A.भिलंग घाटी
B.बूढाकेदार
C.घनसाली
D.घुत्तू

Ans - B

Q8.कोटेश्वर बांध परियोजना किस नदी पर है
A.भिलंगना
B.गंगा
C.धर्मगंगा
D.भागीरथी

Ans - D

Q9.देवप्रयाग का रघुनाथ मंदिर किस शैली से बना हुआ है
A.कत्यूरी शैली
B.हूण शैली
C.नागर शैली
D.द्रविण शैली

Ans- D

Q10.सहस्त्रताल कौन से जनपद में है
A.रुद्रप्रयाग
B.उत्तरकाशी
C.चमोली
D.टिहरी

Ans- D

Q11.प्रताप शाह ने प्रताप नगर की नींव कब रखी
A.1876
B.1877
C.1885
D.1879

Ans - B

Q12.रघुनाथ मंदिर कहाँ स्थित है
A.रुद्रप्रयाग
B.देवप्रयाग
C.गणेश प्रयाग
D.घनसाली

Ans – B

Q13. जोराई बुग्याल कौन से जनपद में है
A.टिहरी
B.चमोली
C.उत्तरकाशी
D.पिथौरागढ़

Ans- A

Q14. पलेठी के सूर्य मंदिर में प्राप्त लेख किस लिपि में लिखे गये हैं
A.खरोष्ठी लिपि
B.गुप्त लिपि
C.सिंधु लिपि
D.ब्राह्मी लिपि

Ans- D

Q15.टिहरी के प्रताप नगर में स्थित सेम मुखेम मंदिर किसका है
A.शिव
B.विष्णु
C.नागराजा
D.भैरव

Ans - C

Q16.कैम्पटी फाल जलप्रपात कहाँ है
A ऋषिकेश
B.मसुरी
C.देवप्रयाग
D.चकराता

Ans- B

Q17.उत्तराखंड का गांधी कहा जाता है
A.बद्रीदत्त पांडे
B.अनुसूया प्रसाद बहुगुणा
C.इंद्रमणि बडोनी
D.सुंदरलाल बहुगुणा

Ans- C

Q18.वृक्ष मित्र किसे कहा जाता है
A.विश्वेश्वर दत्त सकलानी
B.सुंदरलाल बहुगुणा
C.गौरा देवी
D.चंडी प्रसाद भट्ट

Ans- B

Q19.विक्टोरिया क्रॉस सम्मानित गब्बर सिंह नेगी की जन्मस्थली है
A.देवप्रयाग
B.धनोल्टी
C.चम्बा
D.टिहरी

Ans - C

Q20.डोबरा चांटी पुल की गाथा पुस्तक किसने लिखी है
A.अनूप गुसाईं
B.शीशपाल गुसाईं
C.अरुण सेमवाल
D.देवेंद्र रावत

Ans- B

Q21.सुंदरलाल बहुगुणा को पद्म विभूषण पुरस्कार कब दिया गया
A.1981
B.1999
C.2009
D.2019

Ans- C

Q22.राज्य पुलिस प्रशिक्षण अकादमी स्थित है
A.टिहरी
B.ऋषिकेश
C.चंबा
D.नरेंद्रनगर

Ans – D

Q23 हिमालय नक्षत्र वेधशाला कहाँ है
A.नरेंद्रनगर
B.नैनीताल
C.देवप्रयाग
D.श्रीनगर

Ans- C

Q24.उत्तराखंड राज्य पुलिस प्रशिक्षण अकादमी नरेंद्र नगर स्थित है इसकी स्थापना कब की गयी
A.2001
B.2011
C.2010
D.2013

Ans- B

Q25.अगलाड़ नदी किसकी सहायक नदी है
A.भागीरथी
B.भिलंगना
C.यमुना
D.चंद्रभागा

Ans – C

Q26.जसपाल राणा को देवभूमि उत्तराखंड खेल रत्न अवार्ड से कब सम्मानित किया गया
A.2012
B.2013
C.2014
D.2017

Ans- B

Q27.वर्ष 2022 में गणतंत्र दिवस पर राजपथ पर होने वाली परेड में देवभूमि उत्तराखंड की कौन सी झांकी प्रदर्शित की गयी
A.ग्रामीण पर्यटन
B.अनाशक्ति आश्रम
C.केदारनाथ धाम
D.डोबरा चांटी पुल

Ans- D

Q28.झालाकोट परियोजना निम्न में से किस नदी पर है
A.बाल गंगा
B.धर्मगंगा
C.भिलंगना
D.अगलाड़

Ans – B

Q29.भास्कर कुंड कहाँ है
A ऋषिकेश
B.रुद्रप्रयाग
C.देवप्रयाग
D.बद्रीनाथ

Ans- C

Q30.खरसोली बुग्याल कौन से जनपद में है
A.चमोली
B.उत्तरकाशी
C.टिहरी
D.रुद्रप्रयाग

Ans- C

Q31.गढ़वाल का सबसे बड़ा व गहरा ताल कौन सा है
A.सस्त्रताल
B.मंसूर ताल
C.मासर ताल
D.यम ताल

Ans – A

Q32.गढ़देश सेवा संघ की स्थापना किसके द्वारा की गयी
A.इंद्रमणि बडोनी
B.बद्रीदत्त पांडे
C.अनुसूया प्रसाद बहुगुणा
D.श्री देव सुमन

Ans- D

Q33.डोबरा चांटी पुल की कुल लम्बाई है
A.700 मीटर
B.725 मीटर
C.750 मीटर
D.775 मीटर

Ans- B

Q34.वशिष्ट कुंड कहाँ स्थित है
A.देवप्रयाग
B.ऋषिकेश
C.टिहरी
D.जौनपुर

Ans - B

Q35.रवाईं किसान मेले का अयोजन कहाँ किया जाता है
A.चंबा
B.मलेथा
C.देवप्रयाग
D.जौनपुर

Ans- B

Q36.निम्न में से कौन सा सूर्य मंदिर टिहरी में स्थित है
A.मढ़ का सूर्य मंदिर
B.कुलसारी का सूर्य मंदिर
C खेतीखान का सूर्य मंदिर
D.पलेठी का सूर्य मंदिर

Ans- D

Q37.वशिष्ठ गुफा कहाँ है
A.देवप्रयाग
B.हिंडोलाखाल
C.ऋषिकेश
D.पौड़ी

Ans- C

Q38.पंवाली काँठा बुग्याल स्थित है
A.रुद्रप्रयाग
B.टिहरी
C.चमोली
D.पोड़ी

Ans- B

Q39.वृक्ष मानव किसे कहा जाता है
A.विश्वेश्वर दत्त सकलानी
B.सुंदरलाल बहुगुणा
C.गौरा देवी
D.चंडी प्रसाद भट्ट

Ans- A

Q40.अप्सरा ताल कौन से जनपद में है
A.नैनीताल
B.टिहरी
C रुद्रप्रयाग
D.उत्तरकाशी

Ans- B

Q41.बेताल कुंड कहाँ स्थित है
A.ऋषिकेश
B.देवप्रयाग
C.घनसाली
D.बूढ़ाकेदार

Ans – B

Q42.नाग टिब्बा कौन से जनपद में स्थित है
A.टिहरी
B.देहरादून
C.नैनीताल
D.पौड़ी

Ans- A

Q43.प्रसिद्ध कुंजापुरी मंदिर कहाँ स्थित है
A.टिहरी
B.देहरादून
C.पौड़ी
D.रुद्रप्रयाग

Ans- A

Q44.भाई-बहन ताल के नाम से कौन सा ताल जाना जाता है
A.मांसर ताल
B.महासर ताल
C.सहस्त्र ताल
D.यमताल

Ans - B

Q45.घनसाली में निम्न में से कौन-कौन नदियों का संगम होता है
A.बालगंगा – धर्मगंगा
B.बालगंगा - भिलंगना
C.धर्मगंगा – भागीरथी
D.भागीरथी - भिलंगना

Ans - B

Q46.टिहरी रियासत का अंतिम शासक था
A.प्रताप शाह
B.कीर्ति शाह
C.नरेंद्र शाह
D.मानवेन्द्र शाह

Ans- D

Q47.प्रताप नगर का पुराना नाम था
A.पुनाड़गढ़
B.बड़ागढ़
C.ठांगधार
D.नागगढ़

Ans- C

Q48.बूढा केदार मन्दिर किस देवता का मंदिर है
A.विष्णु
B.शिव
C.ब्रह्म `
D.इंद्र

Ans - B

Q49.पलेठी का सूर्य मंदिर स्थित है
A.नरेंद्रनगर
B.हिण्डोलाखाल
C.देवप्रयाग
D.जौनपुर

Ans – B

Q50.प्रसिद्ध चन्द्रबदनी मंदिर किस पर्वत पर स्थित है
A.चित्रकूट
B.चंद्रानम
C.चंद्रकूट
D.सुरकूट

Ans- C

Q51.किस ताल को भाई बहन ताल कहा जाता है
A.मंसूर ताल
B.महासर ताल
C.सहस्त्रताल
D.यमताल

Ans- B

हरिद्वार जनपद

हरिद्वार जनपद का इतिहास

- स्कंद पुराण में हरिद्वार को मायापुरी कहा गया है
- मान्यता है कि मय नामक दैत्य की निवास स्थली होने के कारण हरिद्वार को मायापुरी कहा जाता है
- हरिद्वार को हरी यानि विष्णु का द्वार व बद्रीनाथ का द्वार भी कहा जाता है
- हरिद्वार के अन्य नाम- कपिला, गंगा द्वार, खाण्डव वन, तीर्थस्थलों का द्वार, चारों धामों का द्वार
- चीनी यात्री ह्वेनसांग ने इस स्थान को मो-यु-लो कहा जिसका क्षेत्रफल उन्होंने 20 ली(चीनी माप) बताया
- अबुल फजल की आईने अकबरी में हरिद्वार का वर्णन मिलता है
- जहांगीर के शासन काल में पहला यूरोपीयन यात्री टॉम कार्यट हरिद्वार आया व उसने हरिद्वार को शिव की राजधानी कहा
- महात्मा गांधी सर्वप्रथम 1915 में हरिद्वार आये
- **स्थापना**- 28 दिसम्बर 1988
- **मुख्यालय-** हरिद्वार

(नोट- हरिद्वार 1988 से उत्तराखंड राज्य गठन से पहले सहारनपुर मण्डल का हिसा था उत्तराखंड राज्य गठन के बाद हरिद्वार उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल का जिला बनाया गया)

भौगोलिक स्थित-
पड़ोसी जिले/राज्य-
पूर्व - पोड़ी
पश्चिम- उत्तरप्रदेश
उत्तर- देहरादून
दक्षिण- उत्तरप्रदेश
क्षेत्रफल - 2360 वर्ग KM

हरिद्वार जनपद उत्तराखंड के दो जनपदों पोड़ी व देहरादून से सीमा बनाता है

National Highway (राष्ट्रीय राजमार्ग)-
NH-34 - मेरठ-बिजनोर-हरिद्वार-ऋषिकेश- धराशु-गंगोत्री
NH-334 - पुरकाजी(UP) - रुड़की
NH-344 - सहारनपुर-रूड़की

हरिद्वार जनपद के प्रमुख स्थल

1.हर की पोड़ी-

- हर की पोड़ी हरिद्वार में स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है
- हर की पोड़ी का अर्थ - भगवान विष्णु के चरण
- हर की पोड़ी का निर्माण उज्जैन के राजा विक्रमादित्य ने अपने भाई भर्तृहरि की याद में कराया
- हर की पैड़ी में ब्रह्मकुंड स्थित है
- अकबर के दरबारी राजा मानसिंह ने इस स्थान पर गंगा मंदिर का निर्माण कराया जिसे राजा मानसिंह की छतरी के नाम से जाना जाता है

हर की पैड़ी के दक्षिण में दो घाट है

1.गऊ घाट- यहाँ पर स्नान करने से मनुष्य गो हत्या से मुक्त हो जाता है

2.कुशावर्त घाट- यहाँ पर दत्तात्रेय ऋषि ने तपस्या की थी

2.कनखल-कनखल हरिद्वार में स्थित है जिसे भगवान शिव का ससुराल भी माना जाता है

- कनखल दक्ष प्रजापति की राजधानी मानी जाती है
- कनखल में दक्ष प्रजापति मंदिर(दक्षेश्वर महादेव मंदिर) स्थित है
- दक्षेश्वर महादेव का मंदिर 1810 में रानी धनकोर ने कराया था व 1962 में इस मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया
- कनखल में सती कुंड स्थित है जहाँ पर माता सती अग्नि में समायी थी।कनखल के निकट नारायणी शिला स्थित है

3.शांति कुंज- शांतिकुंज हरिद्वार में स्थित आध्यात्मिक तीर्थ स्थल है

- शांतिकुंज की स्थापना 1971 में पंडित राम शर्मा आचार्य ने की
- शांतिकुंज को गायत्री तीर्थ के नाम से भी जाना जाता है

4.सप्तऋषि आश्रम- हरिद्वार में स्थित यह आश्रम सप्त ऋषियों का आराधना स्थल माना जाता है

5.पिरान कलियर- रुड़की से 8 KM दूर पिरान कलियर गांव एक सूफी संत अलाउद्दीन अली अहमद साबिर की दरगाह के लिए प्रसिद्ध है

- पिरान कलियर में प्रतिवर्ष उर्स मेले का आयोजन किया जाता है

6.रुड़की-

- रुड़की सोलानी नदी के तट पर बसा हुआ है
- रुड़की शहर का नाम रूड़ी नामक महिला के नाम पर पड़ा
- देश मे प्रथम बार 22 दिसम्बर 1851 रुड़की से पिरान कलियर के मध्य रेल देश की पहली रेलगाड़ी चलाई गयी
- (नोट- यह खोज 2002 में हुई इसलिए यही माना जाता है कि देश की पहली रेलगाड़ी 1853 में मुंबई से ठाणे के बीच चली)
- रुड़की में 1847 में एशिया के प्रथम इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की गई

हरिद्वार में स्थित प्रमुख मंदिर

1.भारत माता मंदिर

- इस मंदिर का निर्माण स्वामी सत्यमित्रानंद ने कराया
- 1983 में श्रीमती इंदिरा गांधी ने इस मंदिर का उद्घाटन किया
- इस मंदिर की ऊंचाई 180 फीट है व इसमें कुल 8 मंजिल है

2.माया देवी मंदिर-

- हरिद्वार में स्थित माया देवी मंदिर माता सती के शक्तिपीठों में से एक है
- माना जाता है कि इस स्थान पर माता सती की नाभि व ह्रदय गिरे थे

3.चंडी देवी मंदिर-

- यह मंदिर हरिद्वार में नीलपर्वत के शिखर पर स्थित है
- इस मंदिर का निर्माण जम्मू कश्मीर के राजा सुचात सिंह ने कराया

4.मनसा देवी मंदिर-

- यह मंदिर हरिद्वार में बिल्ब शिखर पर स्थित है
- इस मंदिर में मनसा देवी की पांच भुजाओं व तीन मुख वाली मूर्ति है

5.बिल्केश्वर महादेव-

- यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है
- बिल्केश्वर महादेव मंदिर हरिद्वार में बिल्ब पर्वत पर स्थित है
- माना जाता है कि माता पार्वती ने यहीं पर शिव की तपस्या की थी
- इस मंदिर में बेल पत्र चढ़ाने की परंपरा है

6.नीलेश्वर महादेव मंदिर-

यह मंदिर हरिद्वार में नील पर्वत पर स्थित है

7.दक्ष महादेव मंदिर-

- कनखल में दक्ष प्रजापति मंदिर(दक्षेश्वर महादेव मंदिर) स्थित है
- दक्षेश्वर महादेव का मंदिर 1810 में रानी धनकोर ने कराया था व 1962 में इस मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया

हरिद्वार जनपद के प्रमुख मेले

1.कुंभ मेला-

- कुंभ मेला हिन्दू धर्म का महत्वपूर्ण मेला है।
- यह मेला हरिद्वार में गंगा के तट पर प्रत्येक बारहवें वर्ष आयोजित होता है।
- यह मेला सूर्य के मेष राषि में तथा बृहस्पति के कुंभ राशि मे आने पर आयोजित होता है।

2.उर्स मेला-

- यह मेला रुड़की से 8Km दूर कलियर गांव में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।
- कलियर गांव में पिरान कलियर बाबा(अलाउद्दिन अली अहमद साबरी) की मजार(दरगाह) है।

3.गुघाल मेला-

- यह मेला हरिद्वार के ज्वालपुर में आयोजित किया जाता है
- यह तीन दिवसीय मेला है
- गुघाल मेला में लोक देवता गोगाजी की पवित्र छड़ी की पूजा अर्चना की जाती है

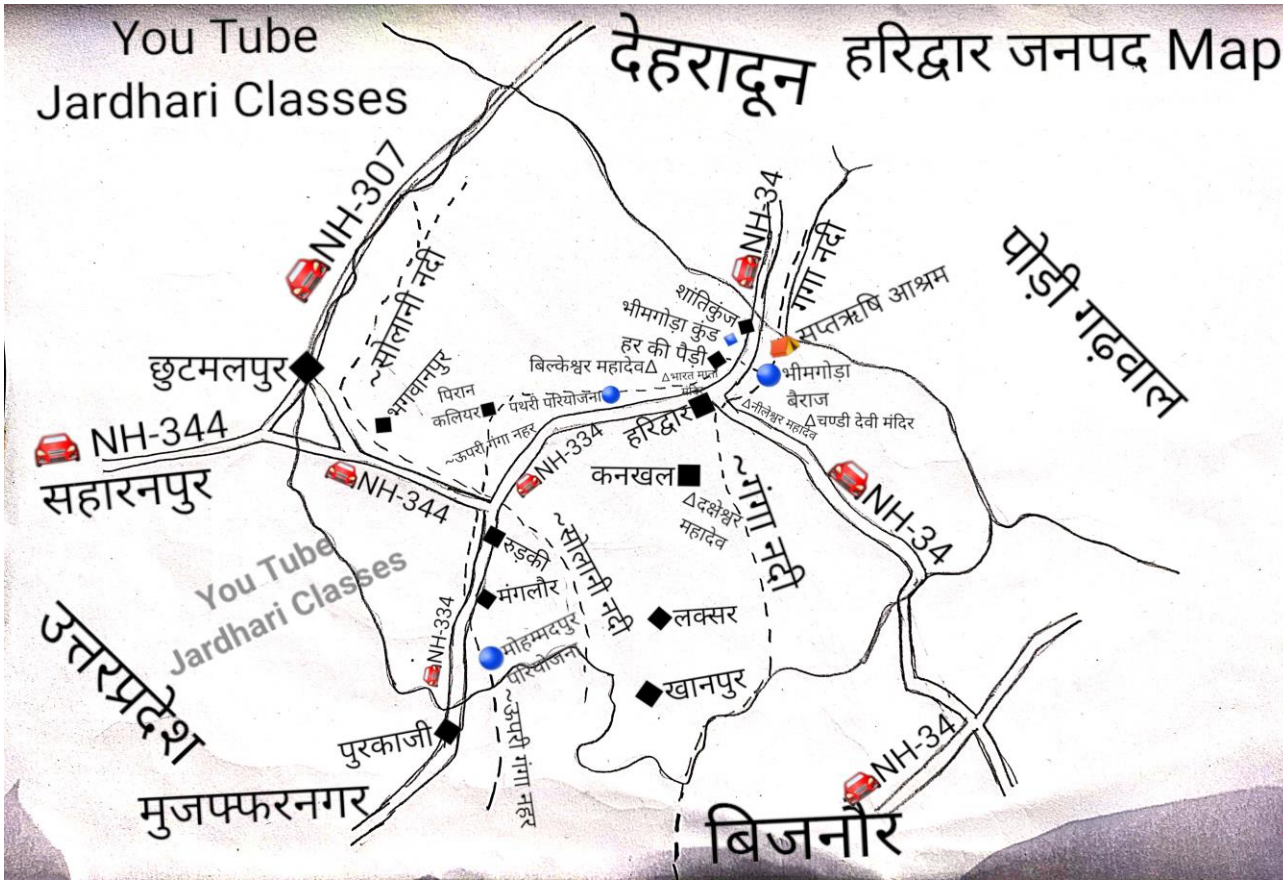

नदी तंत्र/परियोजनाएँ/ प्रमुख कुंड

गंगा नदी-

- गंगा नदी हरिद्वार में प्रवेश कर हर की पोड़ी नामक स्थान पर पहुंच जाती है
- हर की पोड़ी के पश्चात गंगा नदी मैदानी क्षेत्र में प्रवेश करती है।
- हर की पोड़ी के निकट भीमगोड़ा परियोजना गंगा नदी पर बना हुआ है यहाँ से ऊपरी गंगा नहर निकलती है
- ऊपरी गंगा नहर रुड़की से होकर मुज्जफरनगर(UP) जिले में निकलती है
- गंगा नदी हरिद्वार से बाहर निकलर उत्तरप्रदेश के बिजनोर जनपद में सर्वप्रथम पहुँचती है

2.सोलानी नदी- रुड़की इसी नदी के तट पर स्थित है

हरिद्वार में स्थित प्रमुख जल विद्युत परियोजनाएँ

1.भीमगोड़ा परियोजना-

- यह परियोजना गंगा नदी पर बनी हुई है
- भीमगोड़ा परियोजना हर की पोड़ी के निकट स्थित है
- इसी परियोजना से ऊपरी गंगा नहर निकलती है

2.पथरी जल विद्युत परियोजना- यह परियोजना हरिद्वार में ऊपरी गंगा नहर पर बनी हुई है

3.मोहम्मदपुर परियोजना- यह परियोजना भी ऊपरी गंगा नहर पर बनी हुई है

हरिद्वार में स्थित प्रमुख कुंड

1.भीमगोड़ा कुंड(भीमकुण्ड) - इस कुंड में एक सुरंग द्वारा गंगा नदी का जल पहुँचता है

2.सती कुंड- यह कुंड हरिद्वार के कनखल में स्थित है

3.ब्रह्म कुंड- हर की पोड़ी में स्थित

प्रमुख नहर-

1.ऊपरी गंगा नहर -

निर्माण - 1842 - 54

यह नहर हर की पोड़ी(हरिद्वार) ले निकट भीमगोड़ा बैराज से निकलती है

ऊपरी गंगा नहर से 3 मुख्य शाखाएं निकलती है-

1.देवबंद शाखा नहर

2.अनूपशहर शाखा शहर

3.माठ शाखा

2.पूर्वी गंगा नहर -

यह नहर हरिद्वार में भीमगोड़ा बैराज के बायीं और से निकलती है

सिंचाई क्षेत्र - हरिद्वार, बिजनौर, मुरादाबाद

हरिद्वार में स्थित प्रमुख संस्थान

1.Central Building Research Institute(CBRI)- केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान

स्थापना- 1947

स्थित- रुड़की(हरिद्वार)

उदेश्य- भवन निर्माण के सभी क्षेत्रों में आने वाली समस्या का समाधान करना

2.भारतीय प्रोधोगिकी संस्थान(Indian Institute Of Technology)- IIT

स्थापना- 1847

- यह भारत का सबसे पुराना इंजीनियरिंग कॉलेज है
- 21 सितम्बर 2001 को इस संस्थान को IIT का दर्जा दिया गया

3.गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय-

स्थापना- 1902 में हरिद्वार में

संस्थापक- स्वामी श्रद्धानंद

- इस विश्वविद्यालय की सर्वप्रथम स्थापना 1900 में पंजाब के गुजरांवाला में की गयी
- 1902 में इसे हरिद्वार स्थापित किया गया
- इस विश्वविद्यालय में भारतीय दर्शन, भारतीय संस्कृति एवं साहित्य के साथ साथ आधुनिक विषयों का अध्ययन किया जाता है।
- 1965 में इसे विश्व विद्यालय(डीम्ड यूनिवर्सिटी) का दर्जा दिया गया

4.राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान-

- यह संस्थान रुड़की में स्थित है
- इसकी स्थापना 1978 में हुई

5.उत्तराखंड लोक सेवा आयोग(UKPSC)-

6.उत्तराखंड संस्कृत अकादमी

7.उर्दू-फारसी अकादमी

8.उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय

9.गन्ना अनुसंधान केंद्र

प्रशासनिक ढांचा

लोकसभा क्षेत्र- हरिद्वार

विधानसभा क्षेत्र- हरिद्वार में 11 विधानसभा क्षेत्र हैं

1.रुड़की 2.लक्सर 3.खानपुर 4.मंगलोर 5.पिरान कलियर
6.हरिद्वार 7.हरिद्वार ग्रामीण 8.भेल रानीपुर
9.जवालपुर(SC) 10.झबरेड़ा(SC)
11.भगवानपुर(SC)

विकासखंड- हरिद्वार में 6 विकासखंड है
1.बहादराबाद 2.रुड़की 3.भगवानपुर 4.नारसन 5.लक्सर 6.खानपुर

तहसील- हरिद्वार में 4 तहसील हैं
1.हरिद्वार 2.रुड़की 3.भगवानपुर 4.लक्सर

जनसंख्या- 1890422
जनघनत्व- 801
लिंगानुपात- 880
साक्षरता- 73.43%
पुरूष साक्षरता- 81.04%
महिला साक्षरता- 64.79%

JARDHARI CLASSES

हरिद्वार जनपद MCQ

Q1.हरिद्वार जनपद की स्थापना कब हुई
A.1987
B.1988
C.1986
D.1990

Ans- B

Q2.ऊपरी गंगा नहर का जनक किसे कहा जाता है
A.लार्ड हार्डिंग
B.लार्ड डलहौजी
C.लार्ड कैनिंग
D.पी टी काटले

Ans- D

Q3.दक्षेश्वर महादेव मंदिर हरिद्वार में कहाँ पर स्थित है
A.नील पर्वत पर
B.बिल्ब पर्वत पर
C.कनखल
D.रुड़की

Ans- C

Q4.शांति कुंज को जाना जाता है
A.विष्णु तीर्थ
B.गायत्री तीर्थ
C.गऊ घाट
D.कुशावर्त तीर्थ

Ans- B

Q5.रुड़की कौन सी नदी के तट पर बसा हुआ है
A.यमुना
B.सोलानी
C.सोनल नदी
D.गंगा

Ans- B

Q6.भीमगोड़ा परियोजना कहाँ पर स्थित है
A.हर की पोड़ी
B.कनखल
C.रुड़की
D.कलियर

Ans- A

Q7.एशिया के प्रथम इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की गयी
A.1846
B.1847
C.1848
D.1849

Ans- B

Q8.गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय की स्थापना किसके द्वारा की गयी
A.स्वामी सत्यमित्रानंद
B.स्वामी श्रद्धानंद
C.गुरु अमर देव
D.गुरु हर्षाचार्य

Ans- B

Q9.हरिद्वार जनपद से निम्न में से कौन सीमा नहीं बनाता है
A.देहरादून
B.उत्तर प्रदेश
C.पोड़ी
D.उधम सिंह नगर

Ans- D

Q10.उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के वर्तमान अध्यक्ष हैं
A.आनंद रावत
B.राकेश कुमार
C.एन पी नवानी
D.महेश कुमार

Ans- B

उत्तराखंड जिला दर्शन

Q11.हर की पैड़ी में निम्न में से कौन सा कुंड स्थित है
A.सती कुंड
B.भीमगोड़ा कुंड
C.ब्रह्म कुंड
D.कुशावर्त कुंड

Ans- C

Q12.उर्स मेला कहाँ आयोजित किया जाता है
A.रुड़की
B.कनखल
C.पिरान कलियर
D.हर की पैड़ी

Ana- C

Q13.भारत माता मंदिर की ऊंचाई है
A.180 फीट
B.182 फीट
C.185 फीट
D.188 फीट

Ans- A

Q14.ऊपरी गंगा नहर कहाँ से निकली हुई है
A.मोहम्मदपुर परियोजना
B.पथरी परियोजना
C.भीमगोड़ा परियोजना
D.इनमें से कोई नहीं

Ans- C

Q15.हरिद्वार जनपद में कुल कितने विधानसभा क्षेत्र हैं
A.9
B.10
C.11
D.12

Ans- C

Q16.मोहमदपुर परियोजना है
A.गंगा नदी पर
B.ऊपरी गंगा नहर पर
C.पूर्वी गंगा नहर पर
D.सोलानी नदी पर

Ans- B

Q17.हरिद्वार में केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान की स्थापना कब हुई
A.1946
B.1947
C.1948
D.1847

Ans- B

Q18.निम्न में से हरिद्वार में कौन सा एक मंदिर नहीं है
A.भारत माता मंदिर
B.माया देवी मंदिर
C.चंडी देवी मंदिर
D.अनुसूइया देवी मंदिर

Ans- D

Q19.ऊपरी गंगा नहर का उद्घाटन किसने किया
A.लार्ड हार्डिंग
B.लार्ड डलहौजी
C.लार्ड कैनिंग
D.पी टी काटले

Ans- B

Q20.हरिद्वार जनपद में कितनी विधनसभा सीटें SC हेतु आरक्षित हैं
A.4
B.2
C.3
D.5

Ans- C

JARDHARI CLASSES

उत्तराखंड जिला दर्शन

Q21.प्रसिद्ध सूफी संत अल्लाउद्दीन अल्ली अहमद साबिर की दरगाह कहाँ स्थित है
A.रुड़की
B.पिरान कलियर
C.हरिद्वार
D.कनखल

Ans- B

Q22.पूर्वी गंगा नहर कहाँ से निकाली गयी है
A.मोहमदपुर बैराज
B.भीमगोड़ा बैराज
C.पथरी सुपर पैसेज
D.ढालीपुरा बैराज

Ans- B

Q23.राज्य में सर्वाधिक जनघनत्व वाला जनपद है
A.पोड़ी
B.देहरादून
C.हरिद्वार
D.टिहरी

Ans- C

Q24.ऊपरी गंगा नहर उत्तरप्रदेश के किस जिले में सर्वप्रथम प्रवेश करती है
A.मुज्जफरनगर
B.बिजनोर
C.सहारनपुर
D.शामली

Ans- A

Q25. रुड़की इंजीनियरिंग कॉलेज को IIT का दर्जा दिया गया
A.1998
B.2000
C.2001
D.1009

Ans- C

Q26.सहारनपुर से रुड़की को कौन सा राष्ट्रीय राजमार्ग जोड़ता है
A.NH – 34
B.NH - 334
C.NH – 344
D.NH - 91

Ans- C

Q27.स्कंद पुराण में हरिद्वार को कहा गया है
A.खाण्डव वन
B.विष्णु का द्वार
C.मायापुरी
D.गंगा द्वार

Ans- C

Q28.उत्तराखंड संस्कृत अकादमी कहाँ है
A.देहरादून
B.पौड़ी
C.हरिद्वार
D.ऋषिकेश

Ans- C

Q29.निम्न में से हरिद्वार में कौन सी परियोजना स्थित नहीं है
A.भीमगोड़ा परियोजना
B.पथरी जल विद्युत परियोजना
C चुन्नी सेमी परियोजना
D.मोहम्मदपुर परियोजना

Ans- C

Q30.सती कुंड कहाँ पर स्थित है
A.हर की पैड़ी
B.कनखल
C रुड़की
D.कलियर

Ans- B

JARDHARI CLASSES

उत्तराखंड जिला दर्शन

Q31.2011 की जनगणना के अनुसार उत्तराखंड के किस जनपद का जनघनत्व सर्वाधिक है

A.नैनीताल
B.देहरादून
C.उधम सिंह नगर
D.हरिद्वार

Ans- D

Q32.2011 की जनगणना के अनुसार हरिद्वार का लिंगानुपात है

A 880
B.902
C.920
D.1139

Ans- A

उत्तराखंड जिला दर्शन

पौड़ी गढ़वाल जनपद

पौड़ी गढ़वाल इतिहास

- पौड़ी गढ़वाल भी गढ़वाल के परमार वंश के अधीन था
- गढ़वाल वंश के शासक अजयपाल ने पहले देवलगढ़ व उसके बाद श्रीनगर को परमार वंश की राजधानी बनाया
- अजयपाल से लेकर प्रधुम्न शाह (1804) तक गढ़वाल के परमार वंश की राजधानी श्रीनगर रही
- 1804-1815 तक इस क्षेत्र में गोरखाओं ने शासन किया
- 1815 में यह क्षेत्र अंग्रेजों के अधीन आ गया अंग्रेजों ने ब्रिटिश गढ़वाल का मुख्यालय श्रीनगर को बनाया
- 1804 मैं अंग्रेजों ने ब्रिटिश गढ़वाल का मुख्यालय श्रीनगर से पौड़ी लाया व पौड़ी गढ़वाल नए जनपद के रूप में 1840 में गठित हुआ
- 1969 में गढ़वाल मंडल का गठन हुआ जिसका मुख्यालय पोड़ी बनाया गया

स्थापना - 1840 में ब्रिटिश गढ़वाल का जिला
मुख्यालय - पोड़ी गढ़वाल

भौगोलिक स्थिति

पूर्व - अल्मोड़ा नैनीताल
पश्चिम - हरिद्वार देहरादून
उत्तर - टिहरी रुद्रप्रयाग चमोली
दक्षिण - उत्तर प्रदेश
पौड़ी जनपद उत्तराखंड के सर्वाधिक 7 जनपदों से सीमा बनाता है
क्षेत्रफल - 5329 वर्ग किलोमीटर

राष्ट्रीय राजमार्ग -
NH 534 - मेरठ - बिजनोर - नजीबाबाद - कोटद्वार पोड़ी
NH 309 - रामनगर (नैनीताल) - थलीमैण - पाबो

उत्तराखंड जिला दर्शन

पौड़ी जनपद के पर्यटक स्थल

1. कोटद्वार -

- कोटद्वार को गढ़वाल का प्रवेश द्वार कहा जाता है ।
- कोटद्वार खोह नदी के निकट बसा है
- कोटद्वार के निकट मोरध्वज का किला है
- कोटद्वार को 1951 में नगर पालिका बनाया गया व 2017 में कोटद्वार को नगर निगम बनाया गया(नोट- कोटद्वार उत्तराखंड का 8वां नगर निगम है)
- कोटद्वार को पहले खोहद्वार भी कहते थे यानी खोह नदी का प्रवेश द्वार
- कोटद्वार में पौड़ी गढ़वाल का एकमात्र रेलवे स्टेशन है जिसकी स्थापना ब्रिटिश काल में(1899-90) हुई
- कोटद्वार को अब कण्व नगरी के नाम से जाना जाएगा ।

2. श्रीनगर -

- स्थापना - 1358 (कनिघम के अनुसार) श्रीनगर का पुराना नाम श्री क्षेत्र था
- 1517 अजयपाल ने श्रीनगर को गढ़वाल की राजधानी बनाया
- अजयपाल से लेकर 1804 (प्रधुम्न शाह)तक 1804- 1815 तक यहाँ गोरखा का शासन रहा
- श्यामशाह ने राजधानी श्रीनगर में सामसाही बागानी का निर्माण कराया।
- 1625ई० में महिपत शाह ने श्यामशाह के शासन काल में श्रीनगर गढ़वाल में केशोरायमठ मंदिर का निर्माण करवाया
- 1815 में यहाँ अंग्रेजों का अधिकार हो गया
- 1839 को कुमाऊँ कमिश्नरी में पृथक गढ़वाल जनपद गठित किया गया जिसका मुख्यालय श्रीनगर बनाया गया
- 1840 में ब्रिटिश गढ़वाल का मुख्यालय श्रीनगर से हटाकर पोड़ी गढ़वाल में स्थानांतरित किया गया
- 1973 में गढ़वाल विश्विद्यालय की स्थापना हुई
- 1989 में गढ़वाल विश्वविद्यालय का नाम हेमवतीनंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय किया गया
- 15 जनवरी 2009 को इसे केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त हुआ व श्रीनगर के सुमाड़ी में 2009 में NIT (नेशनल इस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी)की स्थापना की गयी
- श्रीयंत्र टापू श्रीनगर में स्थित है
- कमलेश्वर मन्दिर श्रीनगर में स्थित है
- श्रीनगर में मोलाराम चित्र संग्रहालय स्थित है
- उच्च स्थलीय पौध शोध संस्थान श्रीनगर में स्थित है
- **शंकरमठ** - भगवान विष्णु व लक्ष्मी को समर्पित शंकराचार्य द्वारा स्थापित अलकनंदा नदी पर स्थित है
- 31 दिसंबर 2021 को श्रीनगर गढ़वाल को 9वां नगर निगम बनाया गया

उत्तराखंड जिला दर्शन

3. कण्वाश्रम -

- कोटद्वार से 14 किलोमीटर दूर
- कवणाश्रम हेमकूट व मणिकूट पर्वतों में मध्य बसा हुआ प्राचीन विद्यापीठ है
- कवणाश्रम मालिनी नदी के तट पर बसा हुआ है
- कवणाश्रम में महाकवि कालिदास ने अभिज्ञान शांकुतलम की रचना की
- कवणाश्रम दुष्यन्त व शकुंतला का प्रणय स्थल है
- कवणाश्रम का वर्तमान नाम चौकाघाट है
- महाकवि कालिदास ने कवणाश्रम को किसलय प्रदेश कहा

4.देवलगढ़ -

- देवलगढ़ को कांगड़ा के राजा देवल ने बसाया था
- अजयपाल ने श्रीनगर से पहले देवलगढ़ को परमार वंश की राजधानी बनाया था
- देवलगढ़ में राज राजेश्वरी मंदिर स्थित है

5.लैंसडौन -

- लैंसडौन का पुराना नाम कालोडांडा था
- 4 नवंबर 1887 को ब्रिटिश सरकार ने लैंसडौन में छावनी की स्थापना की
- 1890 में कालोडांडा का नाम बदलकर वायसराय लार्ड लैंसडोन के नाम पर लैंसडोन रखा गया
- लैंसडोन में गढ़वाल रेजीमेंट का मुख्यालय है
- टिफिन टॉप लैंसडौन में स्थित है

6.खिर्सू- खिर्सू पोड़ी जनपद का प्रसिद्ध हिल स्टेशन है

7.दुगड्डा

- पंडित धनिराम मिश्र ने दुगड्डा नगर को बसाया
- यह खोह नदी के किनारे बसा हुआ है
- सन 1930 मे पं. जवाहरलाल नेहरू पहली बार दुगड्डा पधारे थे ।वह दूसरी बार 1945 मे आए ।

पौड़ी जनपद के प्रमुख मंदिर

1.कमलेश्वर महादेव मंदिर -

- यह मंदिर श्रीनगर गढ़वाल में स्थित है
- मान्यताओं के अनुसार रावण का वध कर भगवान श्री राम ने ब्रह्महत्या पाप से मुक्ति के लिये यहाँ पर शिव की आराधना की थी

2.कोट महादेव मंदिर(बाल्मीकेश्वर महादेव)

- यह मंदिर पौड़ी गढ़वाल के सीतोनस्यूं पट्टी में स्थित है
- यहाँ पर महर्षि वाल्मीकि की तपस्थली है
- सीतोनस्यूं पट्टी के देवल गाँव मे लक्ष्मण जी का प्राचीन मंदिर है

JARDHARI CLASSES

उत्तराखंड जिला दर्शन

3.दंगलेश्वर महादेव मंदिर-

- यह मंदिर पौड़ी जनपद के सतपुली में नयार नदी के तट पर स्थित है

4.एकेश्वर महादेव मंदिर-

- यह मंदिर सतपुली से 20 km दूर स्थित है
- इस मंदिर को स्थानीय भाषा में इगासार महादेव मंदिर भी कहा जाता है

5.तारकेश्वर महादेव मंदिर - यह मंदिर लैंसडौन से 36 KM दूर स्थित है

6.बिन्सर महादेव मंदिर- पौड़ी के थलीसैण में

7.क्यूंकालेश्वर महादेव मंदिर

8.आदेश्वर महादेव मंदिर

9.कालेश्वर महादेव मंदिर

10.राजराजेश्वरी मंदिर-

- यह मंदिर देवलगढ़ में स्थित है
- राजराजेश्वरी मंदिर गढ़वाल के परमार वंश की कुलदेवी थी

11.सिद्धबली मंदिर-

- कोटद्वार से 3 KM दूर कोटद्वार - पौड़ी राजमार्ग पर सिद्धबली मंदिर स्थित है
- सिद्धबली मंदिर हनुमान जी को समर्पित है

12.ज्वाल्पा देवी मंदिर-

- यह मंदिर पौड़ी-कोटद्वार राजमार्ग पर स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठों में से एक है

13.धारी देवी मंदिर-

- यह मंदिर श्रीनगर से 14 km दूर अलकनंदा नदी के तट पर कलियासोड़ में स्थित है

JARDHARI CLASSES

पौड़ी जनपद के प्रसिद्ध मेले

1) बैकुण्ठ चतुर्दशी मेला-

- यह मेला पोड़ी जिले के श्रीनगर गढ़वाल में कमलेश्वर मन्दिर में प्रतिवर्ष बैकुण्ठ चतुर्दशी को लगता है।
- कमलेश्व मन्दिर में दंपति रात भर हाथ मे दिया लिये संतान प्राप्ति हेतु पूजा अर्चना करते हैं।
- इस मंदिर में भगवान राम ने रावण को मारने के बाद पूजा की थी।

2).गिन्दी मेला(गेंदी मेला)-

- यह मेला मकर सक्रांति के अवसर पर पोड़ी जनपद के यमकेश्वर ब्लॉक में डांडामंडी में 'भटपूड़ी देवी' के मंदिर में लगता है।
- इस मेले में गेंद के लिये छीना झपटी होती है जो पक्ष गेंद को छीनने में सफल होता है वह विजयी होता है।

उत्तराखंड जिला दर्शन

3).दनगल मेला-
यह मेला पोड़ी जनपद के सतपुली के पास दनगल के शिव मंदिर में प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि को लगता है।

4.मनसार मेला(मंसार मेला)-
इस मेले का आयोजन पौड़ी जनपद के सीतोन्सयूँ पट्टी के फलस्वाड़ी व देवलगढ़ गाँव में किया जाता है

5.सिद्धबली मेला- यह मेला कोटद्वार में खोह नदी के तट पर आयोजित किया जाता है

6.बूंखाल मेला-
यह मेला पौड़ी गढ़वाल जनपद के थलीसैंण विकासखंड के बूंखाल में कालिंका माता मंदिर में लगता है

7.नीलकंठ मेला
8.क्यूंकालेश्वर मेला
9.ज्वाल्पा धाम मेला
10.एकेश्वर मेला

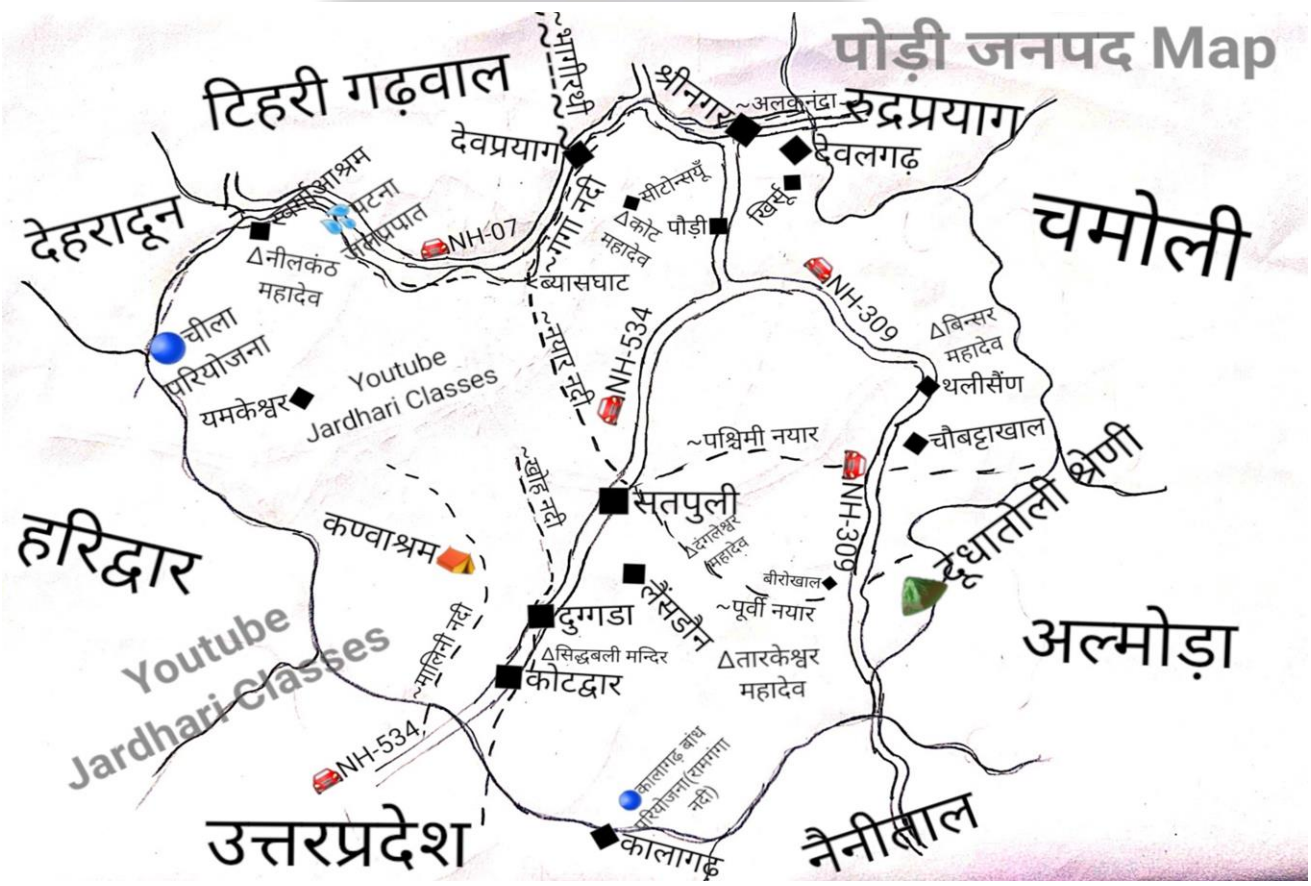

उत्तराखंड जिला दर्शन

पौड़ी जनपद नदी तंत्र/ परियोजनाएँ/ जलप्रपात/ कुंड

1.नयार नदी - नयार नदी दो नदियों से मिलकर बनती है

पूर्वी नयार- उद्गम दुधतोली श्रेणी की जखमोलीधार श्रेणी से

पूर्वी नयार पर दुनाब परियोजना(बीरोखाल में) है

पश्चिमी नयार- दुधतोली श्रेणी की उत्तर पश्चिमी ढाल से

पूर्वी नयार व पश्चिमी नयार का संगम सतपुली के निकट होता है व यहाँ से नयार नदी आगे बढ़ती हुई ब्यास घाट में गंगा से संगम करती है

2.पश्चिमी रामगंगा-

उद्गम- दुधतोली श्रेणी से

पश्चिमी रामगंगा कालागढ़ नामक स्थान से राज्य की बाहर निकल जाती है

पश्चिमी रामगंगा पर कालागढ़ बांध परियोजना स्थित है

3.मालिनी नदी - यह नदी कण्वाश्रम के निकट से बहती है

4.खोह नदी-

खोह नदी दो नदियों लंगूरगाढ़ व सिलगाढ़ से मिलकर बनती है ये दोनों नदी दुग्गडा के निकट मिलकर आगे खोह नदी के नाम से जानी जाती है

खोह नदी कोटद्वार के निकट से बहते हुए उत्तरप्रदेश के धामपुर में पश्चिमी रामगंगा में मिल जाती है

पौड़ी जनपद की प्रमुख जल विद्युत परियोजनाएँ

1.चीला परियोजना- गंगा नदी

2.श्रीनगर जल विद्युत परियोजना - अलकनंदा नदी

3.उत्यांसू बांध परियोजना - अलकनंदा

4.कालागढ़ बांध परियोजना - पश्चिमी रामगंगा

5.दुजाऊ परियोजना - पश्चिमी नयार

6.दुनाब परियोजना - पूर्वी नयार

पोड़ी जनपद में जलप्रपात-

1.पटना जलप्रपात - यह जलप्रपात ऋषिकेश में पौड़ी गढ़वाल जनपद के क्षेत्र में गंगा नदी के तट पर स्थित है

कुंड- तारा कुंड

वन्य जीव विहार

सोनानदी वन्य जीव विहार-

- स्थापना- 1987
- स्थित- पोड़ी गढ़वाल
- क्षेत्रफल- 301 वर्ग Km
- वन्यजीव- हाथी,शेर,गुलदार,सांभर,सियार, अजगर ,हॉर्नबिल आदि

JARDHARI CLASSES

उत्तराखंड जिला दर्शन

प्रमुख संस्थान-

वीर चंद्रसिंह गढ़वाली औद्यानिकी एवं वानिकी विश्विद्यालय-
स्थापना- 2011(भरसार पौड़ी)

हेमवंती नंदन बहुगुणा गढवाल विश्विद्यालय-

- स्थापना- 1973
- 2009 को गढवाल विश्विद्यालय को केंद्रीय विश्विद्यालय का दर्जा दिया गया
- तीन परिसर-
- Birla Campus Srinagar
- BGR Campus Pauri garhwal
- SRT Campus Tehri garhwal

गोविंद वल्लभ पंत इंजीनियरिंग कॉलेज- घुड़दौड़ी(पौड़ी)

वीर चंद्रसिंह गढ़वाली राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर गढवाल
स्थापना- 2008

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान(NIT)- श्रीनगर गढ़वाल
स्थापना- 2009

Higher Altitude Plant Physiology Research Center (HAPPRC)-

- स्थापना -1979
- स्थितश्रीनगर गढ़वाल -
- उद्देश्य उच्च ऊंचाई पर पाये जाने वाले पौधों में -Phisiologycal अनुकूल पर रिसर्च व लुप्त प्रायः प्रजातियों का संरक्षण करना

उच्च स्थलीय पौध शोध संस्थान-श्रीनगर गढ़वाल

संग्रहालय-
मोलाराम चित्र संग्रहालय- श्रीनगर
दरबान सिंह संग्रहालय – लैंसडाउन
हेमवंती नंदन बहुगुणा राजकीय संग्रहालय- बुघाणी(पौड़ी गढ़वाल)

JARDHARI CLASSES

उत्तराखंड जिला दर्शन

प्रमुख व्यक्ति

चंद्रसिंह गढ़वाली

जन्म - 25 दिसम्बर 1891 पौड़ी

पिता- जलोथ सिंह भंडारी

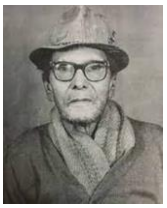

- 3 सितम्बर 1914 को चंद्र सिंह भंडारी सेना में भर्ती हुए
- 1915 में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान फ्रांस भेजा गया
- 1917 में चंद्रसिंह ने अंग्रेजों की और से मेसापोटामिया युद्ध में भाग लिया
- 1918 में बगदाद की लड़ाई में हिस्सा लिया
- 23 अप्रैल 1930 पेशावर कांड नामक घटना घटी
- निहत्थे अफगानों पर कैप्टन रिकेट् ने गोली चलाने का आदेश दिया
- चंद्र सिंह गढ़वाली ने निहत्थे अफगान पठानों पर गोली चलाने से इनकार कर दिया
- चंद्रसिंह गढ़वाली पर राजद्रोह का मुकदमा चलाया गया इनके केस की पैरवी बैरिस्टर मुकंदी लाल ने की
- 1930 में इन्हें 14 साल की कारावास के लिये एबटाबाद जेल भेजा गया
- 26 सितम्बर 1941 को 11 साल 63 महीने 18 दिन की सजा पूरी करने के बाद इन्हें रिहा कर दिया गया
- 1979 में वीर चंद्रसिंह गढ़वाली का निधन हो गया

महत्वपूर्ण तथ्य-

- मोतीलाल नेहरू ने पेशावर कांड से प्रभावित होकर सम्पूर्ण देश में 23 अप्रैल को गढ़वाल दिवस मनाने की घोषणा की
- 23 अप्रैल को चंद्रसिंह गढ़वाली कि स्मृति में क्रांति दिवस मनाया जाता है
- 23 अप्रैल 1994 में इनके नाम पर डाक टिकट जारी किया गया
- दूधातोली के कोदियाबगड में वीर चंद्र सिंह गढ़वाली का समाधि स्थल है
- 1 जून 2002 को वीर चंद्रसिंह गढवाल पर्यटन स्वरोजगार योजना शुरू की गई

हेमवतीनंदन बहुगुणा

जन्म - 25 अप्रैल 1919 बुधाड़ी गांवपौड़ी) (गढ़वाल

मृत्यु - 17 मार्च 1989 अमेरिका

पिता - रेवती नंदन

माता - दीपा देवी

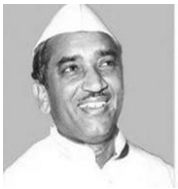

- हेमवंती नंदन बहुगुणा 1942के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ गए
- 1952 में सर्वप्रथम विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए
- 8 नवंबर 1973 को उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री बने
- 1977 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से बगावत कर नई पार्टी कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी पार्टी बनाई

- वर्ष 1977 में केंद्रीय मंत्रिमंडल में पेट्रोलियम, रसायन तथा उर्वरक मंत्री रहे
- 1979 में केंद्रीय वित्त मंत्री बने
- 1984 में लोकदल के उम्मीदवार के रूप में अमिताभ बच्चन के विरुद्ध इलाहाबाद से विधानसभा का चुनाव लड़ा व एक लाख 87 हजार वोट से चुनाव हार गए
- 17 मार्च 1989 में हेमवंती नंदन बहुगुणा का लम्बी सर्जरी के बाद अमेरिका में निधन हो गया
- अप्रैल 1989 में गढवाल विश्विद्यालय का नाम हेमवंती नंदन बहुगुणा गढवाल विश्वविद्यालय किया गया

तीलू रौतेली(तिलोत्तमा देवी)

जन्म - 8 अगस्त 1661 ग्रामगुराड़ (पौड़ी - (गढ़वाल

पिता - भूमसिंह

माता - मैणावती रानी

भाई - भगतू व पत्वा

- तीलू रौतेली को गढवाल की लक्ष्मीबाई भी कहा जाता है
- तीलू रौतेली की घोड़ी का नाम बिंदुली -
- 15-20 वर्ष की आयु में सात युद्ध लड़ने वाली तीलू रौतेली सम्भवतः विश्व की एकमात्र वीरांगना है
- तीलू रौतेली के समय कत्यूरी शासक धामदेव था
- कत्यूरी शासक धामदेव ने खैरागढ़ किले पर आक्रमण किया औऱ यह किला गढवाल की सीमा के अन्तर्गत आता था
- गढवाल नरेश ने तीलू रौतेली के पिता भूमसिंह को खैरागढ़ किले की जिम्मेदारी सौंपी
- तीलू के पिता व उसके दो भाई रणभूमि में शहीद हो जाते हैं
- तीलू रौतेली अपने पिता व भाइयों की मौत का प्रतिशोध कत्यूरियों से लेती है

निधन - पूर्वी नयार नदी में स्नान करते समय रामु रजवार नाम का एक कत्यूरी सैनिक ने तीलू रौतेली पर धोके से हमला वार करता है और तीलू रौतेली का निधन हो जाता है

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

तीलू रौतेली पुरस्कार -

शुरुआत -2006

उत्तराखंड राज्य सरकार उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को तीलू रौतेली पुरस्कार से प्रतिवर्ष सम्मानित करती हैं

वर्ष 2021 में तीलू रौतेली पुरस्कार से 22 महिलाओं को सम्मानित किया गया

तीलू रौतेली विशेष पेंशन योजना -

लागू -1 अप्रैल 2014

टिंचरी माई(इच्छागिरी माई)

वास्तविक नाम - दीपा नोटियाल

जन्म - 1917 मन्ज्यूर गांवथलीसैंण पौड़ी) (गढ़वाल

- उत्तराखंड में पाखंडी साधु व बाबाओं के खिलाफ मोर्चा खोला
- उत्तराखंड में नशामुक्ति आंदोलन चलाया
- **निधन** - 17 जून 1993

उत्तराखंड जिला दर्शन

अनिल प्रकाश जोशी

अनिल प्रकाश जोशी पर्यावरणविद व समाजसेवी हैं
अनिल जोशी का जन्म स्थान पौड़ी जनपद के कोटद्वार में हुआ।
अनिल प्रकाश जोशी जी ने हैस्को (HESCO) की स्थापना 1979 में की
वर्ष 2006 में पद्मश्री सम्मान प्राप्त हुआ।
वर्ष 2020 में उन्हें पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया

हर्षवन्ती बिष्ट-

- हर्षवन्ती बिष्ट पोड़ी गढ़वाल के बीरोखाल की है
- हर्षवन्ती बिष्ट पर्वतारोही है
- 1981 में नंदा देवी पर्वत का सफल आरोहण
- 1984 में एवरेस्ट अभियान दल की सदस्य
- 1981 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित
- डॉ हर्षवन्ती बिष्ट IMG की पहली महिला अध्यक्ष चुनी गयी

समसामयिक घाटना

डॉ अनिल प्रकाश जोशी को पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया

- डॉ अनिल प्रकाश जोशी हिमालयी पर्यावरण अध्ययन और संरक्षण संगठन(HESCO) के संस्थापक हैं
- HESCO - Himalayi environment study and conservation organization
- डॉ अनिल प्रकाश जोशी को अब तक निम्न अवार्ड से समानित किया गया है
  1999 में जवाहर लाल नेहरू अवार्ड
  2002 में मैन ऑफ द ईयर
  2006 में पद्मश्री अवार्ड
  2020 में पद्म भूषण पुरस्कार

उत्तराखंड की पहली महिला विधानसभा अध्यक्ष -

- उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल के राधाबल्लभ पुरम गांव की रितु खंडूरी भूषण को उत्तराखंड में निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष घोषित कर दिया गया
- प्रोटेम स्पीकर बंशीधर भगत ने इसकी घोषणा की.
- इनके पिता बीसी खंडूरी 2007 से 2009 और फिर 2011 से 2012 के बीच उत्तराखंड के मुख्यमंत्री रहेवह . .और केंद्रीय मंत्री भी रहे सांसद

JARDHARI CLASSES

उत्तराखंड जिला दर्शन

उत्तराखंड का 9वां नगर निगम – श्रीनगर गढ़वाल

- उत्तराखंड शासन ने 31 दिसंबर 2021 को नगर पालिका श्रीनगर को उच्चीकृत करते हुए नगर निगम बना दिया
- नगर निगम श्रीनगर में 21 क्षेत्रों को शामिल किया गया है
- उत्तराखंड में अब 9 नगर निगम हैं -1. देहरादून, 2.हल्द्वानी, 3.हरिद्वार, 4.रुद्रपुर, 5.काशीपुर, 6.रुड़की, 7.ऋषिकेश 8.कोटद्वार 9.श्रीनगर

प्रशासनिक ढांचा

लोकसभा- पौड़ी गढ़वाल

विधानसभा क्षेत्र - 6

1.पौड़ी (sc) 2.श्रीनगर 3.यमकेश्वर 4. लैंसडौन
5.कोटद्वार 6.चौबट्टाखाल

विकासखंड - 15

1.पोड़ी 2.खिर्सू 3.कोट 4. पाबौ
5.कजज्जीखाल 6.जहरीखाल 7.नैनीडांडा 8. द्वारीखाल 9. रिखणीखाल 10. बोरोखाल
11.एकेश्वर 12. थलीसैंण 13. पोखरा 14. दुगड्डा 15. यमकेश्वर

तहसील - 12

1. पौड़ी 2. कोटद्वार 3.लैंसडौन
4. श्रीनगर 5.थलीसैंण 6.सतपुली 7. धूमाकोट 8.चौबट्टाखाल
9 यमकेश्वर. 10. बोरीखाल 11.चाकीसैण 12. जाखणीखाल

जनसंख्या - 6,87,271
पुरूष - 326829
महिला - 360442
जनघनत्व - 129
लिंगानुपात- 1103
साक्षरता दर - 82.02%
पुरुष साक्षरता - 92.71%
महिला साक्षरता - 72.6%

JARDHARI CLASSES

पौड़ी गढ़वाल जनपद MCQ

Q1.कोटद्वार को नगर निगम कब बनाया गया
A.2012
B.2014
C.2016
D.2017

Ans- D

Q2.श्रीयंत्र टापू कहाँ स्थित है
A.कोटद्वार
B.देवप्रयाग
C.श्रीनगर
D.खिर्सू

Ans- C

Q3.अंग्रेजों ने ब्रिटिश गढ़वाल का मुख्यालय श्रीनगर से हटाकर पौड़ी कब स्थानान्तरित किया
A.1839
B.1840
C.1841
D.1940

Ans- B

Q4.निम्न में से कौन सी परियोजना पौड़ी जनपद में नही है
A.दुनाब परियोजना
B.उत्यांसू परियोजना
C.चीला परियोजना
D.छिरकीला परियोजना

Ans- D

Q5.श्रीनगर में केशोरायमठ का निर्माण किसने कराया
A.महिपत शाह
B.श्यामशाह
C.प्रदीप शाह
D.फतेह पति शाह

Ans- A

Q6.पौड़ी जनपद उत्तराखंड के कितने जनपदों से सीमा बनाता है
A.6
B.7
C.5
D.8

Ans- B

Q7.श्रीनगर में सामसाही बागान का निर्माण किसने किया
A.महिपत शाह
B.श्यामशाह
C.फतेहपति शाह
D.सोमशाह

Ans- B

Q8.नयार नदी गंगा नदी से किस स्थान पर संगम करती है
A.फूलचट्टी
B.सतपुली
C.स्वर्गाश्रम
D.ब्यासघाट

Ans- D

Q9.पटना जलप्रपात कहाँ है
A.मसुरी
B.श्रीनगर
C.ऋषिकेश
D.चकराता

Ans- C

Q10.गढवाल रेजिमेंट का मुख्यालय कहाँ है
A.पौड़ी
B.लैंसडोन
C.देहरादून
D.रानीखेत

Ans- B

JARDHARI CLASSES

उत्तराखंड जिला दर्शन

Q11.कण्वाश्रम कौन सी नदी के तट पर बसा हुआ है
A.खोह नदी
B.नयार नदी
C.मालिनी नदी
D.रामगंगा

Ans- C

Q12.केशोरायमठ कहाँ है
A.पौड़ी
B.कोटद्वार
C.श्रीनगर
D.घुड़दौड़ी

Ans- C

Q13.गढवाल मंडल का गठन कब हुआ
A.1967
B.1968
C.1969
D.1970

Ans- C

Q14.गढवाल विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा कब दिया गया
A.2001
B.2005
C.2007
D.2009

Ans- D

Q15.कालागढ़ बांध परियोजना कौन सी नदी पर बनी हुई है
A.पश्चिमी नयार
B.पश्चिमी रामगंगा
C.पूर्वी नयार
D.अलकनंदा

Ans- B

Q16.गोविंद वल्लभ पंत इंजीनियरिंग कॉलेज कहाँ है
A.सुमाड़ी पौड़ी
B.घुड़दौड़ी पौड़ी
C.भरसार पौड़ी
D.थलीसैण पौड़ी

Ans- B

Q17.सोननदी वन्य जीव विहार की स्थापना कब की गयी
A.1985
B.1987
C.1988
D.1989

Ans- B

Q18.कमलेश्वर महादेव मंदिर स्थित है
A.देवलगढ़
B.श्रीनगर
C.लैंसडोन
D.कोटद्वार

Ans- B

Q19.लैंसडाउन का प्राचीन नाम था
A.काल्ब डांडा
C.लैंसडांडा
C.कालोडांडा
D.इनमें से कोई नहीं

Ans- C

Q20.उत्तराखंड राज्य का घोषित आठवाँ नगर निगम
A.ऋषिकेश
B.कोटद्वार
C.रुद्रपुर
D.श्रीनगर

Ans- B

JARDHARI CLASSES

उत्तराखंड जिला दर्शन

Q21.कोटद्वार को किस नाम से जाना जाएगा
A.कोट नगर
B.खोह नगरी
C.कण्व नगरी
D.गढ़वाल द्वार

Ans- C

Q22.गढ़वाल विश्वविद्यालय की स्थापना कब हुई
A.1971
B.1972
C.1973
D.1975

Ans- C

Q23.उत्तराखंड राज्य का घोषित नवाँ नगर निगम
A.ऋषिकेश
B.कोटद्वार
C.रुद्रपुर
D.श्रीनगर

Ans- D

Q24.टिफिन टॉप कहाँ है
A.मसुरी
B.कोटद्वार
C.लैंसडाउन
D.श्रीनगर

Ans- C

Q25.निम्न में से पौड़ी जनपद में कौन सा कुंड है
A.वैतरणी कुंड
B.सती कुंड
C.तारा कुंड
D.नारद कुंड

Ans- C

Q26.प्रसिद्ध पर्यावरणविद व समाजसेवी अनिल प्रकाश जोशी जी को पद्मभूषण पुरस्कार से कब सम्मानित किया गया
A.2018
B.2019
C.2020
D.2021

Ans- C

Q27.तीलू रौतेली पेंशन योजना कब शुरू की गयी
A.1 जनवरी 2014
B.1 अप्रैल 2014
C.1 जून 2014
D.1 जुलाई 2014

Ans- B

Q28.नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी(NIT) कहाँ स्थित है
A.पौड़ी
B.कोटद्वार
C.लैंसडोन
D.श्रीनगर

Ans- D

Q29.उत्तराखंड का महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल ' खिर्सू ' किस जिले में आता है ?
A.टिहरी
B.पिथोरागढ़
C.पौड़ी
D.चमोली

Ans- C

JARDHARI CLASSES

Q30.वीर चन्द्रसिंह गढ़वाली औद्यानिकी एवं वानिकी विश्विद्यालय कहाँ स्थित है
A.घुड़दौड़ी पौड़ी
B.सुमाड़ी पौड़ी
C.भरसार पौड़ी
D.थलीसैंण पौड़ी

Ans- C

Q31.दनगल मेला कहाँ आयोजित किया जाता है
A.कोटद्वार
B.सतपुली
C.श्रीनगर
D.लैंसडोन

Ans- B

Q32.निम्न में से कौन सी विधानसभा सीट अनुसूचित जाति(SC) हेतु आरक्षित है
A.कोटद्वार
B.पौड़ी
C.चौबट्टाखाल
D.लैंसडोन

Ans- B

Q33.पौड़ी जनपद स्थित दुगड्डा को किसने बासाया
A.पंडित मुंसीराम धनाई
B.पंडित धनीराम धनाई
C.पंडित धनीराम मिश्रा
D.पंडित किशनचंद मिश्रा

Ans- C

Q34.सोनानदी वन्य जीव विहार स्थित है
A.रुद्रप्रयाग
B.नैनीताल
C.चमोली
D.पौड़ी

Ans- D

Q35.बैकुंट चतुर्दशी मेला कहाँ आयोजित किया जाता है
A.कोटद्वार
B.पौड़ी
C.सतपुली
D.श्रीनगर

Ans- D

Q36.निम्न में से कौन सा मंदिर सतपुली में स्थित है
A.कोट महादेव
B.दंगलेश्वर महादेव
C.बिन्सर महादेव
D.कालेश्वर महादेव

Ans- B

Q37.उच्च स्थलीय पौध शोध संस्थान स्थित है
A.श्रीकोट
B.श्रीनगर
C.खिर्सू
D.थलीसैण

Ans- B

Q38.वीर चंद्रसिंह गढ़वाली के नाम पर डाक टिकट कब जारी किया गया
A.1992
B.1994
C.1995
D.1996

Ans- B

Q39.मोलाराम चित्र संग्रहालय कहाँ स्थित है
A.पोड़ी गढ़वाल
B.ऋषिकेश
C.श्रीनगर
D.कोटद्वार

Ans- C

JARDHARI CLASSES

Q40.मोलाराम चित्र संग्रहालय कहाँ है
A.श्रीकोट
B.श्रीनगर
C.खिर्सू
D.थलीसैण

Ans- B

Q41 वीर चंद्रसिंह गढवाली पर्यटन स्वरोजगार योजना शुरू की गयी
A.1 जून 2001
B.1 जुलाई 2001
C.1 जून 2002
D.1 जुलाई 2002

Ans- C

Q42.महाकवि कालिदास ने अभिज्ञान शाकुन्तलम की रचना कहाँ की
A.बद्रिकाश्रम
B.कण्वाश्रम
C.ब्यासाश्रम
D.स्वर्गाश्रम

Ans- B

Q43.श्रीनगर गढवाल को 9वां नगर निगम कब घोषित किया गया
A.31 नवंबर 2021
B.01 दिसम्बर 2021
C.30 दिसम्बर 2021
D.31 दिसंबर 2021

Ans- D

Q44.दुनाब परियोजना किस नदी पर है
A.पूर्वी नयार
B.पश्चिमी नयार
C.पूर्वी रामगंगा
D.पश्चिमी रामगंगा

Ans- A

Q45.पौड़ी गढ़वाल निम्न में से किस जनपद से सीमा नहीं बनाता है
A.अल्मोड़ा
B.बागेश्वर
C.नैनीताल
D.चमोली

Ans- B

Q46.उत्तराखंड सरकार द्वारा तीलू रौतेली पुरस्कार की शुरुआत कब से की गयी
A.2002
C.2004
C.2005
D.2006

Ans- D

Q47.HESCO की स्थापना कब की गयी
A.1977
B.1978
C.1979
D.1980

Ans- C

Q48.केशोराय मठ स्थित है
A.थलीसैण
B.गैरसैण
C.श्रीनगर
D.कोटद्वार

Ans- C

Q49.गढ़वाल मंडल का गठन कब किया गया
A.1968
B.1969
C.1964
D.1962

Ans- B

JARDHARI CLASSES

Q50.भारतीय पर्वतारोहण फाउंडेशन(IMF) की पहली महिला अध्यक्ष चुनी गयी

A.बछेन्द्री पाल
B.हर्षवन्ति बिष्ट
C.चंद्रप्रभा एतवाल
D.सुमन कुटियाल

Ans- B

Q51.उत्तराखंड की पहली महिला विधानसभा अध्यक्ष कौन बनी

A.ऋतु खंडूरी
B.लक्ष्मी बड़थ्वाल
C.रेखा आर्य
D.शैला रानी

Ans- A

JARDHARI CLASSES

पिथौरागढ़ जनपद

पिथौरागढ़ का इतिहास

- पिथौरागढ़ का प्राचीन नाम सौर घाटी था
- एटकिंसन के अनुसार पिथौरागढ़ की स्थापना चंद राजाओं के सामंत पीरू गुसाईं(पृथ्वी गुसाईं) ने की व यहाँ एक किले का निर्माण किया
- पिथौरागढ़ में गोरखाओं का बनाया हुआ सिमलगढ़ का किला है जिसे अंग्रेजों ने लंदन फोर्ट नाम दिया
- 24 फरवरी 1960 को अल्मोड़ा से अलग होकर पिथौरागढ़ को जनपद बनाया गया

भौगोलिक स्थित

भौगोलिक दृष्टि से पिथौरागढ़ जनपद राज्य का सबसे पूर्वी जिला है
पिथौरागढ़ का क्षेत्रफल - 7090वर्ग KM(क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य का तीसरा सबसे बड़ा जिला)

पूर्व - नेपाल
पश्चिम - चमोली, बागेश्वर, अल्मोड़ा
उत्तर- तिब्बत-चीन
दक्षिण-चम्पावत

- पिथौरागढ़ जनपद राज्य का सर्वाधिक अंतराष्ट्रीय सीमा वाला जनपद है
- पिथौरागढ़ जनपद राज्य के चार जनपदों से सीमा बनाता है- चमोली, बागेश्वर, अल्मोड़ा , चम्पावत
- पिथौरागढ़ जनपद दो देशों से अंतराष्ट्रीय सीमा बनाता है- नेपाल व चीन(तिब्बत)

राष्ट्रीय राजमार्ग -
NH 09 - रामपुर(up)-रुद्रपुर--खटीमा-टनकपुर - चम्पावत - पिथोरागढ़
NH 309A- अल्मोड़ा - बागेश्वर - गंगोलीहाट(पिथौरागढ़)

प्रमुख पर्यटक स्थल

मुनस्यारी -

- मुनस्यारी को जोहार क्षेत्र का प्रवेश द्वार कहा जाता है (पिथौरागढ़ से 165 किलोमीटर दूर)
- मुनस्यारी का प्राचीन नाम तिकसेन था मुनि का सेरा अथवा तपस्वियों का स्थल होने के कारण नाम मुनस्यारी पड़ा
- मुनस्यारी में नैन सिंह रावत पर्वतारोहण संस्थान स्थित है
- मुनस्यारी में देवी काली को समर्पित कालामुनि मंदिर स्थित है यह कालामुनि टॉप स्थल पर स्थित है
- खलिया टॉप मुनस्यारी में स्थित है
- मुनस्यारी में भारत का पहला कवक पार्क विकसित किया गया

JARDHARI CLASSES

उत्तराखंड जिला दर्शन

डीडीहाट -

- डीडीहाट पिथौरागढ़ जनपद की तहसील है
- डीडीहाट सीरा क्षेत्र में बसा हुआ है
- डीडीहाट में सीराकोट मंदिर व सीराकोट किला स्थित है
- डीडीहाट का नाम कुमाऊनी शब्द डंड से लिया गया है जिसका मतलब एक छोटी सी पहाड़ी है व हाट का मतलब बाजार से है

गंगोलीहाट -

- गंगोलीहाट पिथौरागढ़ का एक पर्वतीय शहर है
- गंगोलीहाट सरयू व रामगंगा नदियों से घिरा हुआ है
- गंगोलीहाट में हट कलिका मंदिर (देवी काली) स्थित है
- हट कलिका देवी सेना के जवानों की रक्षक मानी जाती है
- गंगोलीहाट में 1779 में गोरखाओं ने गंगोलीहाट किले का निर्माण कराया

पाताल भुवनेश्वर गुफा -

- पाताल भुवनेश्वर गुफा गंगोलीहाट में स्थित है
- पाताल भुवनेश्वर गुफा में एक मंदिर है जिसे पाताल भुवनेश्वर मंदिर कहते हैं इस मंदिर में सूर्य, विष्णु, महेश, उमा आदि की प्राचीन मूर्तियां है

अस्कोट -

- यह कत्यूरी राजाओं की राजधानी थी
- यहां कस्तूरी मृग संरक्षण केंद्र अस्कोट वन्य जीव विहार स्थित है जिसकी स्थापना 1986 में की गई

JARDHARI CLASSES

प्रमुख मन्दिर

1. हटकलिका मंदिर - यह मंदिर मां काली को समर्पित है

2. पाताल भुवनेश्वर मंदिर -

- यह मंदिर गंगोलीहाट में पाताल भुवनेश्वर गुफा में स्थित है
- इस गुफा की खोज आदि गुरु शंकराचार्य ने की

3.बेरीनाग (बीनाग) मंदिर - पिथौरागढ़ में स्थित यह मंदिर नाग देवता का प्रसिद्ध मंदिर है

4. छिपलाकेदार मंदिर- पिथौरागढ़ के धारचूला तहसील के बरम क्षेत्र में स्थित है

5.जयंती मंदिर (ध्वज मंदिर) -

6.थल केदार मंदिर-

- पिथौरागढ़ से 16 किलोमीटर दूर शिव भगवान को समर्पित है
- मानस खंड में विवरण है कि सरयू और श्यामा (काली) नदियों के बीच स्थल केदार नाम से महादेव विराजमान है

7.असुर चुला मन्दिर - पिथौरागढ़ की सोरघाटी में असुरचूल नाम की पहाड़ी पर स्थित है

8. देवल समेत मन्दिर -

9.कोटली का विष्णु मंदिर - इस मंदिर का निर्माण 9वीं शताब्दी हुआ था

10.मोस्टमानू मन्दिर - पिथौरागढ़ से 6 km दूर

11.चौमू देवता मन्दिर -

12.मढ़ का सूर्य मंदिर - यह पिथौरागढ़ में स्थित है

पिथौरागढ़ के प्रमुख मेले व प्रमुख यात्राएं

1.जौलजीवी मेला-

- यह मेला पिथौरागढ़ जनपद में लगता है।
- यह मेला प्रतिवर्ष 14-19 नवम्बर को काली एवं गोरी नदी के संगम स्थल पर लगता है।
- जौलजीवी मेले की शुरुआत सर्वप्रथम 1914 में हुई
- जौलजीवी मेले को प्रारम्भ करने का श्रेय गजेंद्र बहादुर को जाता है।

2.थल मेला-

- यह मेला पिथौरागढ़ जनपद के बालेश्वर थल मन्दिर में बैशाखी के दिन लगता है।
- इस मेले की शुरुआत 13 अप्रैल 1940 को जलियांवाला बाग दिवस मनाये जाने के बाद हुई
- प्रारम्भ में यह मेला 20 दिन तक चलता था।

3. बौराड़ी मेला-

- यह मेला पिथौरागढ़ जनपद के बौराड़ी नामक स्थान पर सैम देवता के मंदिर में लगता है।
- यह मेला दीपावली के 15 दिन बाद शुरू होता है।

4.मोस्टमानू मेला -यह मेला भगवान मोस्टमानू के मंदिर में लगता है

5.हाटकालिका मेला - यह मेला पिथौरागढ़ के गंगोलीहाट में लगता है

6.रामेश्वर मेला-

यह मेला पिथौरागढ़ में सरयु व रामगंगा के संगम स्थल रामेश्वर तीर्थ में लगता है

7.कंडाली उत्सव- यह उत्सव प्रत्येक 12 वर्ष में आयोजित किया जाता है

उत्तराखंड जिला दर्शन

प्रमुख यात्राएं-

1.कैलास मानसरोवर यात्रा-

- कैलास मानसरोवर यात्रा प्रतिवर्ष जून से सितम्बर तक चलती है
- कैलाश मानसरोवर यात्रा का आयोजन भारतीय विदेश मंत्रालय, कुमाऊँ मण्डल विकास निगम व भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के सहयोग से पूरी होती है
- यह यात्रा लगभग 40 दिनों तक चलती है जो अल्मोड़ा से कौसानी, डीडीहाट होते हुए धारचूला व धारचूला से तवाघाट उसके बाद लिपुलेख दर्रे से तिब्बत प्रवेश करती है
- कैलाश पर्वत तिब्बत में स्थित है जिसके पश्चिम में मानसरोवर झील तथा दक्षिण में राक्षस ताल है
- कैलाश पर्वत को गणपर्वत और रजतगिरी भी कहा जाता है

2.हिलजात्रा-

- यह जात्रा पिथौरागढ़ की सौरघाटी में कुमैड़ एवं बजेटी गांव में मुख्यतः आयोजित की जाती है
- इस यात्रा में बैला का मुखोटा पहने ब्यक्ति अभिनय करते हैं जिसे मुखोटा नृत्य कहते हैं
- इस महोत्सव में लखिया भूत आकर्षण का केंद्र होता है
- नेपाल में हिलजात्रा कक इन्द्रजात्रा के रूप में मनाया जाता है

पिथौरागढ़ जनपद के प्रमुख दर्रे, नदी तंत्र, ग्लेशियर,,कुंड,जलप्रपात

पिथौरागढ़ जनपद के प्रमुख दर्रे

पिथौरागढ़-तिब्बत के बीच स्थित दर्रे-

1.दारमा-नवीधुरा दर्रा
2.लम्पिया दर्रा
3.मन्स्या दर्रा
4.लिपुलेख दर्रा
5.लेविधुरा
6.ऊंठा जयंती दर्रा

पिथौरागढ़-चमोली के मध्य स्थित दर्रे-

1.लातु धुरा 2.मार्चयोक 3.बाराहोती 4.टोपिधुरा

पिथौरागढ़-बागेश्वर के बीच स्थित दर्रे-

1.ट्रेलपास दर्रा- इसको खोज कमिश्नर ट्रेल ने 1830 में की

पिथौरागढ़-चम्पावत के बीच स्थित दर्रे-

1.लासपा दर्रा

पिथौरागढ़ में स्थित अन्य दर्रे

1.सिनला दर्रा- यह दारमा व ब्यास घाटी को जोड़ता है

उत्तराखंड जिला दर्शन

पिथौरागढ़ जनपद नदी तंत्र

काली नदी-

- काली नदी पिथौरागढ़ में स्थित लिपुलेख दर्रे के निकट कालापानी(ब्यास आश्रम) से निकलती है व भारत-नेपाल का बॉर्डर बनाते हुए आगे बढ़ती है
- पिथौरागढ़ के बाद यह चम्पावत में प्रवेश करती है व टनकपुर में पहुंच जाती है यहां से इसे आगे शारदा के नाम से भी जाना जाता है यहां से आगे बढ़ते हुए काली नदी बनबसा बैराज में पहुंचती है यहां से काली नदी दो नहरों के रूप में निकलती है-
- शारदा नहर व महाकाली नहर
- उद्गम स्थल से बनबसा बैराज तक काली नदी की लंबाई-252Km
- काली नदी उत्तराखंड की सबसे लंबी नदी है
- काली नदी को उत्तराखंड की सबसे अपवित्र नदी भी माना जाता है

काली नदी की सहायक नदियां-

1.कुठियांगटी-

- यह काली नदी की प्रथम सहायक नदी है
- उद्गम- जैंक्सर श्रेणी के पश्चिमी ढाल से
- संगम- गूंजी नामक स्थान पर काली नदी से
- सहायक नदियां- सागचुमना, थुमका,निरकुट

2.पूर्वी धौलीगंगा-

- पूर्वी धौलीगंगा दो शाखाओं के रूप में निकलती है-लिस्सर व दारमा इन दोनों नदी का उद्गम गोवानखना हिमनद से होता है व तेजांग(छोटा कैलास) में संगम करती है व आगे पूर्वी धौलीगंगा के नाम से जानी जाती है
- पूर्वी धौलीगंगा का काली नदी में संगम- खेला(तवाघाट)
- पूर्वी धौलीगंगा की लंबाई- 91Km

3.गौरीगंगा-

- उद्गम- मिलम ग्लेशियर
- संगम- जौलजीवी नामक स्थान पर काली नदी में
- गौरीगंगा दो नदियों से मिलकर बनती है- गोरी व रालम(शुनकल्पा)
- गौरीगंगा के लम्बाई- 104Km
- सहायक नदी- रमलगाड़, मदकानी, गोनखागाड़

4.पूर्वी रामगंगा-

उद्गम- पेंटिंग व नामिक ग्लेशियर से
संगम - रामेश्वर तीर्थ में सरयू नदी से संगम करती है

पिथौरागढ़ की प्रमुख जल विद्युत परियोजना

1.करमोली लुमती तल्ली जल विद्युत परियोजना - गंगा
2.चुंगर चाल परियोजना - पूर्वी धौलीगंगा
3.रशिया बगड़ परियोजना-गौरी गंगा
4.छिरकिला परियोजना- पूर्वी धौलीगंगा

5.बोकांग बेलिंग परियोजना - पूर्वी धौलीगंगा
6.गरबा तवाघाट परियोजना- काली नदी
7.धौलीगंगा जल विद्युत परियोजना-पूर्वी धौलीगंगा

पिथौरागढ़ में स्थित हिमनद-
1.काली हिमनद
2.मिलम ग्लेशियर
3.नामिक ग्लेशियर
4.हीरामणि ग्लेशियर
5.पेंटिंग ग्लेशियर
6.पिनोरा ग्लेशियर
7.रालम ग्लेशियर
8.लसार हिमनद

पिथौरागढ़ जनपद में स्थित कुंड
1.थमरी कुंड
2.महेश्वर कुंड
3.पार्वती कुंड
4.मैसर कुंड

पिथौरागढ़ जनपद में स्थित जलप्रपात-

1.बिर्थी जल प्रपात
2.मुनस्यारी जलप्रपात
3.हरकोटा जलप्रपात
4..भुरमुनी जलप्रपात
5..भेलछडा जलप्रपात
6.तुनखोला जलप्रपात

प्रमुख घाटियां-
1) जोहार घाटी
2) दारमा घाटी
3) व्यास घाटी
4) चोंदस घाटी

पिथोरागढ़ जनपद में स्थित बुग्याल –
1.पिंडारी बुग्याल 2.नामिक बुग्याल 3.जोहार बुग्याल 4.खलिया टॉप 5.छिपला कोट 6.रहाली बुग्याल 7.लड़ी पाँगती 8.थाला बुग्याल 9.बरम बुग्याल 10.दारमा बुग्याल

अस्कोट वन्य जीव विहार-

- स्थापना-1986
- स्थित- पिथौरागढ़
- क्षेत्रफल- 600 वर्ग km
- वन्य जीव- स्नो लैपर्ड ,रीक्ष, कस्तूरी मृग, पहाड़ी तीतर, मोनाल आदि।
- यहां सर्वाधिक कस्तूरी मृग(67) मिलते हैं।

JARDHARI CLASSES

उत्तराखंड जिला दर्शन

प्रमुख व्यक्ति

1.डॉ पीताम्बर अवस्थी

जन्म - 1 मार्च 1961 अस्कोट(पिथौरागढ़)
पीताम्बर अवस्थी को नशा मुक्ति अवस्थी के नाम से जाना जाता है
इनकी प्रमुख रचनायें-
जिंदगी जरूरी है नशे पर -
पंचप्रिया(काब्य) परछाई

2.पंडित नैन सिंह रावत-

जन्म- 1830
1866 में नेपाल सीमा से ल्हासा तक सर्वेक्षण
ब्रिटिश सरकार ने कम्पोनियन ऑफ इंडियन एम्पायर की उपाधि दी
लंदन टॉयल जियोग्रॉफिकल सोसाइटी द्वारा उन्हें पेट्रेनस गोल्ड मेडल प्रदान किया

3.त्रिलोक सिंह बसेड़ा

- जन्म -18 अक्टूबर 1934 भंडारी गांव पिथौरागढ़
- 1962 के ऐशियन गेम्स जकार्ता में आयोजित किये गये थे जिसमें भरतीय फुटबॉल टीम ने स्वर्ण पदक जीता
- त्रिलोक सिंह बसेड़ा इन एशियन गेम में भारतीय टीम का हिस्सा थे
- 1962 ऐशियन गेम्स के बाद इन्हें आयरन वाल ऑफ इंडिया के नाम से जाना जाने लगा
- 9 नवंबर 2प14 को त्रिलोक बसेड़ा को मरणोपरांत देवभूमि उत्तराखंड खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया

4.हंसा मनराल शर्मा-

- जन्म -17 मई 1947 पिथौरागढ़
- हंसा मनराल भारत की पहली महिला भरोतोलक कोच हैं
- हंसा मनराल को को द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया
- 2015 में हंसा मनराल को देवभूमि उत्तराखंड लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया

5.चंद्रप्रभा एतवाल-

जन्म- 1941 पिथौरागढ़
1984 में एवरेस्ट अभियान की सदस्य
पुरस्कार-
1981 अर्जुन पुरस्कार
1990 पदम् श्री
1994 नेशनल एडवेंचर अवार्ड

JARDHARI CLASSES

प्रशासनिक ढांचा

विधानसभा सीट-

1.डीडीहाट 2.धारचूला 3.पिथौरागढ़ 4.गंगोलीहाट(Sc)

तहसील-

1.बेरीनाग 2.थल 3.तेजम 4.पिथौरागढ़
5.कनालीछीना 6.मुनस्यारी 7.देवल 8.बंगापानी
9.धारचूला 10.गणाई-गंगोली 11.गंगोलीहाट 12.डीडीहाट

विकासखण्ड-

1.डीडीहाट 2.कनालीछीना 3.मुनस्यारी 4.मुनाकोट
5.बेरीनाग 6.धारचूला 7.गंगोलीहाट 8.पिथौरागढ़

जनसंख्या- 483439
जनघनत्व- 68
लिंगानुपात- 1020
साक्षरता दर- 82.25%
पुरूष साक्षरता- 92.75%
महिला साक्षरता- 72.29%

JARDHARI CLASSES

पिथौरागढ़ जनपद MCQ

Q1.पिथौरागढ़ का प्राचीन नाम है
A.सिमलगढ़
B.छकाता
C.सोर
D.जोहार

Ans- C

Q2.प्रसिद्ध सिमलगढ़ का किला स्थित है
A.पिथौरागढ़
B.अल्मोड़ा
C.बागेश्वर
D.चंपावत

Ans- A

Q3.राज्य का सबसे पूर्वी जनपद है
A.चमोली
B.चम्पावत
C.पिथौरागढ़
D.उधम सिंह नगर

Ans- C

Q4.निम्न में से कौन सा दर्रा पिथौरागढ़-तिब्बत के बीच स्थित है
A.लम्पिया धुरा
B.टोपिधुरा
C.लासपा दर्रा
D.सिनला दर्रा

Ans- A

Q5.पंडित नैनसिंह रावत पर कब डाक टिकट जारी हुआ?
A.1991 में
B.2002 में
C.2004 में
D.2006 में

Ans- C

Q6.मुनस्यारी का प्राचीन नाम है
A.सौर
B.ठांगधार
C.तिकसेन
D.लाल सांगा

Ans- C

Q7.काली नदी व गोरी गंगा का संगम कहाँ पर होता है
A.तवाघाट
B.जौलजीवी
C.गूंजी
D.पंचेश्वर

Ans- B

Q8.जोहार क्षेत्र का प्रवेश द्वार कहा जाता है
A.डीडीहाट
B.गंगोलीहाट
C.अस्कोट
D.मुनस्यारी

Ans-D

Q9.बाराहोती दर्रा.....के मध्य स्थित है
A.पिथौरागढ़-चमोली
B.पिथौरागढ़- चम्पावत
C.पिथौरागढ़-बागेश्वर
D.पिथौरागढ़- तिब्बत

Ans- A

Q10.पाताल भुवनेश्वर गुफा कौन से जनपद में है
A.अल्मोड़ा
B.बागेश्वर
C.पिथौरागढ़
D.चम्पावत

Ans- C

Q11.निम्न में से कौन सा दर्रा दारमा व ब्यास घाटी को जोड़ता है
A.ऊंटा जयंती दर्रा
B.लातु धुरा
C.लासपा दर्रा
D.सिनला दर्रा

Ans- D

Q12.उत्तराखंड राज्य का कौन सा जनपद सर्वाधिक अंतराष्ट्रीय सीमा बनाता है
A.चमोली
B.पिथौरागढ़
C.उत्तरकाशी
D.चम्पावत

Ans- B

Q13.बेरीनाग(बीनाग) मंदिर किस जनपद में है
A.पिथौरागढ़
B.अल्मोड़ा
C.चम्पावत
D.बागेश्वर

Ans- A

Q14.निम्न में से पिथौरागढ़ में स्थित घाटी नहीं है
A.चोंदस घाटी
B.चिनाप घाटी
C.व्यास घाटी
D.जोहार घाटी

Ans- B

Q15.गौरीगंगा का उद्गम कहाँ से होता है
A.पेंटिंग व नामिक ग्लेशियर
B.मिलम ग्लेशियर
C.पिनोरा ग्लेशियर
D.रालम ग्लेशियर

Ans-B

Q16.अस्कोट वन्य जीव सेंचुरी है
A.अल्मोड़ा
B.चमोली
C.उत्तरकाशी
D.पिथौरागढ़

Ans-D

Q17.ब्रिटिश सरकार ने कम्पोनियन ऑफ इंडिया की उपाधि किसे दी
A.गोविंद वल्लभ पंत
B.हरगोविंद पंत
C.पंडित नैन सिंह रावत
D.हर्ष देव ओली

Ans- C

Q18.हंसा मनराल का सम्बंध किस खेल से है
A.बैडमिंटन
B.पर्वतारोहण
C.भारोत्तोलन
D.मुकेबाजी

Ans- C

Q19.निम्न में से कौन सही सुमेलित है
A.थल मेला- पिथौरागढ़
B.कुम्भ - ऋषिकेश
C.चैती- उत्तरकाशी
D.जौलजीवी- अल्मोड़ा

Ans- A

Q20.मालपा में भूस्खलन किस वर्ष हुआ था
A.1997 ई० में
B.1995 ई० में
C.1996 ई० में
D.1998 ई० में

Ans- D

Q21.भेलछड़ा जलप्रपात किस जनपद में है
A.अल्मोड़ा
B.पिथौरागढ़
C.चमोली
D.उत्तरकाशी

Ans- B

Q22.कैलाश मानसरोवर यात्रा गुजरती है-
A.नीति दर्रे से
B.लिपुलेख दर्रे से
C.दारमा दर्रे से
D.किंगरी-बिंगरी

Ans- B

Q23.निम्न में से कौन-सा ग्लेशियर पिथौरागढ़ में नहीं है
A.नामिक
B.रालम
C.कफनी
D.पोटिंग

Ans- C

Q24.भुरमुनी जलप्रपात किस जनपद में है
A.अल्मोड़ा
B.पिथौरागढ़
C.चमोली
D.उत्तरकाशी

Ans- B

Q25.निम्न में से कौन सी विधानसभा सीट SC हेतु आरक्षित है
A.डीडीहाट
B.धारचूला
C.पिथौरागढ़
D.गंगोलीहाट

Ans-D

Q26.ओम पर्वत स्थित है
A.उत्तरकाशी
B.रुद्रप्रयाग
C.चमोली
D.पिथौरागढ़

Ans-D

Q27.नामिक ग्लेशियर को ट्रैक ऑफ द ईयर चुना गया
A.2017
B.2018
C.2019
D.2020

Ans- B

Q28.जौलजीबी के मेले की शुरुआत 1914 में किसके द्वारा की गई?
A.सुरेंद्र सिंह पांगती
B.हरी सिंह थापा
C.गजेंद्र बहादुर पाल
D.इनमें से कोई नहीं

Ans- C

Q29.पिथौरागढ़ जनपद का जनघनत्व है
A.41
B.49
C.68
D.78

Ans-C

Q30. हंसा मनराल को देवभूमि उत्तराखंड लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से कब सम्मानित किया गया
A.2013
B.2014
C.1015
D.1017

Ans- C

Q31.चंद्रप्रभा एतवाल का सम्बंध है
A.बैडमिंटन
B.पर्वतारोहण
C.भारोत्तोलन
D.मुकेबाजी

Ans- B

Q32.पाताल भुवनेश्वर मंदिर निम्न में से किस जिले में स्थित है
A.अल्मोड़ा
B.चमोली
C.पौड़ी
D.पिथौरागढ़

Ans-D

Q33.मढ़ सूर्य मंदिर कहाँ स्थित है?
A.धारचूला
B.बेरीनाग
C.गंगोलीहाट
D.डीडीहाट

Ans- D

Q34.किस एक पर्वत को 'छोटा कैलाश' भी कहा जाता है?
A.नंदाकोट पर्वत
B.गंगोत्री पर्वत
C.ओम पर्वत
D.नर पर्वत

Ans- C

Q35.छिपलाकेदार मंदिर निम्न में से किस जनपद में है
A.रुद्रप्रयाग
B.चमोली
C.पिथौरागढ़
D.पौड़ी

Ans-C

Q36.लंदन फोर्ट उत्तराखंड के किस जनपद में है
A.अल्मोड़ा
B.नैनीताल
C.पिथौरागढ़
D.चम्पावत

Ans- C

Q37.अस्कोट वन्यजीव बिहार किस जनपद में है
A.चमोली
B.अल्मोड़ा
C.नैनीताल
D.पिथौरागढ़

Ans- D

Q38.प्रसिद्ध मंदिर हाट-कालिका कहाँ स्थित है
A.बद्रीनाथ
B.केदारनाथ
C.जोशीमठ
D.गंगोलीहाट

Ans-D

Q39.लम्पिया दर्रा .....के मध्य स्थित है
A.पिथौरागढ़-चमोली
B.पिथौरागढ़- चम्पावत
C.पिथौरागढ़-बागेश्वर
D.पिथौरागढ़- तिब्बत

Ans- D

Q40.जोहार क्षेत्र का प्रवेश द्वार है
A.डीडीहाट
B.मुनस्यारी
C.अस्कोट
D.गंगोलीहाट

Ans- B

Q41.नैन सिंह रावत पर्वतारोहण संस्थान स्थित है
A.मुनस्यारी
B.डीडीहाट
C.गंगोलीहाट
D.अस्कोट

Ans-A

Q42.खलिया टॉप कहाँ स्थित है
A.डीडीहाट
B.मुनस्यारी
C.अस्कोट
D.गंगोलीहाट

Ans- B

Q43.सीराकोट किला कहाँ स्थित है
A.डीडीहाट
B.मुनस्यारी
C.अस्कोट
D.गंगोलीहाट

Ans- A

Q44.हट कालिका मंदिर कहाँ स्थित है
A.मुनस्यारी
B.डीडीहाट
C.गंगोलीहाट
D.अस्कोट

Ans- C

Q45.भारत का पहला कवक पार्क स्थापित किया गया
A.डीडीहाट
B.मुनस्यारी
C.अस्कोट
D.गंगोलीहाट

Ans- B

Q46.चोंदस घाटी किस जनपद में है
A.अल्मोड़ा
B.टिहरी
C.चमोली
D.पिथौरागढ़

Ans- D

Q47.निम्न में से कौन सा मेला काली एवं गोरी नदी के संगम पर लगता है
A.थल मेला
B.बौराड़ी मेला
C.जौलजीवी मेला
D.मोस्टमानू मेला

Ans- C

Q48. लासपा दर्रा .....के मध्य स्थित है
A.पिथौरागढ़-चमोली
B.पिथौरागढ़- चम्पावत
C.पिथौरागढ़-बागेश्वर
D.पिथौरागढ़- तिब्बत

Ans- B

Q49.नैन सिंह रावत पर्वतारोहण स्थित है
A.डीडीहाट
B.गंगोलीहाट
C.मुनस्यारी
D.बेरीनाग

Ans- C

Q50.निम्न में से कौन सा मेला जलियांवाला बाग से सम्बंधित है
A.थल मेला
B.बौराड़ी मेला
C.जौलजीवी मेला
D.मोस्टमानू मेला

Ans- A

बागेश्वर जनपद

बागेश्वर का इतिहास

- बागेश्वर को प्रारम्भ में वागेश्वर या ब्याघ्रेस्वर कहा जाता था
- बागेश्वर सरयू व गोमती नदी के संगम पर स्थित है
- बागेश्वर को उत्तर का वाराणसी कहा जाता है
- बागेश्वर को भगवान शिव के कारण तीर्थराज भी कहा जाता है
- बागेश्वर सूर्य तीर्थ व अग्नि तीर्थ के मध्य स्थित है
- प्राचीनकाल में बागेश्वर के बैजनाथ नामक स्थान पर कार्तिकेयपुर वंश के शासकों की राजधानी थी जिसे बैजनाथ शिलालेखों में कार्तिकेयपुर भी कहा गया है
- 14 जनवरी 1921 को बागेश्वर में उत्तरायणी मेले के अवसर पर कुली बेगार प्रथा का अंत हुआ
- 1968 में बागेश्वर नगर पालिका का गठन किया गया
- 1976 में बागेश्वर को परगना घोषित किया गया
- 15 सितंबर 1997 में बागेश्वर जनपद का गठन हुआ

भौगोलिक स्थित-

पड़ोसी जिले-

पूर्व - पिथौरागढ़

पश्चिम - चमोली

उत्तर - पिथौरागढ़

दक्षिण - अल्मोड़ा

बागेश्वर जनपद राज्य का आंतरिक जिला है

बागेश्वर जनपद के पश्चिम में नीलेश्वर पर्वत व पूर्व में भीलेश्वर पर्वत है

क्षेत्रफल - 2246 वर्ग Km

राष्ट्रीय राजमार्ग-

NH 309A- अल्मोड़ा - बागेश्वर - गंगोलीहाट(पिथौरागढ़)

दर्रे

- **बागेश्वर- पिथौरागढ़ में स्थित दर्रे-**
- ट्रेलपास 5356 मी
- ट्रेल पास दर्रा कमिश्नर ट्रेल द्वारा 1830 में खोजा गया
- ***चमोली-बागेश्वर में स्थित दर्रे-*** सुन्दरढूंगा दर्रा 5550 मी.

बागेश्वर जनपद पर्यटक स्थल व प्रमुख मंदिर

कौसानी-

- कौसानी को प्रारम्भ में बलना कहा जाता था
- कौशिक मुनि की तपस्थली होने के कारण इसका नाम कौसानी पड़ा
- कौसानी बागेश्वर में पिंगनाथ पहाड़ी पर स्थित है
- 1929 में महात्मा गांधी ने कौसानी में यंग इंडिया नामक पुस्तक लिखी व कौसानी को भारत का स्विटजरलैंड कहा
- कौसानी में अनाशक्ति आश्रम(गांधी आश्रम) स्थित है जहाँ महात्मा गांधी जी ने अनाशक्ति योग पुस्तक लिखी
- 1941 में गांधी जी की शिष्य सरला बहन ने कौसानी में लक्ष्मी आश्रम की स्थापना की
- हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध कवि सुमित्रानंदन पंत का जन्म स्थल भी कौसानी है
- कौसानी में पिनाकेश्वर महादेव मंदिर स्थित है

पाण्डुस्थल-

- पाण्डुस्थल बागेश्वर में कुमाऊँ व गढ़वाल की सीमा पर स्थित पर्यटक स्थल है माना जाता है कि पांडवों ने यहाँ पर वास किया था

बागनाथ मंदिर-

- यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है
- बागनाथ मंदिर सरयू व गोमती नदी के तट पर स्थित है
- बागनाथ मंदिर का निर्माण कत्यूरी शासकों ने कराया था लेकिन वर्तमान मंदिर का निर्माण चंद शासक लक्ष्मी चंद ने 1450 ई० में कराया
- बागनाथ मंदिर नागर शैली से निर्मित है

बैजनाथ मंदिर-

- यह मंदिर बागेश्वर के गरूड़ तहसील में स्थित है
- बैजनाथ मंदिर गोमती नदी व गरुड़ नदी के संगम पर स्थित है
- बैजनाथ मंदिर समूह का निर्माण 1150 में कत्यूरी शासकों ने कराया था
- बैजनाथ के मुख्य मंदिर में आदमकद पार्वती की पथर की बनी मूर्ति है

कोट भ्रामरी मंदिर-

- यह मंदिर बैजनाथ मंदिर समूह से लगभग 3 km दूर स्थित है
- इस मंदिर में भ्रामरी देवी तथा नंदा देवी की मूर्ति है

श्री हरु मंदिर-

चंडिका मंदिर भद्रकाली मंदिर-

बागेश्वर जनपद प्रसिद्ध मेले

1.उत्तरायणी मेला-

- यह मेला बागेश्वर में सरयू व गोमती नदी के तट पर हर साल मकर संक्रांति के दिन लगता है
- उत्तरायणी मेले को स्थानीय भाषा में घुघुतिया त्योहार भी कहा जाता है
- 14 जनवरी 1921 को बद्रीदत्त पांडे जी के नेतृत्व में कुली बेगार प्रथा को समाप्त करने का संकल्प लिया गया
- 1929 में गांधी जी ने यहाँ पर स्वराज भवन का शिलान्यास किया

2.कोट की माई का मेला-

- यह मेला कोट भ्रामरी मंदिर में लगता है

3.पिनाथ मेला-

- यह मेला बागेश्वर के कौसानी में पिनाकेश्वर महादेव मंदिर में लगता है

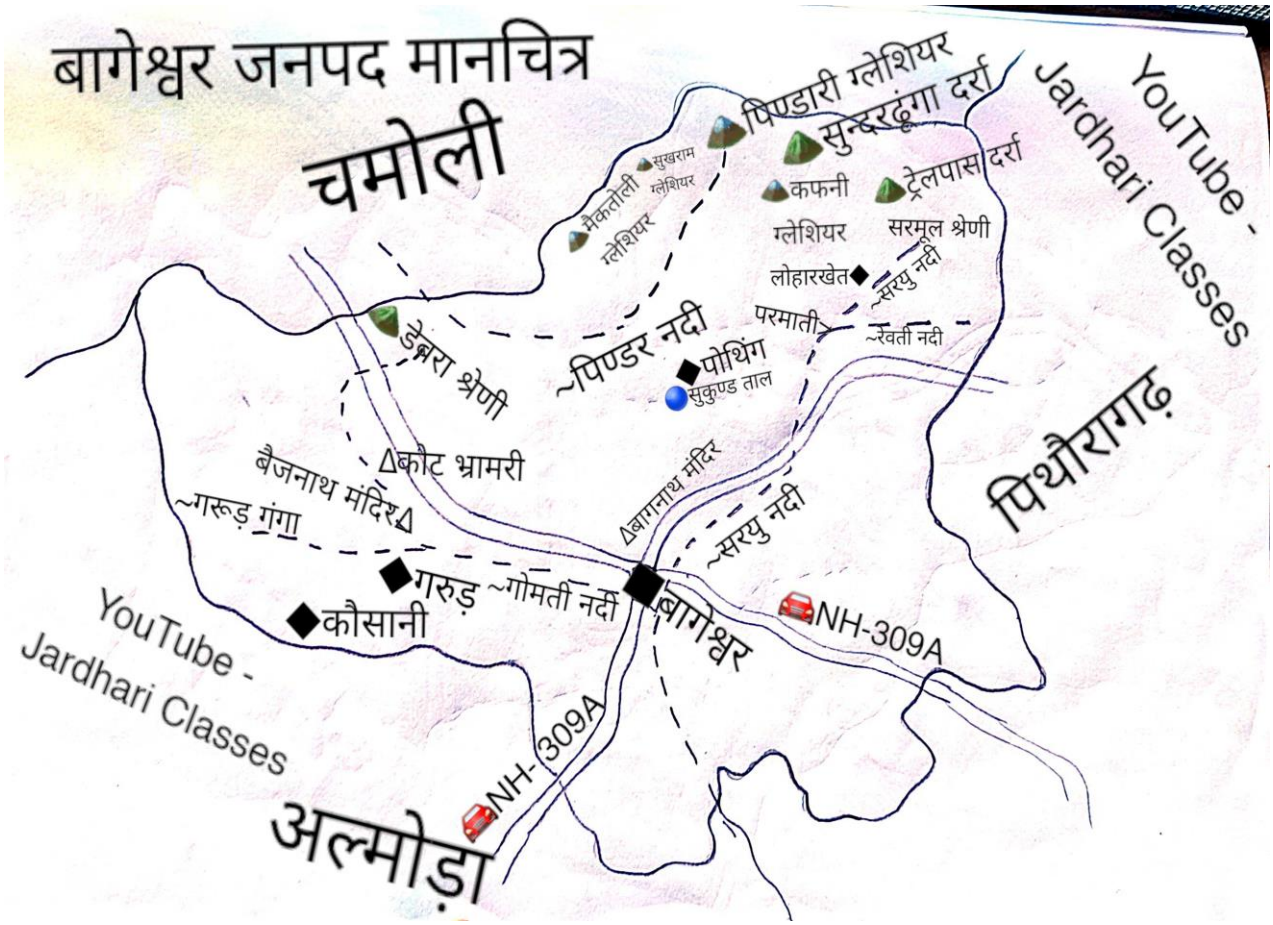

बागेश्वर जनपद नदी तंत्र

कोसी नदी-

उद्गम- कौसानी बागेश्वर

कौसानी नदी बागेश्वर, अल्मोड़ा, नैनीताल उधम सिंह नगर से होकर सुल्तानपुर नामक स्थान पर राज्य से बाहर निकल जाती है व उत्तर प्रदेश में रामगंगा से मिल जाती है

पुराणो में इस नदी को कोसिला व कोसिकी कहा गया है

कोसी नदी घाटी को कुमाऊँ का धान का कटोरा कहा जाता है

पिंडर नदी-

उद्गम - पिंडारी ग्लेशियर(बागेश्वर)

संगम- कर्णप्रयाग में अलकनंदा नदी से

सरयू नदी-

सरयू नदी का उद्गम बागेश्वर के सरमूल नामक स्थान से होता है पंचेश्वर(काली कुमाऊँ) के निकट यह काली नदी से मिल जाती है

सरयू नदी की सहायक नदी-

1.गोमती नदी - गोमती नदी बागेश्वर में सरयू नदी से मिल जाती है

प्रमुख ग्लेशियर-

1.मैकतोली 2.सुंदरढुंगी 3.सुखराम 4.कफनी ग्लेशियर

5.पिण्डारी ग्लेशियर – राज्य का दूसरा सबसे बड़ा ग्लेशियर

प्रमुख कुंड

1.देवी कुंड 2.सुकुण्ड

प्रमुख बुग्याल- कफनी बुग्याल

दुर्गाकोट चोटी- - बागेश्वर स्थित सुंदरढूंगा घाटी में दुर्गाकोट चोटी स्थित है

- कुमाऊं रेजिमेंट और नागा रेजिमेंट के पर्वतारोही दल के 30 सदस्यों ने बागेश्वर स्थित सुंदरढूंगा घाटी में दुर्गाकोट चोटी को फतह किया है

प्रशासनिक ढांचा व जनसंख्या

विधानसभा सीट-
1.बागेश्वर(SC) 2.कपकोट
विकासखंड -
1.बागेश्वर 2.गरुड़ 3.कपकोट

तहसील-
1.बागेश्वर, 2.कपकोट, 3.गरुड़, 4.कांडा,5. दुगनाकुरी, 6.काफलीगैर
जनसंख्या- 2,59,8,98
जनघनत्व - 116
लिंगानुपात - 1090
शिशु लिंगानुपात - 904
साक्षरता - 80.01%
पुरूष साक्षरता - 92.33%
महिला साक्षरता - 69.03%

https://youtube.com/c/JARDHARICLASSES

JARDHARI CLASSES

उत्तराखंड की परीक्षाओं की तैयारी हेतु जुड़ें हमारे साथ हमारे YouTube Channel – Jardhari Classes के साथ निशुल्क कोर्स- Uttarakhand Gk,Indian GK, हिन्दी, रीजनिंग ,सम्पूर्ण कोर्स

बागेश्वर जनपद MCQ

Q1.किस स्थल को उत्तर का वाराणसी कहा जाता है
A.उत्तरकाशी
B.हरिद्वार
C.अल्मोड़ा
D.बागेश्वर

Ans- D

Q2.सुन्दरढूंगा दर्रा .....के मध्य स्थित है
A.बागेश्वर- पिथौरागढ़
B.बागेश्वर-चमोली
C.चमोली - पिथौरागढ़
D.चमोली - तिब्बत

Ans- B

Q3.बागेश्वर जनपद का गठन कब किया गया
A.1995
B.1996
C.1997
D 1998

Ans- C

Q4.बागेश्वर किस नदी के तट पर बसा हुआ है
A.सरयु
B.कोसी नदी
C.पिण्डर नदी
D.काली नदी

Ans- A

Q5.कौसानी का प्राचीन नाम है
A.कौसीतकी
B.अग्नितीर्थ
C.बलना
D.वागेश्वर

Ans- C

Q6.हथछीना जलाशय किस जनपद में है
A.नैनीताल
B.अल्मोड़ा
C.बागेश्वर
D.चमोली

Ans- C

Q7.बागेश्वर नगर पालिका का गठन कब किया गया
A.1964
B.1965
C 1976
D.1968

Ans-D

Q8.निम्न में से कौन सा दर्रा बागेश्वर व पिथौरागढ़ जनपद को जोड़ता है
A.सुन्दरढूंगा दर्रा
B.लासपा दर्रा
C.ट्रेलपास दर्रा
D.लातु धुरा

Ans- C

Q9.कुमाऊँ का धान का कटोरा किसे कहा जाता है
A.सरयू नदी घाटी
B.कोसी नदी घाटी
C.पिंडर नदी घाटी
D.गौमती नदी घाटी

Ans- B

Q10.दुर्गाकोट चोटी किस जनपद में है
A.नैनीताल
B.अल्मोड़ा
C.बागेश्वर
D.उत्तरकाशी

Ans- C

Q11.गोमती व सरयु नदी का संगम कहाँ पर होता है
A.बैजनाथ
B.बागेश्वर
C.पांडुकेश्वर
D.कौसानी

Ans- B

Q12.निम्न में से किसे गांधी जी ने भारत का स्विटजरलैंड कहा
A.सल्ट
B.मसूरी
C.कौसानी
B.बागेश्वर

Ans- C

Q13.पिंडर नदी का उद्गम बागेश्वर के पिंडर ग्लेशियर से होता है यह किसकी सहायक नदी है
A.सरयू
B.कोसी
C.अलकनंदा
D.गंगा

Ans- C

Q14.सुकुण्ड ताल किस जनपद में है
A.नैनीताल
B.अल्मोड़ा
C.बागेश्वर
D.चमोली

Ans- C

Q15.बागेश्वर में स्थित बागनाथ मंदिर किस भगवान का मंदिर है
A.विष्णु
B.नागराजा
C.शिव
D.सूर्य

Ans- C

Q16.निम्न में से बागेश्वर का एक प्रसिद्ध मेला है
A.उत्तरायणी मेला
B.स्याल्दे बिखोती मेला
C.नुणाई मेला
D.चैती मेला

Ans- A

Q17.सुन्दरढूंगा घाटी किस जनपद में है
A.नैनीताल
B.अल्मोड़ा
C.बागेश्वर
D.चमोली

Ans- C

Q18.सास-बहू खेत नामक स्थल स्थित है?
A.अल्मोड़ा
B.चमोली
C.बागेश्वर
D.चंपावत

Ans- C

Q19.बैजनाथ मंदिर कौन सी नदी के तट पर स्थित है
A.सरयु
B.गोमती
C.पिण्डर
D.कोसी

Ans- B

Q20.पिनाकेश्वर महादेव मंदिर स्थित है
A.बैजनाथ
B.कपकोट
C.बागेश्वर
D.कौसानी

Ans-D

Q21.अग्नि तीर्थ व सूर्य तीर्थ किस जनपद में है
A.बागेश्वर
B.हरिद्वार
C.चमोली
D.अल्मोड़ा

Ans- A

Q22.बागेश्वर नगर पालिका का गठन कब किया गया
A.1962
B.1964
C.1968
D.1969

Ans- C

Q23.बागेश्वर जनपद में निम्न में से कौन सा कुंड स्थित है
A.हंस कुंड
B.बेताल कुंड
C.सुकुण्ड
D.थमरी कुंड

Ans- C

Q24.बागेश्वर जनपद राज्य के कितने जनपदों से सीमा बनाता है
A.2
B.3
C.4
D.5

Ans- B

Q25.कौसानी कौन सी पहाड़ी पर बसा हुआ है
A.नीलेश्वर पर्वत पर
B.भीलेश्वर पर्वत पर
C.दनगल पर्वत पर
D.पिंगनाथ पर्वत पर

Ans- D

Q26.बागेश्वर जनपद को अल्मोड़ा से पृथक कर नए जनपद के रूप में गठित किया गया
A.15 सितम्बर 1997
B.16 सितम्बर 1997
C.15 सितम्बर 1998
D.16 सितम्बर 1998

Ans- A

Q27.निम्न में से राज्य का दूसरा सबसे बड़ा ग्लेशियर है
A.गंगोत्री ग्लेशियर
B.पिण्डारी ग्लेशियर
C.कफनी ग्लेशियर
D.मैकतोली ग्लेशियर

Ans- B

Q28.महात्मा गांधी जी ने कौसानी में यंग इंडिया नामक पुस्तक कब लिखी
A.1927
B.1928
C.1929
D.1930

Ans- C

Q29.बागनाथ मंदिर किस शैली से बना हुआ है
A.द्रविड़ शैली
B.कौथिग शैली
C.कत्यूरी शौली
D.नागर शैली

Ans- D

Q30.कौन सा जनपद नीलेश्वर पर्वत व भीलेश्वर पर्वत के मध्य स्थित है
A.अल्मोड़ा
B.पिथौरागढ़
C.बागेश्वर
D.उत्तरकाशी

Ans- C

JARDHARI CLASSES

Q31.बागेश्वर जिले का जनघनत्व कितना है
A.116
B.68
C.49
D.41

Ans- A

Q32.गाँधीजी ने श्रीमद्भागवत पर अपनी प्रसिद्ध भूमिका'अनाशक्ति योग'कहाँ लिखी थी
A हरिद्वार
B.अल्मोड़ा
C.मसूरी
D.कोसानी

Ans- D

Q33.कौसानी में लक्ष्मी आश्रम की स्थापना कब की गयी
A.1939
B.1940
C.1941
D.1942

Ans- C

Q34.पांडूस्थल नामक स्थल कौन से जनपद में स्थित है
A.चमोली
B.बागेश्वर
C.उत्तरकाशी
D.नैनीताल

Ans- B

Q35.बागेश्वर जनपद की कौन सी विधानसभा सीट अनुसूचित जाति हेतु आरक्षित है
A.बागेश्वर
B.कपकोट
C.A&B दोनों
D.इनमे से कोई नहीं

Ans- A

Q36.निम्न में से बागेश्वर जनपद में कौन सा एक ग्लेशियर नहीं है
A.कफनी ग्लेशियर
B.मैकतोली ग्लेशियर
C.नामिक ग्लेशियर
D.सुखराम ग्लेशियर

Ans- C

JARDHARI CLASSES

अल्मोड़ा जनपद

अल्मोड़ा का इतिहास

- चंद शासक भीष्म चंद ने अपनी राजधानी चंपावत से अल्मोड़ा स्थानान्तरित की व अल्मोड़ा में खगमरा किले का निर्माण कराया
- (नोट- अल्मोड़ा में चंद वंश की राजधानी बालो कल्याण चंद तृतीय के शासन काल में 1563 में पूर्ण रूप से बनकर तैयार हुई)
- कल्याण चंद ने उस समय अल्मोड़ा का नाम आलमनगर(मुगल प्रभाव के कारण) रखा
- बालों कल्याण चंद ने अल्मोड़ा में **लाल मंडी का किला** बनवाया था
- चंद राजा कल्याण चंद ने इसे पहले 'राजपुर' नाम दिया, जिसका उल्लेख उस दौर के बहुत से प्राचीन ताम्रपत्रों में भी मिलता है
- 1790 में गोरखाओं ने अल्मोड़ा पर आक्रमण कर दिया व हवालाबाग मैदान(अल्मोड़ा) में गोरखाओं व महेंद्र चंद के बीच युद्ध लड़ा गया जिसमें महेंद्र चंद पराजित हो गया व इस प्रकार 1790 में गोरखाओं ने कुमाऊँ पर अधिकार कर लिया व अल्मोड़ा भी इनके अधीन हो गया
- 1815 में अल्मोड़ा अंग्रेजो के अधिकार में आ गया
- 1864 में अल्मोड़ा नगर पालिका का गठन हुआ
- 1891 में अल्मोड़ा को जिला बनाया गया

भौगोलिक स्थित-
पूर्व- पिथौरागढ़ चंपावत
पश्चिमी- पौड़ी
उत्तर- चमोली,बागेश्वर
दक्षिण- नैनीताल
अल्मोड़ा जनपद राज्य के छः जनपदों से सीमा बनाता है
क्षेत्रफल- 3139 वर्ग km

राष्ट्रीय राजमार्ग-
NH109- नैनीताल-रानीखेत-द्वारहाट-चौखुटिया-गैरसैण-कर्णप्रयाग
NH 309A- अल्मोड़ा-बागेश्वर

अल्मोड़ा जनपद प्रमुख पर्यटक स्थल

1.रानीखेत-

- रानीखेत का प्राचीन नाम झुलादेव व आंकलेंड हिल्स था
- 1869 में हेनरी रेमजे ने आधुनिक रानीखेत की स्थापना की
- कुमाऊँ रेजिमेंट की स्थापना 27 अक्टूबर 1945 को हुई व मई 1948 में कुमाऊँ रेजिमेंट का मुख्यालय आगरा से रानीखेत लाया गया

2.ताड़ीखेत-

- यह स्थान रानीखेत से 8 km दूर स्थित है
- ताड़ीखेत में गांधी कुटिया स्थित है

3.द्वारहाट-

- द्वारहाट को उत्तर की द्वारिका या हिमालय की द्वारिका कहा जाता है
- द्वारहाट को मंदिरों की नगरी कहा जाता है
- द्वारहाट को कुमाऊँ का खजुराहो भी कहा जाता है
- द्वारहाट में मंदिरों के तीन समूह हैं- कचहरी, मनिया व रत्नदेव मंदिर समूह
- द्वारहाट में स्थित प्रमुख मन्दिर- गुजर देव मंदिर बद्रीनाथ मंदिर आदि

4.विभांडेश्वर-

- विभांडेश्वर द्वारहाट से लगभग 5-6km दूर स्थित है
- विभांडेश्वर को उत्तर का काशी भी कहा जाता है
- विभांडेश्वर में विषुअत सक्रांति पर स्याल्दे बिखोती मेला लगता है

अल्मोड़ा जनपद प्रमुख मंदिर

1.कटारमल का सूर्य मंदिर-

- यह मंदिर अल्मोड़ा से 16-17 km दूर कटारमल में स्थित है
- कटारमल सूर्य मंदिर उत्तराखंड शैली से निर्मित है
- कटारमल सूर्य मंदिर को बड़ादित्य सूर्य मंदिर भी कहा जाता है क्योंकि इस मंदिर में मुख्य प्रतिमा बड़ा दित्य सूर्य की है
- इस मंदिर का निर्माण कत्युरी राजा कटारमल देव ने करवाया था
- कटारमल सूर्य मंदिर के कपाट वर्तमान में राष्ट्रीय संग्रहालय नई दिल्ली में रखे हुए हैं

2.कसार देवी मंदिर-

- यह मंदिर अल्मोड़ा से 8km दूर कश्यप पहाड़ी पर स्थित है
- यह मंदिर कश्यप पहाड़ी पर गुफानुमा जगह पर बना हुआ है

3.चितई गोलू देवता मन्दिर-

- चितई गोलू देवता मंदिर अल्मोड़ा में स्थित है
- गोलू देवता को कुमाऊँ में न्याय का देवता माना जाता है

4.बिनसर महादेव मंदिर(वीरणेश्वर मंदिर)-

- यह मंदिर अल्मोड़ा में बिनसर पहाड़ी पर स्थित है
- इस मंदिर का निर्माण राजा कल्याण चंद चतुर्थ ने कराया था

5.राम शिला मंदिर-

- यह मंदिर अल्मोड़ा नगर में स्थित है
- चंद काल में यह स्थान मल्लामहल था
- 1588 में चंद वंशीय राजा रुद्र चंद ने इस मंदिर की स्थापना की

6.गणनाथ मंदिर-यह शिव भगवान का मंदिर है

7.सोमेश्वर मंदिर- यह मंदिर भगवान शिव का मंदिर है जिसकी स्थापना सोमचन्द ने करायी थी

8.जागेश्वर मंदिर समूह-

- जागेश्वर में 124 छोटे-बड़े मंदिरों का समूह था
- जागेश्वर मंदिर समूह में जागनाथ मंदिर, महामृत्युंजय मंदिर, कुबेर, पंचकेदार,डंडेश्वर मंदिर हैं
- जागेश्वर मंदिर समूह में महामृत्युंजय मंदिर सबसे प्राचीन मंदिर है

9.द्वारहाट मंदिर समूह-

- द्वारहाट को हिमालय की द्वारिका व मंदिरों की नगरी कहते हैं
- द्वारहाट के प्रमुख मंदिर- गुजर देव मंदिर, बद्रीनाथ मंदिर, केदारनाथ मंदिर आदि
- द्वारहाट में मंदिरों के तीन समूह हैं- कचहरी, मनिया व रत्नदेव मंदिर समूह
- इन मंदिर समूहों में गुजरदेव मंदिर सबसे बड़ा मंदिर है

10.नंदा देवी मंदिर

अल्मोड़ा जनपद प्रमुख मेले

1.गणनाथ का मेला-

- यह मेला अल्मोड़ा जनपद के गणनाथ में प्रति वर्ष कार्तिक पूर्णिमा में लगता है।
- इस मेले में स्त्रियां रात भर हाथ में दीपक लेकर पुत्र प्राप्ति हेतु पूजा करती हैं।
- यह मेला गणनाथ मंदिर शिव को समर्पित है।

2.स्याल्दे- बिखोती मेला-

- यह मेला अल्मोड़ा जनपद के द्वारहाट कस्बे में प्रतिवर्ष बैशाख माह में लगता है।
- बैशाख माह के पहले दिन बिखोती मेला व पहली रात्री को स्याल्दे मेला लगता है।
- इस मेले का आरम्भ कत्यूरी शासनकाल के समय से माना जाता है।
- इस मेले में झोड़े व भगनोल गीत गाये जाते हैं

3.सोमनाथ मेला-

- यह मेला अल्मोड़ा के रानीखेत में रामगंगा के तट पर स्थित मासी गांव में बैशाख महीने में लगता है।
- यहां सोमेश्वर महादेव मंदिर स्थित है।
- इस मेले के पहले दिन को सल्टीया मेला, दूसरे दिन को ठुल मेला(बड़ा मेला) व उसके बाद नान कौतिक(छोटा मेला) कहा जाता है।

4.श्रावणी मेला-

- यह मेला अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम में प्रतिवर्ष श्रावण माह में लगता है
- यह मेला एक माह तक चलता है।
- इस मेले में महिलाएं सन्तान प्राप्ति के लिये रात भर हाथ मे दिये जलाये पूजा अर्चना करती हैं।

5.दुनागिरी का मेला- यह मेला अल्मोड़ा जिले के द्वारहाट में लगता है

6.नंदादेवी मेला-

- नंदा देवी मेला हर साल भाद्र मास की अष्टमी के दिन आयोजित किया जाता है
- 1671 में चंद राजा बाज बहादुर चंद ने गढ़वाल को पराजित कर बधाणकोट किले से नंदा देवी की मूर्ति को अल्मोड़ा लाया गया व मल्ला महल में स्थापित की
- 1815 में कमिश्नर ट्रेल ने इस मूर्ति को मल्ला महल से अल्मोड़ा के पर्वतेश्वर मंदिर में स्थापित करवाया

7.बग्वाली-पोखर मेला

8.सालम रंग महोत्सव

अल्मोड़ा जनपद प्रमुख नदियां

1.पश्चिमी रामगंगा-

पश्चिमी रामगंगा नदी दूधातोली श्रेणी की पूर्वी ढाल से निकलती है व चमोली अल्मोड़ा, पोड़ी में बहते हुए पोड़ी के कालागढ़ नामक स्थान से राज्य के बाहर निकल जाती है व उत्तरप्रदेश के कन्नौज में गंगा से मिल जाती है

रामगंगा की सहायक नदियां-

1.गयास नदी- यह नदी भिकियासैंण में रामगंगा से मिल जाती है

2.बिनो नदी

2.कोशी नदी-

कोशी नदी कौसानी(बागेश्वर) से निकलती है व बागेश्वर, अल्मोड़ा, नैनीताल व उधम सिंह नगर से होकर सुल्तानपुर नामक स्थान पर राज्य से बाहर निकल जाती है व उत्तरप्रदेश में रामगंगा से मिल जाती है

सुयाल नदी कोशी नदी की प्रमुख सहायक नदी है जो अल्मोड़ा के निकट ख्वारब नामक स्थान पर कोशी नदी में मिल जाती है

सुयाल नदी के तट पर लाखु उड्यार स्थित है

अल्मोड़ा में स्थित ताल-

तड़ागताल-

तड़ागताल अल्मोड़ा जिले के चौखुटिया से 10 दूरी पर स्थित है।

इस ताल के निचले भाग में पानी की निकासी हेतु पांच सुरंगे बनी हैं जिनमे तीन सुरंगे अब बंद हो चुकी हैं।

अल्मोड़ा जनपद मानचित्र
चमोली
बागेश्वर
पौड़ी
पिथौरागढ़
चंपावत
नैनीताल
दूधातोली श्रेणी
NH-109
NH-309A
चौखुटिया
द्वारहाट
रानीखेत
ताड़ीखेत
स्याल्दे
भिकियासैंण
~रामगंगा
~गगास नदी
~कोशी नदी
~सुयाल नदी
सोमेश्वर
अल्मोड़ा
बिनसर
बाड़ेछिना
जागेश्वर
भनोली
खारबगड़
Δगणनाथ
Δकटारमल सूर्य मंदिर
Δकसार देवी मंदिर
Δचितई गोलू देवता मंदिर
YouTube-
Jardhari Classes

अल्मोड़ा में स्थित प्रमुख संस्थान

1.विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
स्थापना- 1924
संस्थापक- डॉ बासी सेन

- डॉ बोसी सेन ने इस संस्थान की स्थापना 1924 में कोलकाता में की व इसका नाम विवेकानंद लेबोरेटरी रखा
- 1936 में स्थायी रूप से विवेकानंद लेबोरेटरी को अल्मोड़ा स्थानांतरित किया गया
- 1974 में विवेकानंद लेबोरेटरी का नाम विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान रखा गया

2.जी०बी०पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण एवं विकास संस्थान
3.रक्षा कृषि शोध संस्थान(Defense Agricultural Research Institute)
4.उदय शंकर नृत्य एवं नाट्य अकादमी
5.उत्तराखंड लोक कला संस्थान(Uttarakhand Institute of Folk Arts)
6.गोविंद वल्लभ पंत राजकीय संग्रहालय(Govind Vallabh Pant Government Museum)

प्रमुख व्यक्ति

पंडित गोविंद वल्लभ पंत

जन्म - 10 सितम्बर 1887 (खूंट ग्राम अल्मोड़ा(
पिता - पंडित मनोरथ पंत

- 1903 में पंडित गोविंद वल्लभ पंत ने हैपी क्लब की स्थापना की
- 1905 में वकालत की पढ़ाई करने इलाहाबाद गये
- 1914 में काशीपुर में प्रेमसभा की स्थापना की
- 1923 में स्वराज पार्टी के टिकट पर नैनीताल जिले से सयुंक प्रान्त की विधान परिषद के सदस्य निर्वाचित हुए
- पंडित गोविंद वल्लभ पंत ने 1925 में घटित काकोरी कांड की पैरवी भी की थी
- 1927 में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चुने गए
- 1934 में अखिल भारतीय संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष बने
- 1946 में उत्तरप्रदेश विधानसभा के लिये निर्वाचित हुए और 1946 - 54 तक उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे
- 1955-19161 तक केंद्र सरकार में गृहमंत्री रहे
- 26 जनवरी 1957 को पंत जी को भारत रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया
- पंडित गोविंद वल्लभ उत्तराखंड के एकमात्र भारत रत्न प्राप्तकर्ता ब्यक्ति हैं
- 7 मार्च 1961 में निधन हो गया

2.एकता बिष्ट-

- एकता बिष्ट एक अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर हैं जो मूल रूप से अल्मोड़ा की निवासी हैं
- दिसम्बर 2017 में एकता बिष्ट को ICC Women's ODI Team Of the year व ICC Women's T20 Team Of the year में चुना गया
- 2017 में उत्तराखंड सरकार द्वारा इन्हें देवभूमि उत्तराखंड खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया

3.लक्ष्य सेन-

- जन्म -16 अगस्त 2001(अल्मोड़ा(
- लक्ष्य सेन ने 2018 में इंडोनेशिया के जकार्ता में आयोजित ऐशियाई जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता
- 2018 में विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिपकनाडा) में कांस्य पदक) जीता

4.चिराग सेन-

- जन्म -22 जुलाई 1998(अल्मोड़ा(
- चिराग सेन 2020 में केन्या इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट का एकल खिताब जीता

समसामयिक घाटना

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज 7.1 फीट ऊंचे धनिया का पोधा-

- उत्तराखंड के रानीखेत के बिल्लेख गांव में एप्पलमैन के नाम से मशहूर गोपाल उप्रेती के धनिया के पौधों ने विश्व रिकार्ड बनाया है
- गोपाल उप्रेती के धनिया के 7.1 फीट ऊंचे पौधे ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स (Guinness Book of World Records) में स्थान बना लिया है।
- इससे पहले जब यह धनिया का पौधा 6.1 फीट का था तो इसे इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज किया गया

हीरा सिंह राणा - लोकगायक

- 13 जून 2020 में हीरा सिंह राणा (हिरदा) का निधन हुआ
- हीरा सिंह राणा कुमांउनी लोलगायक थे
- हीरा सिंह राणा का जन्म 16 सितम्बर 1942 को अल्मोड़ा जनपद में हुआ था

राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2020 में सर्वश्रेष्ठ गाँवों की श्रेणी में उत्तरी क्षेत्र में उत्तराखंड के धंस गांव को पहला स्थान प्राप्त हुआ -

- राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2020 में सर्वश्रेष्ठ गांवों की श्रेणी में **उत्तरी क्षेत्र** में उत्तराखंड के अल्मोड़ा के धंस पलगाँव को पहला स्थान

- पूर्व में बिहार के तिलारी और पश्चिम में गुजरात के तख्तगढ़ और पूर्वोत्तर में मिजोरम के सिलचर सरचिप को पहला स्थान मिला है
- नेशनल वाटर अवार्ड की शुरुआत जल शक्ति मंत्रालय ने 2018 में की गई थी
- इन पुरस्कारों का उद्देश्य सर्वोत्तम जल संसाधन प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ाना है

पांचवीं इंडो नेपाल चैंपियनशिप -

- अल्मोड़ा की धाविका संगीता किरौला ने नेपाल में आयोजित पांचवीं इंडो नेपाल चैंपियनशिप में 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता है।
- भारतीय शांति खेल महासंघ इंडियन) पैसिफिक स्पोर्ट्स फेडरेशन) की ओर से 28 से 31 जनवरी तक नेपाल में हुई पांचवीं इंडो नेपाल अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया था।
- संगीता वर्ष 2018 और 2019 में भी प्रदेश, राष्ट्रीय स्तर की एथलीट, ताइक्वांडो प्रतियोगिताओं में 50 से अधिक पदक जीत चुकी है।

अल्मोड़ा में बना देश का पहला हिलिंग सेंटर -

- उत्तराखंड वन अनुसंधान ने अल्मोड़ा रानीखेत के कलिका के जंगल में भारत के पहले हिलिंग सेंटर(वन चिकित्सा केंद्र) की स्थापना की
- यह वन चिकित्सा केंद्र जापानी1 तकनीकि पर आधारति है
- इसका उदेश्य तनावग्रस्त लोगों को तनाव से बाहर निकालना है
- यह हिलिंग सेंटर(वन चिकित्सा केंद्र) कलिका जंगल में 13 एकड़ पर फैला हुआ है

उत्तराखंड का पहला Folk God(लोक देवता (– म्यूजियम

- अल्मोड़ा के सल्ट ब्लॉक स्थित मां मनिला देवी के मंदिर में शक्तिपीठ में लोक देवों का संग्रहालय बनाया जा रहा है
- यह उत्तराखंड का पहला फोकडोग म्यूजियम होगा
- इस म्यूजियम का उद्देश्य नई पीढ़ी को अपने लोकदेवों के इतिहास, उत्पति, वीरगाथा से परिचित कराना है

श्री प्रकाश कांडपाल –

- 28 सितंबर 1931 पाली(अल्मोड़ा) में जन्मे श्री प्रकाश कांडपाल 93 वर्ष की उम्र में दिल्ली में 16 फरवरी 2021 को निधन हो गया

श्री प्रकाश कांडपाल जी एक वरिष्ठ अधिवक्ता व समाजसेवी थे

बैडमिंटन टूर्नामेंट "इंडिया ओपन 2022 (India open 2022)" –

- लक्ष्य सेन ने "इंडिया ओपन 2022" में पुरुष एकल का खिताब जीता है
- भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने इंडिया ओपन 2022 के पुरुष एकल

फाइनल में सिंगापुर के विश्व चैंपियन लोह कीन यू को हराकर अपना पहला सुपर 500 खिताब भी हासिल किया

- लक्ष्य सेन उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के हैं

भारत के पहले घास संरक्षण)grass conservatory)' केंद्र

- उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के रानीखेत में 2 एकड़ क्षेत्र में फैले भारत के पहले 'घास संरक्षण केंद्र (grass conservatory)' का उद्घाटन किया गया है
- 14 नवंबर, 2021 को भारत के पहले घास संरक्षण क्षेत्र का उद्घाटन अल्मोड़ा जिले के रानीखेत में किया गया
- इस घास संरक्षण केंद्र का मुख्य उद्देश्य घास प्रजातियों के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना, उनके संरक्षण को बढ़ावा देना और क्षेत्र में अनुसंधान की सुविधा प्रदान करना है

प्रशासनिक ढांचा

विधानसभा सीटें-

1.रानीखेत, 2.सल्ट, 3.द्वारहाट 4.अल्मोड़ा 5.जागेश्वर 6.सोमेश्वर(SC)

तहसील-

1.अल्मोड़ा, 2.सोमेश्वर 3.सल्ट 4.जैंती 5.भनोली 6.चौखुटिया
7.द्वारहाट 8.भिकियासैंण 9.स्याल्दे 10.धौलछीना 11.लमगड़ा 12.रानीखेत

विकासखण्ड-

1.ताकुला 2.भैसियाछाना 3.लमगड़ा 4.सल्ट 5.हवालाबाग 6.चौखुटिया 7.ताड़ीखेत 8.धौलादेवी 9.भिकियासैंण 10.द्वारहाट 11.स्याल्दे

जनंसख्या- 6,22,506
जनघनत्व-198
लिंगानुपात-1139
साक्षरता- 80.47%
पुरुष साक्षरता - 92.86%
महिला साक्षरता - 69.93%

अल्मोड़ा जनपद MCQ

Q1. राजा रुद्र चंद द्वारा रामशिला मंदिर की स्थापना कब कराई गई?
A.1578
B.1588
C.1587
D.1591

Ans- B

Q2. कटारमल का सूर्य मंदिर किस शैली में बना है?
A.कत्यूरी शैली
B.उत्तराखंड शैली
C.हूण शैली
D.नागर शैली

Ans-B

Q3.अल्मोड़ा में स्थित खगमरा किले का निर्माण किस चंद शासक ने कराया
A.कल्याण चंद तृतीय
B.कल्याण चंद द्वितीय
C.भीष्म चंद
D.रुद्र चंद

Ans-C

Q4.रामगंगा नदी व गयास नदी का संगम कहाँ पर होता है
A.रानीखेत
B.भिकियासैंण
C.चौखुटिया
D.ताड़ीखेत

Ans- B

Q5.चंद शासन काल में अल्मोड़ा को किस नाम से पुकारा जाता था?
A.राजक्षेत्र
B.राजपुर
C.रामक्षेत्र
D.रामशिलाक्षेत्र

Ans- B

Q6.आधुनिक रानीखेत की स्थापना कब मानी जाती है?
A.1870
B.1869
C.1859
D.1879

Ans- B

Q7. अल्मोड़ा में राम शिला मंदिर की स्थापना किस चंद शासक ने की
A.भीष्म चंद
B.बाज बहादुर चंद
C.कल्याण चंद
D.रुद्र चंद

Ans-D

Q8.आधुनिक रानीखेत की स्थापना किसके द्वारा की गयी
A.जॉन हैलीन बैटन
B.हेनरी रैमजे
C.एच जी रोस
D.कमिश्नर ट्रेल

Ans- B

Q9.अल्मोड़ा नगर पालिका का गठन कब हुआ?
A.1963
B.1964
C.1862
D.1864

Ans- D

Q10.कुमाऊँ रेजीमेंट का मुख्यालय आगरा से रानीखेत कब स्थानांतरित किया गया
A.1945
B.1947
C.1948
D.1949

Ans- C

Q11.निम्न में से कौन सा मन्दिर अल्मोड़ा में कश्यप पहाड़ी पर स्थित है
A.कटारमल सूर्य मंदिर
B.कसार देवी मंदिर
C.बिनसर महादेव
D.चितई गोलू देवता

Ans-B

Q12.गाँधी कुटिया कहाँ स्थित है?
A.द्वराहाट
B.चौबटिया
C.ताड़ीखेत
D.कौसानी

Ans- C

Q13.ताड़ीखेत में प्रेम विद्यालय की स्थापना की।
A.बद्रीदत्त पांडे
B.गोविंद वल्लभ पन्त
C.भगीरथ पांडे
D.हरगोविंद पन्त

Ans- C

Q14.निम्न में से कौन सा सूर्य मंदिर अल्मोड़ा में स्थित है
A.मंजियाली सूर्य मंदिर
B.पलेठी सूर्य मंदिर
C.कटारमल सूर्य मंदिर
D.कुलसारी सूर्य मंदिर

Ans- C

Q15.द्वारहाट में मंदिरों के कितने समूह हैं
A.2
B.5
C.3
D.4

Ans- C

Q16.कटारमल मंदिर का काष्ठ-निर्मित अलंकृत दरवाजा वर्तमान में कहाँ सुरक्षित रखा गया है?
A.राष्ट्रीय संग्रहालय-नई दिल्ली
B.लोक संस्कृति संग्रहालय- नैनीताल
C.गिरीराज संग्रहालय
D.लंदन संग्रहालय

Ans- A

Q17. 'कुमाऊँ का खजुराहो' किसे कहा जाता है?
A.जागेश्वर
B.द्वाराहाट
C.विभांडेश्वर
D.बैजनाथ

Ans- B

Q18.अल्मोड़ा जनपद का लिंगानुपात है
A.1114
B.1139
C.1145
D.1103

Ans-B

Q19.निम्न में से कोशी नदी की सहायक नदी है
A.बिनो नदी
B.गयास नदी
C.सुयाल नदी
D.सरयू नदी

Ans- C

Q20. कुमाऊँ रेजीमेंट पर कब डाक टिकट जारी हुआ था?
A.1977
B.1980
C.1985
D.1988

Ans- D

Q21.खगमरा किला कहाँ है
A.चम्पावत
B.बागेश्वर
C.अल्मोड़ा
D.चमोली

Ans- C

Q22.रानीखेत का प्राचीन नाम है
A.ठुलखेत
B.झूलादेव
C.ताड़ीखेत
D.बालखेत

Ans- B

Q23.निम्न में से किस स्थल को मंदिरों की नगरी कहा जाता है
A.बैजनाथ
B.हरिद्वार
C.द्वरहाट
D.विभांडेश्वर

Ans- C

Q24.पंडित गोविंद वल्लभ पंत जी ने हैप्पी क्लब की स्थापना कब की
A.1900
B.1902
C.1903
D.1907

Ans- C

Q25.जागेश्वर मंदिर समूह में सबसे प्राचीन मंदिर है
A.जागनाथ मन्दिर
B.महामृत्युंजय मंदिर
C.कुबेर मंदिर
D.पंच केदार मंदिर

Ans-B

Q26.राम शिला मंदिर स्थित है
A.अल्मोड़ा
B.नैनीताल
C.चमोली
D.बागेश्वर

Ans- A

Q27.काशीपुर में प्रेमसभा की स्थापना किसके द्वारा की गयी
A.भगीरथ पांडे
B.बद्रीदत्त पांडे
C.गोविंद वल्लभ पंत
D.हरगोविंद पन्त

Ans- C

Q28.विवेकानंद कृषि अनुसंधान संस्थान की स्थापना कब हुई
A.1924
B.1936
C.1922
D.1929

Ans-A

Q29.अल्मोड़ा जनपद की कौन सी विधानसभा सीट SC हेतु आरक्षित है
A.द्वारहाट
B.सल्ट
C.जागेश्वर
D.सोमेश्वर

Ans-D

Q30.नंदा देवी मंदिर कौन से जनपद में है
A.बागेश्वर
B.नैनीताल
C.अल्मोड़ा
D.चम्पावत

Ans- C

Q31.एकता बिष्ट का सम्बंध किस खेल से है
A.बैडमिंटन
B.निशानेबाजी
C.क्रिकेट
D.हॉकी

Ans- C

Q32.उत्तराखंड लोक कला संस्थान किस जनपद में स्थित है
A.पिथौरागढ़
B.चमोली
C.बागेश्वर
D.अल्मोड़ा

Ans-D

Q33.लक्ष्य सेन का सम्बंध किस खेल से है
A.बैडमिंटन
B.निशानेबाजी
C.क्रिकेट
D.मुक्केबाजी

Ans- A

Q34.उत्तराखंड लोक कला संस्थान किस जनपद में है
A.बागेश्वर
B.चमोली
C.अल्मोड़ा
D.नैनीताल

Ans- C

Q35.निम्न में से कौन सा मेला अल्मोड़ा जनपद में आयोजित नहीं किया जाता
A.श्रावणी मेला
B.स्याल्दे-बिखोती मेला
C.नुणाई मेला
D.नंदादेवी मेला

Ans-C

Q36.अल्मोड़ा के किस स्थल को उत्तर का काशी कहा जाता है
A.द्वारहाट
B.रानीखेत
C.विभांडेश्वर
D.रानीखेत

Ans- C

Q37.लाल मंडी का किला कहाँ है
A.चम्पावत
B.बागेश्वर
C.अल्मोड़ा
D.चमोली

Ans- C

Q38.गोविंद पन्त राजकीय संग्रहालय किस जनपद में स्थित है
A.नैनीताल
B.बागेश्वर
C.अल्मोड़ा
D.चमोली

Ans- C

Q39.अल्मोड़ा जनपद का जनघनत्व है
A.801
B.649
C.549
D.198

Ans-D

Q40.कुमाऊँ में न्याय का देवता माना जाता है
A.गणनाथ
B.गोलू देवता
C.बिनसर महादेव
D.कल्याण देव

Ans-B

Q41.आकलैंड हिल्स किसका प्राचीन नाम है
A.ताड़ीखेत
B.मसुरी
C.रानीखेत
D.चकराता

Ans- C

Q42.हीरा सिंह राणा का निधन 13 जून 2020 को हुआ वे थे
A.पर्यावरणविद
B.राजनेता
C.लोकगायक
D.अभिनेता

Ans- C

Q43.अल्मोड़ा में गुजर देवाल मंदिर निम्न में से कहाँ स्थित है
A.जागेश्वर धाम
B.द्वारहाट
C.रानीखेत
D.ताड़ीखेत

Ans- B

Q44.लक्ष्य सेन ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक जीता उनका सम्बन्ध किस जनपद से है
A.बागेश्वर
B.अल्मोड़ा
C.नैनीताल
D.चम्पावत

Ans- B

Q45.अल्मोड़ा के लक्ष्य सेन ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में स्वर्ण पदक जीता उनका सम्बन्ध किस खेल से है
A.मुक्केबाजी
B.टेबल टेनिस
C.बैडमिंटन
D.भारोत्तोलन

Ans- C

Q46.उत्तराखंड का पहला लोक देवता म्यूजियम कहाँ स्थापित किया गया
A.चितई गोलू मंदिर में
B.वीरणेश्वर महादेव मंदिर
C.कसार देवी मंदिर
D.मनिला देवी मंदिर

Ans- D

Q47.लाल कुर्ती बाजार का सम्बन्ध किस स्थान से है
A.हल्द्वानी
B.बाजपुर
C.रानीखेत
D.द्वराहाट

Ans- C

Q48.मिर्तोला आश्रम किस जनपद में है
A.अल्मोड़ा
B.बागेश्वर
C.नैनीताल
D.चम्पावत

Ans- A

Q49.मजखाली नामक पर्यटक स्थल कहाँ है
A.अल्मोड़ा
B.उत्तरकाशी
C.बागेश्वर
D.चमोली

Ans- A

Q50.अल्मोड़ा के किस स्थान पर हीलिंग सेंटर(वन चिकित्सा केंद्र) स्थापित किया गया

A.ताड़ीखेत
B.रानीखेत
C.द्वारहाट
D.विभांडेश्वर

Ans- B

नैनीताल जनपद

इतिहास-

- स्कंद पुराण के मानसखण्ड में नैनीताल को त्रि-ऋषि सरोवर कहा गया है
- नैनीताल की खोज 1841 में पी बैरन ने की जो कि एक व्यापारी था
- नोट- पी बैरन ने माना है कि उससे पहले नैनीताल की खोज कमिश्नर जार्ज विलियम ट्रेल ने की थी लेकिन ट्रेल ने अपनी इस यात्रा का विवरण नहीं दिया)
- बैरन जब नैनीताल पहुंचा तो उस समय इस क्षेत्र का थोकदार नूर सिंह था
- नैनीताल को झीलों की नगरी या सरोवर नगरी कहा जाता है
- नैनीताल में टिफिन टॉप नामक पर्यटक स्थल स्थिति है
- नैनीताल को प्राचीन में छःखाता(सात झीलें) के नाम से जाना जाता था
- 1854 में नैनीताल को कुमाऊँ कमिश्नरी का मुख्यालय बनाया गया
- 1862 में नैनीताल को उत्तरी-पश्चिमी प्रान्त की ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाया गया
- 1891 को नैनीताल जिले का गठन हुआ

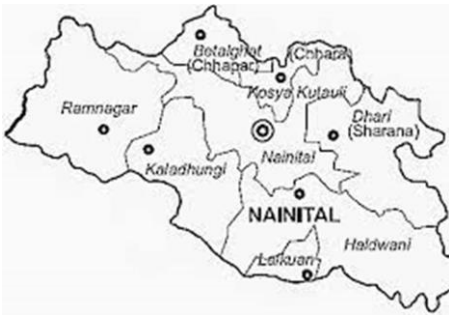

भौगोलिक स्थित-

क्षेत्रफल- 4251 वर्ग Km

पूर्व- चम्पावत

पश्चिम- उत्तर प्रदेश

उत्तर- अल्मोड़ा

दक्षिण- उधम सिंह नगर

- नैनीताल जनपद राज्य के चार जनपदों से सीमा बनाता है- पौड़ी, अल्मोड़ा, चम्पावत, उधम सिंह नगर
- नैनीताल जनपद उत्तरप्रदेश से भी सीमा बनाता है

राष्ट्रीय राजमार्ग-

NH 109- रुद्रपुर-हल्द्वानी-नैनीताल-रानीखेत-गैरसैण

NH 309- रुद्रपुर-काशीपुर-रामनगर-थलीसैंण

नैनीताल जनपद के प्रमुख स्थल

1.हल्द्वानी-

- हल्द्वानी का प्राचीन नाम बमोरी था, हल्दू पेड़ो की अधिकता के कारण यहाँ का नाम हल्द्वानी पड़ा
- हल्द्वानी गोला नदी के तट पर स्थित है
- हल्द्वानी कुमाऊँ का सबसे बड़ा नगर है व देहरादून तथा हरिद्वार के बाद राज्य का तीसरा सबसे बड़ा नगर है
- हल्द्वानी को 1834 में विलियम ट्रेल ने बसाया था
- हल्द्वानी राज्य का सबसे बड़ा ब्यापारिक नगर है
- 24 अप्रैल 1884 को लखनऊ से हल्द्वानी पहली रेलगाड़ी पहुंची
- 1966 को हल्द्वानी नगरपालिका बना व वर्ष 2011 में नगर निगम बनाया गया

2.काठगोदाम-

- काठगोदाम कुमाऊँ का प्रवेश द्वार कहा जाता है
- काठगोदाम का अर्थ- काठ(लकड़ी) का गोदाम
- काठगोदाम रेलवे स्टेशन 1884 में शुरू हुआ व 1894 में काठगोदाम में रेलवे की बड़ी लाइन बनाई गयी
- काठगोदाम को पहले चौहान पाटा के नाम से जाना जाता था
- चंद शासन काल में काठगोदाम को बाड़ाखोड़ी या बाड़ाखेड़ीब नाम से जाना जाता था

3.भुवाली(भवाली)-

- भुवाली पर्वतीय फल बाजार के रूप में प्रसिद्ध है
- भुवाली में 1912 में टी•बी सैनिटोरियम अस्पताल की स्थापना की गयी
- उत्तराखंड न्यायिक व विधिक अकादमी भवाली में स्थित है

4.रामगढ़-

- रामगढ़ को कुमाऊँ का फलों का कटोरा(Fruit bowl of kumaon) कहा जाता है
- टैगोर टॉप नामक स्थल रामगढ़ में स्थित है
- आचार्य नरेंद्र देव ने रामगढ़ में ही बौद्ध दर्शन नामक ग्रन्थ की रचना की
- रामगढ़ में महादेवी वर्मा संग्रहालय स्थित है
- रामगढ़ में गागर नामक पर्यटक स्थल है

5.रामनगर-

- यह स्थल कोसी नदी के तट पर स्थित है
- रामनगर को कमिश्नर रैमजे ने बसाया था
- महाभारतकाल में रामनगर का नाम'अहचतु' था
- रामनगर में प्रसिद्ध गर्जिया देवी मंदिर स्थित है
- कार्बेट नेशनल पार्क का प्रवेश द्वार ढिकाला रामनगर में स्थित है

6. ज्योलिकोट हिल स्टेशन- ज्योलिकोट हिल स्टेशन को नैनी झील का गेटवे कहा जाता है

नैनीताल के प्रमुख मंदिर

1.शीतला माता मंदिर-
यह मंदिर नैनीताल में स्थित है
स्कंद पुराण में माता शीतला को वाहन गर्दभ कहा गया है

2.कैंची धाम-

- यह नैनीताल के भवाली में स्थित है
- कैंची धाम में बाबा नीम करौली महाराज का मंदिर है
- बाबा नीम करौली इस स्थान पर 1962 में आये थे
- 15 जून 1964 को इस मंदिर की स्थापना की गयी

3.गोलू देवता मंदिर घोड़ाखाल-
गोलू देवता को उत्तराखंड में न्याय के देवता के रूप में पूजा जाता है

4.नैना देवी मंदिर-

- यह मंदिर नैनीताल में नैनीझील के किनारे मल्लीताल के पास स्थित है
- इसकी स्थापना 1842 में की गयी
- इस मंदिर में माता सती के नयन(आंख) गिरे थे इसलिए यहाँ पर माता सती का शक्तिपीठ स्थापित हुआ

5.कालीचोड़ मंदिर- यह मंदिर काठगोदाम से 6km दूर स्थित माँ काली को समर्पित है

6.मुक्तेश्वर महादेव मंदिर- यह मंदिर नैनीताल जनपद के मुक्तेश्वर में स्थित है

7.गांधी मंदिर- यह मंदिर नैनीताल के ताकुला गॉव में स्थित है

8.पाषाण देवी मंदिर-

9.नैनीताल का मैथोडिस्ट चर्च-

- यह भारत व एशिया का पहला मैथोडिस्ट चर्च है
- 1858 में विलियम बटलर ने कमिश्नर हेनरी रैमजे की मदद से इसकी स्थापना की

नैनीताल के प्रमुख मेले

1.हरियाली मेला- यह मेला नैनीताल जनपद के भीमताल में श्रावण संक्रांति के दिन लगता है।

2.सीतावनी मेला-

- यह मेला नैनीताल जनपद के रामनगर में 22 km दूर सीतावनी मन्दिर में लगता है
- सीतावनी मन्दिर माता सीता को समर्पित है।

3.जियारानी का मेला- यह मेला नैनीताल के रानीबाग में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है

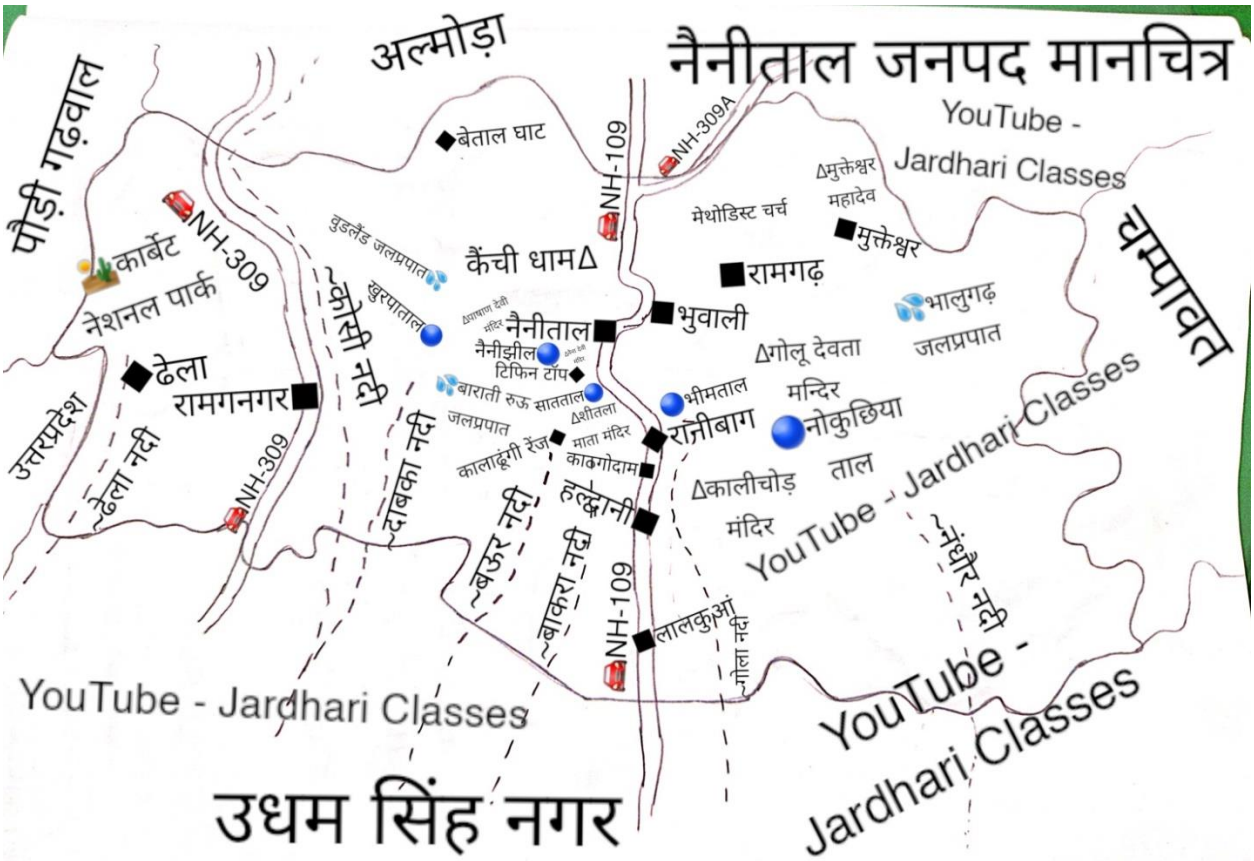

नैनीताल जनपद नदी तंत्र, प्रमुख झील, जलप्रपात

नदी तंत्र

1.ढेला नदी

2.कोसी नदी-

उद्गम- कौसानी(बागेश्वर)

बागेश्वर, अल्मोड़ा, नैनीताल व ऊ०सि०न० से होकर 168 Km बहने के पश्चात रामगंगा से मिल जाती है

3.दाबका नदी-

उद्गम- नैनीताल जिले के गरमपानी नामक स्थान से

राज्य से बाहर निकलती है-

बाजपुर(ऊ०सि०न०) से

4.बाकरा नदी-

उद्गम- नैनीताल

राज्य से बाहर निकलती है-

खानपुर(ऊ०सि०न०)

5.बउर नदी-

उद्गम- नैनीताल के कालाढूंगी रेंज से

6.गोला नदी-

उद्गम- नैनीताल के पहाड़पानी से

नैनीताल व ऊ०सि०न० में 102 Km बहने के बाद किच्छा के पास राज्य से बाहर निकलती है

नैनीताल की प्रमुख झील/ताल-

1.नैनीताल(नैनीझील)-

लम्बाई- 1430m

चौड़ाई- 465m

गहराई-16-26m

- नैनीताल को स्कंद पुराण में त्रि-ऋषि सरोवर कहा गया है। नैनीताल सात पहाड़ियों से घिरा है- चीना पीक(नैना पीक) , देव पात, आलमसरिया कांटा, हाड़ीवादी, शेर का डांडा, आयरपात, स्नोब्यू) इन पहाड़ियों में सबसे ऊंची चीना पीक है।
- नैनीताल के मध्य में एक टापू(चटान) है जिसके उत्तरी भाग को मल्लितला व दक्षिणी भाग को तल्लीतला कहा जाता है।

2.भीम ताल-

लम्बाई- 1674m

चौड़ाई-447m

गहराई-26m

- भीमताल कुमाँऊ क्षेत्र की सबसे बड़ी झील है।
- भीमताल के निकट भीमेश्वर महादेव मंदिर है।

3. नोकुछिया ताल-

लम्बाई- 950m चौड़ाई-680m

गहराई-40m

- नोकुछिया ताल कुमाँऊ की सबसे गहरी झील है।
- इस झील के नो कोने हैं इसलिये इसे नोकुछिया ताल कहा जाता है।

4. सातताल-

सातताल सात तालों का समूह है जिनमें वर्तमान में कई सूख गयी हैं।

नल-दमयंती ताल

गरुड़ ताल

पूर्ण ताल

सूखा ताल

लक्ष्मण ताल

राम ताल

सीता ताल

नल दमयंती ताल-इस ताल के पांच कोने हैं। पौराणिक कथा के अनुसार राजा नल व उनकी पत्नी ने यहां पर वास किया था।
पोराणिक मान्यताओं के कारण इस ताल में मछलियां नही पकड़ते हैं।

गरुड़ ताल-स्थानीय लोगों की मान्यताओं के अनुसार इस झील के पास पांडवो ने वनवास के दौरान वास किया था।
द्रोपदी ने यहाँ पर अपनी रसोई बनायी थी।
द्रोपदी द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला सिलबट्टा आज भी यहां मौजूद है।

राम-लक्ष्मण-सीता ताल-

ये तीनों ताल एक साथ जुड़े हुए हैं ।
यहां पर राम-लक्ष्मण-सीता ने वास किया था।
पांडवो ने भी यहां पर वास किया था व माना जाता है कि भीम ने हिडिम्ब राक्षस का वध यहां पर किया था।

सूखा व पूर्ण ताल-इस ताल का अस्तित्व लगभग समाप्त हो चुका है।

5. खुरपाताल-

खुरपाताल नैनीताल से 12Km दूर नैनीताल-कालाढूंगी मार्ग पर स्थित है।
इस झील का आकार जानवर के खुर के समान है इसलिये इसे खुरपाताल कहा जाता है।

नैनीताल में स्थित जलप्रपात

1.कार्बेट जल प्रपात
2.वुडलैंड जलप्रपात
3.भालुगढ़ जलप्रपात
4.बाराती रो
5.पदमपुरी जलप्रपात
6.ढोकानी जलप्रपात

राष्ट्रीय उद्यान/ वन्य जीव विहार

1.कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान:-

- स्थापना:- 1936
- स्थित- पोड़ी व नैनीताल
- क्षेत्रफल:- 520.82 वर्ग KM
- यह राष्ट्रीय उद्यान 1936 मैं हेली राष्ट्रीय उद्यान के नाम से स्थापित हुआ।
- स्वंतंत्रता के बाद इस पार्क का नाम रामगंगा नेशनल पार्क व 1957 में पुनः बदलकर इसका नाम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान रखा गया।
- यह उद्यान भारत का ही नहीं बल्कि एशिया का भी प्रथम राष्ट्रीय उद्यान है.।
- इस पार्क का प्रवेश द्वार नैनीताल जनपद के ढिकाला(रामनगर) में है ।
- 1 अप्रैल 1973 को भारत में प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत इसी पार्क से हुई।
- कार्बेट नेशनल पार्क भारत का पहला प्रोजेक्ट टाइगर (बाघ संरक्षित) पार्क घोषित किया गया।
- प्रमुख जीव- बाघ, हाथी, तेंदुआ, हिरन, सांभर, मगरमच्छ, आदि।

2.नंधौर वन्य जीव विहार-

- स्थापना – 2012
- स्थित- नैनीताल व चम्पावत
- क्षेत्रफल- 269.95 वर्ग किमी
- वन्य जीव- बाघ, लंगूर ,भालू आदि।

नैनीताल में स्थित प्रमुख संस्थान

1.भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान)Indian Veterinary Research Institute)-

- स्थापना -1893
- स्थान(मुक्तेश्वर(नैनीताल -
- इस संस्थान की स्थापना 1889 में पुणे में इम्पीरियल बैक्टरियोलॉजिकल लैबोरेटरी के नाम से हुई
- 1893 में इम्पीरियल बैक्टरियोलॉजिकल लैबोरेटरी को मुक्तेश्वरनैनीताल) में स्थानांतरित किया) गया
- 1915 में इज्जतनगर)UP) में इसका मुख्य केंद्र बनाया गया
- 1925 में इसका नाम बदलकर Imperial Institute of Veterinary research (IIVR) किया गया
- स्वन्त्रता के बाद इसका नाम IVRI(भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थानरखा गया (

2.केंद्रीय हिमालयी पर्यावरण संघ)Central Himalayan Environment Association)-

- स्थापना -1981
- स्थितनैनीताल -

3.टरार अनुसंधान केंद्र -नैनीताल

4.आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान)Aryabhatta Research Institute of Observational Sciences)- ARIES

- स्थापना -1954 में वाराणसी
- 1955 में इसे नैनीतालशेर का डांडा) में) स्थापित किया गया
- 1961 में ARIES को नैनीताल के मनोरा पहाड़ी पर स्थानन्तरित किया गया

महत्वपूर्ण- एशिया की सबसे बड़ी दूरबी)एरीज -ARIES) उद्घाटन -2016 PM मोदी व बेल्जियम के प्रधानमंत्री चार्ल्स माइकल द्वारा

5.राष्ट्रीय शीत जल मत्स्यकीय अनुसंधान केंद्र- भीमताल(नैनीताल)

6.डॉ आर एस टोलिया उत्तराखंड प्रशासनिक अकादमी(Dr. R. S. Tolia Uttarakhand Administrative Academy)

7.राज्य कैंसर संस्थान(State Cancer Institute)- हल्द्वानी(नैनीताल)

8.मलेरिया शोध व उन्मूलम केंद्र- भवाली(नैनीताल)

9.गेठिया टी०बी० सेनिटोरियम- भवाली(नैनीताल)

10.उत्तराखंड न्यायिक एवं विधिक अकादमी(Uttrakhand Judicial and Legal Academy) - भवाली(नैनीताल)

11.प्रशिक्षण एवं सेवायोजना निदेशालय- हल्द्वानी(नैनीताल)

12.उत्तराखंड शिक्षा एवं परीक्षा परिषद-
गठन- 22 सितम्बर 2001
स्थित- रामनगर नैनीताल

13.उत्तराखंड उच्च शिक्षा निदेशालय-
स्थापना- जुलाई 2001
स्थित- हल्द्वानी

14.उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय -

- स्थापना- 2005
- स्थित- हल्द्वानी
- उत्तराखंड अवासीय विश्व विश्विद्यालय- अल्मोड़ा 2016

15.इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय खेल स्टेडियम(हल्द्वानी)
स्थापना- 18 दिसम्बर 2016
उद्घाटन- हरीश रावत
क्षमता- 25,000
यह स्टेडियम हल्द्वानी में गोला नदी के तट पर स्थित है

समसामयिक घटनायें

देश का पहला मॉस गार्डन नैनीताल **जनपद में विकसित किया गया -**

- स्थापना- 20 नवंबर 2020
- उद्घाटन - राजेन्द्र सिंह(वाटर मैन ऑफ इंडिया)

उद्देश्य -मॉसब्रायोफाइटा) की विभिन्न) प्रजातियों का सरक्षंण

उत्तराखंड का सबसे बड़ा जैव विविधता पार्क)biodiversity park) हल्द्वानी **में स्थापित-**

- 5 जून 2020 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तराखंड वन विभाग के द्वारा हल्द्वानी में उत्तराखंड के सबसे बड़े जैव विविधता उद्यान का शुभारम्भ किया गया।

नैनीताल जनपद में राज्य का पहला इको ब्रिज का निर्माण किया गया-

- उद्देश्य- सरीसृप जंतुओं की सुरक्षा हेतु
- लंबाई-90 फीट
- ऊँचाई- 40 फीट
- चौड़ाई-5 फीट
- उत्तराखंड वन विभाग द्वारा नैनीताल में उत्तराखंड का पहला इको ब्रिज बनाया गया

उत्तराखंड के नैनीताल जनपद में लगाई गयी भारत की पहली तरल दर्पण दूरबीन -

- India's First Liquid Mirror Telescope (I LMT) भारत का पहला तरल दर्पण दूरबीन उत्तराखंड में नैनीताल जिले में लगाई गई।
- लिक्विड मिरर टेलीस्कोप, जो एशिया में सबसे बड़ा है, सुपरनोवा, गुरुत्वाकर्षण लेंस, अंतरिक्ष मलबे और क्षुद्रग्रहों जैसी क्षणिक या परिवर्तनशील वस्तुओं की पहचान करने के लिए ओवरहेड आकाश का निरीक्षण करेगा . इंडियन लिक्विड मिरर टेलीस्कोप)ILMT) नामक टेलीस्कोप, आकाश का सर्वेक्षण करने में मदद करेगा, और कई आकाशगंगाओं और अन्य खगोलीय पिंडों को केवल ऊपर आकाश की पट्टी को देखकर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग)DST) को देखना संभव बना देगा.

नरेंद्र मेहरा का नाम ' मैजिक बुक आफ रिकार्ड ' हुआ दर्ज -

- नैनीताल जिले के निवासी प्रगतिशील किसान नरेन्द्र मेहरा ने एक पौध से 25 किलो हल्दी उत्पादित करने का राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया है
- मैजिक बुक आफ रिकार्ड ने मेहरा को नेशनल रिकार्ड 2022 प्रदान किया है।
- राष्ट्रीय स्तर पर अभी तक यह रिकार्ड किसी के नाम नहीं था।

उत्तराखंड में 'उत्तर भारत के सबसे बड़े पामेटम)palmetum)' का उद्घाटन –

- उत्तराखंड वन विभाग ने 26 सितंबर 2021 को राज्य के पहले तथा उत्तर भारत के सबसे बड़े पामेटम का उद्घाटन किया है

- इसे नैनीताल जिले के हल्द्वानी क्षेत्र में विकसित किया गया है
- इसमें ताड़(palm) की 110 प्रजातियां शामिल है.
- उद्देश्य – इस पामेटम के उद्घाटन का मुख्य उद्देश्य संरक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देना और विभिन्न ताड़(palm)की प्रजातियों के महत्व और पारिस्थितिक भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा करना है

नैनीताल जिले के रहने वाले किसान नरेंद्र मेहरा ने गेहूं का बीज विकसित किया है जिसको भारत सरकार ने नरेंद्र 09 के नाम से पेटेंट कर लिया है.

प्रशासनिक ढांचा-
विधानसभा सीट-
1.भीमताल 2.हल्द्वानी 3.कालाढूंगी 4.रामनगर 5.लालकुआं 6.नैनीताल(Sc)
तहसील-
नैनीताल, हल्द्वानी, रामनगर, कालाढूंगी, बेतालघाट, ओखलाकांडा, लालकुआं, कुश्या कटौली, धारी
विकासखंड-
ओखलाकांडा, रामनगर, हल्द्वानी, कोटाबाग, रामगढ़, भीमताल, बेतालघाट, धारी

जनसंख्या- 9,54,605
जनघनत्व-225
लिंगानुपात- 934
साक्षरता दर- 83.88%
पुरुष साक्षरता- 90.07%
महिला साक्षरता दर- 77.29%

https://youtube.com/c/JARDHARICLASSES

JARDHARI CLASSES

उत्तराखंड की परीक्षाओं की तैयारी हेतु जुड़ें हमारे साथ हमारे YouTube Channel – Jardhari Classes के साथ निशुल्क कोर्स- Uttarakhand Gk,Indian GK, हिन्दी, रीजनिंग ,सम्पूर्ण कोर्स

नैनीताल जनपद MCQ

Q1.भवाली में टी•बी सैनिटोरियम अस्पताल की स्थापना कब की गयी
A.1910
B.1912
C.1918
D.1991

Ans- B

Q2.उत्तराखंड मुक्त विश्विद्यालय हल्द्वानी की स्थापना कब हुई
A.30 अक्टूबर 2005
B.31 अक्टूबर 2005
C.30 अक्टूबर 2004
D.31 अक्टूबर 2004

Ans- B

Q3.भवाली टीबी सेनोटोरियम की स्थापना किस वर्ष हुई
A.1910
B.1911
C.1912
D.1914

Ans- C

Q4.ढिकाला किस राष्ट्रीय उद्यान का प्रवेश द्वार है
A.राजाजी राष्ट्रीय उद्यान
B.फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान
C.कार्बेट नेशनल पार्क
D.गोविंद राष्ट्रीय उद्यान

Ans- C

Q5.नैनीताल की खोज किस ब्रिटिश यात्रा ने की थी
A.हेनरी रैमजे
B.ई• गार्डननर
C.ई• टी• एटकिंसन
D.पी• बैरन

Ans-D

Q6.बमोरीघाट नामक प्रसिद्ध स्थल है
A.हल्द्वानी
B.काठगोदाम
C.उत्तरकाशी
D.चमोली

Ans- B

Q7.महादेवी वर्मा संग्रहालय कहाँ है
A.नैनीताल
B.अल्मोड़ा
C.बागेश्वर
D.चमोली

Ans- A

Q8.प्रसिद्ध गर्जिया देवी मंदिर किस नदी के किनारे स्थित है
A.नयार नदी
B.कोसी नदी
C.टोंस नदी
D.पिण्डर नदी

Ans- B

Q9.कुमाऊँ क्षेत्र की सबसे बड़ी झील है
A.नोकुछिया ताल
B.भीमताल
C.सातताल
D.खुरपाताल

Ans- B

Q10.टैगोर टॉप नामक स्थान कहाँ है
A.हल्द्वानी
B.रामगढ
C.काठगोदाम
D.भुवाली

Ans- B

Q11.गागर नामक पर्यटक स्थल है
A.गुप्तकाशी
B.ऋषिकेश
C.रामगढ
D.उत्तरकाशी

Ans- C

Q12.निम्न में से चौहान पाटा किसका प्राचीन नाम है
A.हल्द्वानी
B.लोहाघाट
C.काठगोदाम
D.कालाढूंगी

Ans- C

Q13.उत्तराखंड न्यायिक व विधिक अकादमी कहाँ स्थित है
A.भवाली
B.कालाढूंगी
C.काठगोदाम
D.रामनगर

Ans- A

Q14.हल्द्वानी किस नदी के किनारे बसा हुआ है
A.गोला
B.कोसी
C.रामगंगा
D.हेंवल

Ans- A

Q15.ट्रेल द्वारा आधुनिक हल्द्वानी को कब बसाया गया
A.1832
B.1833
C.1834
D.1835

Ans- C

Q16.स्कंद पुराण में नैनीताल को कहा गया है
A.नैनीसरोवर
B.सरोवर नगरी
C.ऋषि नगरी
D.त्रि-ऋषि सरोवर

Ans- D

Q17.टैगोर टॉप नामक स्थल स्थित है
A.रामनगर
B.काठगोदाम
C.रानीखेत
D.रामगढ़

Ans- D

Q18.नैनीझील की सबसे ऊँची चोटी कौन सी है
A.अयरापात
B.चाइना पीक
C.शेर का डांडा
D.स्नोव्यू

Ans- B

Q19.नैनीताल को कुमाऊँ कमिश्नरी का मुख्यालय कब बनाया गया
A.1852
B.1854
C.1856
D.1858

Ans- B

Q20.कुमाऊँ का प्रवेश द्वार कहा जाता है
A.काठगोदाम
B.भवाली
C.रानीखेत
D.रुद्रपुर

Ans- A

Q21.उत्तराखंड उच्च न्यायालय भवन का निर्माण किस शैली से हुआ
A.नागर शैली
B.लैटिन शैली
C.विक्टोरिया शैली
D.गोथिक शैली

Ans- D

Q22.फांसी गदेरा नामक स्थान किस जिले में है
A.नैनीताल
B.उधम सिंह नगर
C.चम्पावत
D.बागेश्वर

Ans- A

Q23.कुमाऊँ का फलों का कटोरा(Fruit bowl of kumaon) कहा जाता है
A.रामनगर
B.काठगोदाम
C.रानीखेत
D.रामगढ़

Ans- D

Q24.कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना कब की गयी
A.1932
B.1935
C.1936
D.1939

Ans- C

Q25.टिफिन टॉप किस जनपद में है
A.बागेश्वर
B.नैनीताल
C.टिहरी
D.चम्पावत

Ans- B

Q26.ढिकाला को किसका प्रवेशद्वार कहा जाता है?
A.नैनीताल का
B.हल्द्वानी का
C.कैंचीधाम का
D.कार्बेट पार्क का

Ans- D

Q27.नैनी झील का गेटवे कहा जाता है
A.कालाढूंगी
B.काठगोदाम
C.ज्योलिकोट
D.रामनगर

Ans- C

Q28.नैनीताल जनपद का गठन कब किया गया
A.1890
B.1891
C.1892
D.1894

Ans- B

Q29.रामगढ़ में किसकी स्मृति में एक संग्रहालय बनाया गया है?
A.जिम कार्बेट
B.शैलेश मटियानी
C.महादेवी वर्मा
D.सरला बहन

Ans- C

Q30.उत्तराखंड का सबसे बड़ा जैव विविधता पार्क कहाँ स्थापित किया गया
A.रानीखेत
B.चमोली
C.हल्द्वानी
D.द्वराहाट

Ans- C

Q31.कुमाऊँ क्षेत्र की सबसे गहरी झील है
A.नोकुछिया ताल
B.भीमताल
C.सातताल
D.खुरपाताल

Ans- A

Q32.नैनीझील कितनी पहाड़ियों से घिरी हुई है
A.5
B.6
C.7
D.8

Ans- C

Q33.राज्य का पहला इको ब्रिज कहाँस्थापित किया गया
A.नैनीताल
B.अल्मोड़ा
C.बागेश्वर
D.चमोली

Ans- A

Q34.भारत की पहली तरल दर्पण दूरबीन कहाँ स्थापित की गयी
A.नैनीताल
B.अल्मोड़ा
C.बागेश्वर
D.चमोली

Ans- A

Q35.कैंची धाम निम्न में से कौन से जनपद में स्थित है
A.उधम सिंह नगर
B.अल्मोड़ा
C.चम्पावत
D.नैनीताल

Ans-D

Q36.निम्न में से नैनीताल जनपद में स्थित जलप्रपात है
A.वुडलैंड जलप्रपात
B.हार्डी जलप्रपात
C.भुरमुनी जलप्रपात
D.खेड़ी जलप्रपात

Ans- A

Q37.टरार अनुसंधान केंद्र कहाँ है
A.अल्मोड़ा
B.नैनीताल
C.बागेश्वर
D.चम्पावत

Ans- B

Q38.नंधौर वन्य जीव विहार कहाँ स्थित है
A.नैनीताल
B.अल्मोड़ा
C.बागेश्वर
D.चमोली

Ans- A

Q39. भारत का पहला मैथोडिस्ट चर्च स्थित है
A.देहरादून
B.हरिद्वार
C.नैनीताल
D.अल्मोड़ा

Ans- C

Q40.हल्द्वानी कौन सी नदी के तट पर स्थित है
A.ढेला नदी
B.दाबका नदी
C.कोसी नदी
D.गोला नदी

Ans- D

Q41.चौहान पाटा किसका प्राचीन नाम है
A.रामनगर
B.हल्द्वानी
C.काठगोदाम
D.भवाली

Ans- C

Q42.हल्द्वानी की जीवन रेखा किसे माना जाता है?
A.क्षिप्रा नदी
B.पश्चिमी रामगंगा
C.गौला नदी
D.इनमें से कोई नहीं

Ans- C

Q43.बाराती रुऊ जलप्रपात किस जनपद में स्थित है
A.पिथौरागढ़
B.नैनीताल
C.देहरादून
D.टिहरी

Ans- B

Q44.शीतला माता मंदिर कहाँ स्थित है
A.पिथौरागढ़
B.बागेश्वर
C.नैनीताल
D.चम्पावत

Ans- C

Q45.नंधौर वन्य जीव विहार, नैनीताल की स्थापना कब की गई?
A.दिसंबर 2012
B.सितंबर 2012
C.जून 2012
D.अक्टूबर 2012

Ans- A

Q46.हल्द्वानी नगर निगम कब बनाया गया?
A.2009
B.2010
C.2011
D.2012

Ans- C

Q47.निम्न में से कौन सी विधानसभा सीट SC हेतु आरक्षित है
A.लालकुआं
B.नैनीताल
C.कालाढूंगी
D.हल्द्वानी

Ans- B

Q48.नाहन पर्वत श्रृंखलाएँ कहाँ स्थित हैं?
A.नैनीताल
B.मुक्तेश्वर
C.हल्द्वानी
D.रामनगर

Ans- C

Q49.टिफिन टॉप कहाँ स्थित है
A.नैनीताल
B.भीमताल
C.रानीखेत
D.हल्द्वानी

Ans- A

Q50.ट्रेल द्वारा आधुनिक हल्द्वानी को कब बसाया गया
A.1832
B.1833
C.1834
D.1835

Ans- C

चम्पावत जनपद

चम्पावत का इतिहास

- चम्पावत का मूल नाम चम्पावती था
- चम्पावत की स्थापना चंद वंश के संस्थापक सोम चंद ने की
- सोमचंद इलाहाबाद के झूसी नामक स्थान से यहाँ आया व कत्यूरी शासक ब्रह्मदेव की पुत्री चम्पा से विवाह किया व उसके नाम पर अपनी राजधानी का नाम चंपावती रखा
- सोमचंद ने चंपावत में राजबुंगा किला का निर्माण कराया
- 1872 में चंपावत को तहसील का दर्जा दिया गया
- चंपावत जिले की स्थापना 15 सितम्बर 1997 में हुई
- चंपावत चम्पावती नदी व गड़कीगाड़ के संगम पर बसा हुआ है

भौगोलिक स्थित

पूर्व - नेपाल

पश्चिम - नैनीताल

उत्तर - पिथौरागढ़

दक्षिण - उधम सिंह नगर

चम्पावत राज्य के 4 जनपदों से सीमा बनाता है

क्षेत्रफल - 1766 वर्ग KM (क्षेत्रफल की द्रष्टि से राज्य का सबसे छोटा जनपद)

राष्ट्रीय राजमार्ग -

NH 09 - रामपुर(up)-रुद्रपुर--खटीमा-टनकपुर - चम्पावत - पिथोरागढ़

चम्पावत जनपद के प्रमुख स्थल

1.टनकपुर -

- टनकपुर का प्राचीन नाम ग्रास्टिगंज था
- टनकपुर में प्रसिद्ध बरमदेव मंडी थी जिसका निर्माण कत्युरी शासकों ने कराया था जो 1880 में शारदा नदी(काली नदी) में बाढ़ आने से बह गयी
- 1890 में अंग्रेज सैलानी लार्ड टलक एवं मंजर हसी इस स्थान पर आये व यहाँ निवास के लिये बंगले बनवाये
- इस स्थान का नाम लार्ड टलक के नाम पर पहले टलकपुर व बाद में टनकपुर पड़ा
- डॉ ए पी जी अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी संस्थान- टनकपुर

2.लोहाघाट-

- लोहाघाट को पुराणों में लोहार्गल कहा गया है
- लोहाघाट चम्पावत में लोहावती नदी के तट पर स्थित है
- लोहाघाट में मानेश्ववर मंदिर स्थित है जिसका निर्माण राजा निर्भय चंद ने कराया
- लोहाघाट में महाभारतकालीन बाणासुर का किला व माँ वाराही देवी मंदिर स्थित है

3.बनबसा -

- यह चम्पावत व नेपाल की सीमा पर स्थित है
- बनबसा में शारदा नदी(काली नदी) पर बनबसा बैराज स्थित है इस बैराज से शारदा नहर उधम सिंह नगर की और व महाकाली नदी नेपाल की और निकल जाती जाती है

4.राजबुंगा किला-

- राजबुंगा किला का निर्माण चम्पावत में राजा सोमचंद ने कराया
- राजबुंगा किले के प्रवेश द्वार खंड में सिंह का अंकन है इसलिए इसे सिंह द्वार भी कहा जाता है
- किले का प्रवेश द्वार दक्षिण में तथा निकासी द्वार उत्तर में है

चंपावत जनपद के प्रमुख मंदिर

1.पूर्णागिरि देवी मंदिर-

यह मंदिर टनकपुर से 20 km दूर अनपूर्णा पहाड़ी की चोटी पर स्थित है
यहाँ माता सती की शरीर की नाभि अंग गिरी थी
चैत्र नवरात्र को यहाँ मेला लगता है

2.वाराही देवी मंदिर-

वाराही देवी मंदिर में हर साल रक्षाबंधन के दिन पाषाण युद्ध(पत्थरों का युद्ध) खेला जाता है

3.बालेश्वर धाम मंदिर-

- यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है
- बालेश्वर धाम मंदिरों का समूह है इसका निर्माण चंद शासकों ने 10वीं-12वीं सदी में कराया था
- इस मंदिर का निर्माण जगन्नाथ मिस्त्री(वास्तुकार) ने किया ऐसा माना जाता है कि मंदिर निर्माण पूर्ण होने के बाद चंद शासकों ने जगन्नाथ मिस्त्री का एक हाथ काट दिया था
- बालेश्वर मंदिर को 1952 में राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित किया गया

एक हथिया नोला-

- इसका निर्माण चंपावत में जगन्नाथ मिस्त्री ने एक हाथ से अपनी बेटी की सहायता से किया
- इसे बावली के नाम से भी जाना जाता है

4.घटोत्कच(घटकु)मंदिर -

- चम्पावत में स्थित यह मंदिर महाभारतकालीन भीम पुत्र घटोत्कच का है
- माना जाता है कि इस स्थान पर घटोत्कच का सिर गिरा था

5.खेतीखान सूर्य मंदिर -

- इस मंदिर में दीप महोत्सव का आयोजन किया जाता है

6.पंचेश्वर महादेव मंदिर-

- पंचेश्वर महादेव मंदिर लोहाघाट से 40km दूर काली एवं सरयू नदी के संगम पर स्थित है
- यह स्थल चम्पावत-पिथौरागढ़-नेपाल सीमा पर स्थित है
- यहाँ पर शिव भगवान की आराधना चामू(चैमु या चोमुँह) रूप में की जाती है
- चोमुँह को पशु रक्षक के रूप में पूजा जाता है

7.रीठा साहिब गुरुद्वारा-

- चम्पावत से 72km दूर यह ड्यूरी गांव में स्थित है
- इस गुरुद्वारे का निर्माण 1960 में किया गया
- माना जाता है कि इस स्थल की यात्रा गुरु नानक जी ने की थी
- यहाँ पर एक खास तरह के मीठे रीठे का पेड़ है
- यह रतिया व लधिया नदी के तट पर स्थित है

8.अद्वैत आश्रम(मायावती आश्रम) -

- यह आश्रम लोहाघाट से 8km दूर स्थित है
- अद्वैत आश्रम रामकृष्ण मठ की एक शाखा है जो कि चम्पावत जिले में स्थित है
- स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा से उनके शिष्य स्वामी स्वरूपानंद व अंग्रेज शिष्य जे०एच०सोवियर एव उनकी पत्नी सी०ई० सोवियर ने इस आश्रम को 19 मार्च 1899 में स्थापित किया
- 3 जनवरी 1901 को स्वामी विवेकानंद यहाँ पर आये व 15 दिन तक यहाँ रुके

9.क्रान्तेश्वर महादेव मंदिर-

- यह मंदिर चम्पावत में कूर्म पर्वत शिखर पर स्थित है।
- यहाँ पर भगवान विष्णु ने कूर्मावतार लिया था
- स्कंद पुराण के मानसखंड में कूर्म नाम के पर्वत का विवरण है

10.मानेश्वर मन्दिर

11.हिंगला देवी मंदिर

चम्पावत जनपद प्रमुख मेले

1.पूर्णागिरि मेला-

- पूर्णागिरि मेला उत्तराखंड राज्य के चम्पावत के टनकपुर के पास पूर्णगिरि मन्दिर में लगता है
- पूर्णगिरि मन्दिर अन्नपूर्णा शिखर पर स्थित है।
- श्री पूर्णगिरि मन्दिर की गणना माता सती के शक्तिपीठों में की जाती है।
- यह मेला चैत्र की नवरात्रि में लगता है

2.बग्वाल मेला(आषाढ़ी मेला)- या देवीधुरा मेला-

- यह मेला चम्पावत जनपद के मां वाराहीदेवी मन्दिर(देवीधुरा) में प्रतिवर्ष श्रावण मास में आयोजित किया जाता है।
- इस मेले में रक्षाबंधन के दिन बग्वाल (पाषाण युद्ध) खेली जाती है।
- इस बग्वाल में दो गुटों के लोग एक दूसरे पर पत्थर फेंकते हैं।

3.लड़ी धुरा मेला-

- यह मेला चम्पावत जनपद के बाराकोट में कार्तिक पूर्णिमा में आयोजित होता है।

4.मानेश्वर मेला-

- यह मेला चम्पावत के मायावती आश्रम के पास आयोजित होता है।
- मायावती आश्रम रामकृष्ण मठ की एक शाखा है।
- मायावती आश्रम(अद्वैत आश्रम) की स्थापना स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा से 19 मार्च 1899 में जे एच सोवियर द्वारा किया गया।

5.गोरा अट्ठावली त्योहार- चम्पावत में राजी जनजाति का त्योहार

6.कड़ाई देवी मेला-

7.झूला मेला-

नदी तंत्र

लधिया नदी -

उद्गम - अल्मोड़ा नैनीताल चम्पावत के मिलन बिंदु गजार नामक स्थान से

लधिया नदी रीठा साहिब(चम्पावत) में रतिया नदी से मिलकर आगे बढ़ती है व चुका(चम्पावत) में काली नदी में मिल जाती है

लोहावती नदी -

यह काली नदी की सहायक नदी है

यह नदी तीन धाराओ से मिलकर बनती है इसी नदी के तट पर लोहाघाट स्थित है

सरयु नदी-

सरयु नदी का उद्गम बागेश्वर के सरमूल से होता है व रामेश्वर तीर्थ में रामगंगा से मिलती है व चम्पावत-पिथौरागढ़ की सीमा बनाते हुए पंचेश्वर के निकट काली नदी से मिल जाती है

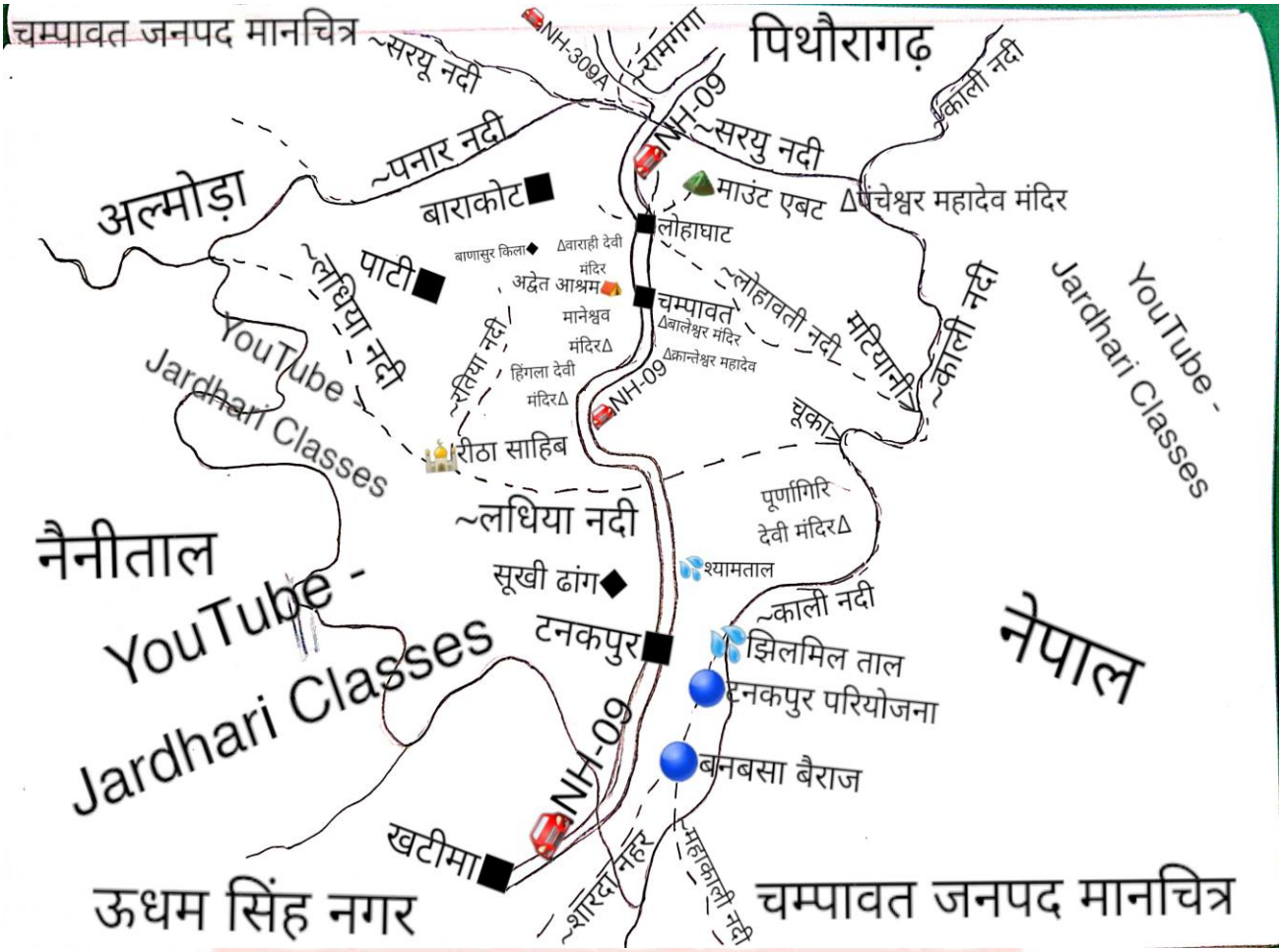

काली नदी -

काली नदी पिथौरागढ़ से होते हुए चम्पावत प्रवेश करती है व बनबसा बैराज(चम्पावत) से दो धाराओं में बंट जाती है

1.शारदा नहर उधम सिंह नगर होते हुए उत्तर प्रदेश की और निकल जाती है

2.महाकाली नदी- नेपाल की और निकल जाती है

चम्पावत में स्थित ताल/झील-

1.श्यामताल-

इस ताल के किनारे स्वामी विवेकानंद आश्रम स्थित है

श्यामताल का झूला मेला प्रसिद्ध है

2.झिलमिल ताल- यह ताल टनकपुर से 5km दूर स्थित है

प्रमुख जल विद्युत परियोजना-

1.पंचेश्वर बांध परियोजना - काली नदी

2.टनकपुर बांध परियोजना - शारदा(काली नदी)

3.बनबसा बैराज - शारदा(काली नदी)

दर्रे

चम्पावत-पिथौरागढ़ में स्थित दर्रा-

1. लासपा धुर्रा 5895 मी.

प्रमुख व्यक्ति

हर्षदेव ऑली

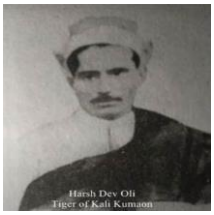

जन्म - 4 मार्च 1890

गोसानी गांव(चंपावत)

निधन - 5 जनवरी 1940

- हर्षदेव ओली को काली कुमाऊँ का शेर कहा जाता है
- ब्रिटीशष इन्हें 'मुसेलिनी'कहते थे
- मायावती आश्रम में इन्होंने 'प्रबुद्ध भारत' पत्रिका के प्रकाशन का कार्य किया
- 1914 में IDT प्रेस के प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया
- 1919 में अंग्रेजी अखबार इंडिपेंडेंट के उपसंपादक व संपादक रहे
- 1924 में गठित फारेस्ट कमेटी के उपाध्यक्ष बनाए गए
- 1929 में कांग्रेस के लाहोर अधिवेशन में कुमाऊँ का प्रतिनिधित्व किया
- 1930 में जंगलात कानून के विरुद्ध सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाया
- 5 जनवरी 1940 को हर्षदेव ओली का निधन हुआ

कालू मेहरा

जन्म - 1831 विसुड़ गांव चंपावत

निधन - 1906

- कालू मेहरा को उत्तराखंड का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी। कहा जाता है
- कालू मेहरा ने कुमाऊँ मे एक गुप्त संगठन क्रांतिवीर संगठन) बनाया)

प्रशासनिक ढांचा

विधानसभा सीट - 1.चम्पावत 2.लोहाघाट

विकासखंड- 1.चम्पावत 2.लोहाघाट 3.बाराकोट 4.पाटी

तहसील- 1.चम्पावत 2.पूर्णागिरि 3.लोहाघाट 4.बाराकोट 5.पाटी

जनसंख्या - 2,59,648

जनघनत्व - 147

लिंगानुपात - 980

साक्षरता-79.83%

पुरुष साक्षरता - 91.6%

महिला साक्षरता -68.05%

JARDHARI CLASSES

चम्पावत जनपद MCQ

Q1.चम्पावत जनपद का गठन कब किया गया
A.15 सितम्बर 1997
B.16 सितम्बर 1997
C.17 सितम्बर 1997
D.18 सितम्बर 1997

Ans- A

Q2.माउंट एबट पर्वत शिखर किस जनपद में है
A.नैनीताल
B.अल्मोड़ा
C.बागेश्वर
D.चम्पावत

Ans- D

Q3.चम्पावत की स्थापना किस चंद शासक ने की
A.थोहरचंद
B.सोमचंद
C.ज्ञानचंद
D.रुद्रचंद

Ans- B

Q4.लधिया नदी व काली नदी का संगम कहाँ पर होता है
A.रीठा साहिब
B.पंचेश्वर
C.चूका
D.मटियानी

Ans- C

Q5.टनकपुर को बसाने का श्रेय जाता है
A.मि टाल्क
B.वाल्टन
C.ट्रेल
D.रैमजे

Ans- A

Q6.किस स्थान को लोहार्गल कहा गया है
A.कौसानी
B.लोहाघाट
C.टनकपुर
D.कपकोट

Ans- B

Q7.राजबुंगा किले का निर्माण किस चंद शासक ने कराया
A.सोमचंद
B.भीष्मचंद
C.कल्याण चंद
D.थोहरचंद

Ans- A

Q8.कत्युरी कालीन ब्रमदेव मंडी किस स्थल पर स्थित थी
A.लोहाघाट
B.बनबसा
C.बाराकोट
D.टनकपुर

Ans- D

Q9.मायावती आश्रम का सम्बंध है
A.दयानंद सरस्वती
B.महात्मा गांधी
C.स्वामी विवेकानंद
D.पंडित नेहरू

Ans- C

Q10.घटकु नामक स्थल किस जनपद में है
A.चम्पावत
B.पिथौरागढ़
C.बागेश्वर
D.अल्मोड़ा

Ans- A

JARDHARI CLASSES

Q11.निम्न में स किस ताल के निकट स्वामी विवेकानंद आश्रम स्थित है
A.श्यामताल
B.झिलमिल ताल
C.द्रोणताल
D.गिरीताल

Ans- A

Q12.रीठा साहिब गुरुद्वारा कौन सी नदी के तट पर स्थित है
A.लोहावती नदी
B.लधिया नदी
C.सरयु नदी
D.चम्पावती नदी

Ans- B

Q13.किसने सर्वप्रथम मायावती आश्रम से जुड़कर प्रबुद्ध भारत हेतु कार्य किया था?
A.इंद्रेश पाठक
B.हर्षदेव ओली
C.कालू सिंह माहरा
D.इनमें से कोई नहीं

Ans- B

Q14.शारदा नदी पर बाढ़ कब आई जिससे बरमदेव मंडी भी बह गई थी?
A.1890 में
B.1885 में
C.1870 में
D.1880 में

Ans- D

Q15.निम्न में से कौन सा मेला पाषाण युद्ध से सम्बंधित है
A.लड़ी धुरा मेला
B.देवीधुरा मेला
C.पूर्णागिरी मेला
D.गोरा अठावली मेला

Ans- B

Q16.काली नदी व सरयु नदी का संगम स्थल है
A.रामेश्वर तीर्थ
B.पंचेश्वर
C.मानेश्ववर
D.क्रान्तेश्वर

Ans- B

Q17.बालेश्वर मंदिर को कब राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित किया गया?
A.1962 में
B.1955 में
C.1952 में
D.1968 में

Ans- C

Q18. 'उत्तराखंड का मुसोलिनी' किसे कहा जाता है?
A.कालू मेहरा को
B.हर्षदेव जोशी को
C.हर्षदेव ओली को
D.इनमें से कोई नहीं

Ans- C

Q19.चम्पावत जिले की स्थापना कब हुई
A.12 सितम्बर 1997
B.13 सितम्बर 1997
C.14 सितम्बर 1997
D.15 सितम्बर 1997

Ans- D

Q20.निम्न में से कौन सा मंदिर काली व सरयू नदी के संगम पर स्थित है
A.मानेश्ववर महादेव
B.पंचेश्वर महादेव
C.क्रान्तेश्वर महादेव
D.बालेश्वर महादेव

Ans- B

Q21.काली कुमाऊँ का शेर कहा जाता है
A.कालू मेहरा को
B.हर्षदेव जोशी को
C.हर्षदेव ओली को
D.इनमें से कोई नहीं

Ans- C

Q22.रीठा साहेब गुरद्वारे का निर्माण कब किया गया
A.1958
B.1959
C.1960
D.1961

Ans- C

Q23.स्कंद पुराण के मानसखंड में कौन से पर्वत का विवरण है जिस पर भगवान विष्णु ने कुर्मावतार लिया था
A.माउंट एबट
B.अन्नपूर्णा पर्वत
C.कांतेश्वर पर्वत
D.इनमें से कोई नही

Ans- C

Q24.चम्पावत जनपद में कितनी विधानसभा सीटें है
A.1
B.2
C.3
D.4

Ans- B

Q25.क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य का सबसे छोटा जनपद है
A.चम्पावत
B.रुद्रप्रयाग
C.बागेश्वर
D.नैनीताल

Ans- A

Q26.खेतीखान का सूर्य मंदिर कहाँ है
A.पिथौरागढ़
B.बागेश्वर
C.चमोली
D.चम्पावत

Ans- D

Q27.एक हथिया नोला कहाँ है
A.पिथौरागढ़
B.बागेश्वर
C.चमोली
D.चम्पावत

Ans- D

Q28.बग्वाल मेले(देवीधुरा मेले) का आयोजन निम्न में से किस मंदिर में किया जाता है
A.पूर्णागिरि देवी मंदिर
B.वाराही देवी मंदिर
C.हिंगला देवी मंदिर
D.बालेश्वर मन्दिर

Ans- B

Q29.अद्धैत आश्रम(मायावती आश्रम) की स्थापना कब की गयी
A.1999
B.1902
C.1899
D.1903

Ans- C

Q30.निम्न में से कौन सा सूर्य मंदिर चम्पावत जनपद में स्थित है
A.मढ़ का सूर्य मंदिर
B.घोड़ाखाल का सूर्य मंदिर
C.कटारमल सूर्य मंदिर
D.खेतीखान का सूर्य मंदिर

Ans- D

Q31.महाभारतकालीन बाणासुर का किला किस जनपद में स्थित है
A.रुद्रप्रयाग
B.चमोली
C.चम्पावत
D.अल्मोड़ा

Ans- C

Q32.माँ वाराही देवी मंदिर स्थित है
A.बनबसा
B.टनकपुर
B.लोहाघाट
D.रानीखेत

Ans- B

Q33.चम्पावत राज्य के कितने जनपदों से सीमा बनाता है
A.2
B.3
C.4
D.5

Ans- C

Q34.बालेश्वर धाम मन्दिर का निर्माण किसने करवाया
A.कत्युरी शासकों ने
B.चंद शासकों ने
C.कुषाणों ने
D.शकों ने

Ans- B

Q35. लड़ी धुरा मेले किस जनपद में लगता है
A.चम्पावत
B.अल्मोड़ा
C.पिथौरागढ़
D.बागेश्वर

Ans- A

JARDHARI CLASSES

उधम सिंह नगर

उधम सिंह नगर का इतिहास

- उधम सिंह नगर का नाम जनरल डायर को मारने वाले सरदार उधम सिंह के नाम पर पड़ा
- उधम सिंह ने 13 मार्च 1940 को लंदन में जलियांवाला बाग हत्याकांड के गुनहगार जनरल डायर को गोली मारी
- 31 जुलाई 1940 को इन्हें फांसी दी गयी
- उधम सिंह नगर जनपद का गठन 30 सितम्बर 1995 को हुआ
- उधम सिंह नगर का मुख्यालय रुद्रपुर है जिसको चंद वंश के राजा रुद्र चंद ने बसाया था

भौगोलिक स्थिति

क्षेत्रफल- 2542 वर्ग किमी

पड़ोसी जिले/देश/राज्य-

पूर्व - नेपाल

पश्चिम - उत्तरप्रदेश

उत्तर - नैनीताल

दक्षिण - उत्तरप्रदेश

उत्तर पूर्व - चंपावत

उधम सिंह नगर प्रदेश के दो जनपदों नैनीताल व चम्पावत से सीमा बनाता है

राष्ट्रीय राजमार्ग -

NH 09 - रामपुर(up)-रुद्रपुर-सितारगंज-नानकमत्ता-खटीमा-टनकपुर(चम्पावत)

NH 309- रुद्रपुर-काशीपुर-रामनगर-थलीसैंण

NH 109- रुद्रपुर-हल्द्वानी-नैनीताल

उधम सिंह नगर प्रसिद्ध स्थल

1.काशीपुर-

- काशीपुर ढेला नदी के तट पर बसा हुआ है
- काशीपुर की स्थापना 1639 में हुई .(नोट-एटकिंसन के अनुसार काशीपुर की स्थापना 1718 में हुआ)
- काशीपुर का प्राचीन नाम गोविषाण व उज्जयनी नगरी था
- चंद वंशीय राजा देवी चंद के एक अधिकारी काशीनाथ द्वारा बसाये जाने के कारण इस नगर का नाम काशीपुर पड़ा
- 1872 को काशीपुर नगर पालिका बना
- 2013 में काशीपुर को नगर निगम बनाया गया

काशीपुर में स्थित प्रसिद्ध स्थल

1.गोविषाण -

- हर्षकालीन चीनी यात्री ह्वेनसांग अपनी यात्रा के दौरान यहाँ आया था व उसने गोविषाण का जिक्र किया
- ह्वेनसांग के अनुसार वह मादीपुर से 66 मील की यात्रा पूरी कर गोविषाण नामक स्थान पर पहुंचा
- गोविषाण की खुदाई से यहाँ प्राप्त सिक्कों, मृदभांडों से सिद्ध हुआ कि इस स्थान पर कुणिंदों का व कुषाणों का शासन था

2.उज्जैन का किला -

इस किले की दीवारें 60 फुट ऊंची हैं

2.रुद्रपुर -

- ऊधम सिंह नगर जिले का मुख्यालय रुद्रपुर है
- रुद्रपुर की स्थापना चंद शासक रुद्रचंद ने की थी
- रुद्रपुर का प्राचीन नाम बोक्साड़ था
- रुद्रपुर को 2013 में नगर निगम बनाया गया

3.बाजपुर-

बाजपुर को कुमाऊँ के चंद शासक बाजबहादुर चंद ने बसाया था

4.जसपुर

- जसपुर का प्राचीन नाम शाहजाफर था
- इस नगर की का चंद वंशीय राजाओं के मंत्री यशोधर सिंह ने जशपुर रखा

5.पंतनगर-

- पंतनगर में देश का प्रथम कृषि विश्वविद्यालय गोविंद वल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय स्थित है
- 17 नवंबर 1960 को इस कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना पंतनगर में पंडित नेहरू ने की
- 1972 में इस कृषि विश्वविद्यालय का नाम बदलकर गोविंद वल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय रखा गया

प्रमुख मंदिर

1.बाला सुंदरी देवी मंदिर-

- यह मंदिर उधम सिंह नगर के काशीपुर में स्थित है
- इस मंदिर को ज्वाल्पा देवी मंदिर व उज्जैनी देवी मंदिर भी कहा जाता है
- मंदिर के निकट द्रोण सागर व उज्जैन किला स्थित है
- इस मंदिर में चैत्र मास में चैती मेला लगता है

2.अटरिया देवी मंदिर-

- यह मंदिर उधमसिंह नगर के रुद्रपुर में स्थित है
- इस मंदिर में नवरात्रि को अटरिया मेले का आयोजन किया जाता है

3.मोटेश्वर महादेव मंदिर-

- इस मंदिर को भीमशंकर महादेव कहा जाता है
- यह मंदिर उधम सिंह नगर के काशीपुर में स्थित है

4.चामुंडा देवी मंदिर-

- यह मंदिर उधम सिंह नगर के काशीपुर के आर्यनगर में स्थित है
- मंदिर के निकट गिरीताल झील स्थित है
- माना जाता है कि मंदिर की स्थापना चंद शासकों ने की थी

5.नानकमत्ता साहिब-

- नानकमत्ता साहिब सिक्खों का पवित्र तीर्थ स्थल है
- नानकमत्ता साहिब का पुराना नाम बख्शी था
- नानकमत्ता साहिब उधम सिंह नगर के खटीमा क्षेत्र में देहोआ नदी के किनारे स्थित है
- नानकमत्ता साहिब के निकट ही देहोआ नदी पर नानक सागर बांध बना हुआ है

उधम सिंह नगर के प्रमुख मेले

1.चैती मेला(बाला सुंदरी मेला)-

- यह मेला उधमसिंह नगर के काशीपुर में बाला सुंदरी देवी के मंदिर में लगता है
- यह मेला चैत्र मास को आयोजित किया जाता है

2.झारखंडेश्वर मेला-

- यह तीन दिवसीय मेला रुद्रपुर में झारखंडेश्वर शिव मंदिर में लगता है

3.अटरिया मेला-

- यह मेला उधमसिंह नगर के रुद्रपुर में स्थित अटरिया देवी मंदिर में लगता है
- यह मेला नवरात्रि को आयोजित किया जाता है

JARDHARI CLASSES

नदी तंत्र

उधम सिंह नगर नदी तंत्र प्रमुख परियोजना व ताल

1.कोसी नदी -

- उद्गम - कौसानी(बागेश्वर)
- कोसी नदी बागेश्वर,अल्मोड़ा, नैनीताल, से होकर उधम सिंह नगर के सुल्तानपुर से राज्य से बाहर उत्तर प्रदेश में पहुंच जाती है व उत्तरप्रदेश में रामगंगा से मिल जाती है

2.दाबका नदी -

दाबका नदी का उद्गम नैनीताल जिले से होता है व उधम सिंह नगर के बनगढ़ के समीप कोसी नदी में मिल जाती है

3.ढेला नदी -

ढेला नदी रामगंगा की सहायक नदी है जिसका उद्गम नैनीताल के ढेला से होता है व उधम सिंह नगर से होते हुए उत्तरप्रदेश में प्रवेश करती है तथा किशनपुर के समीप रामगंगा से मिल जाती है

4.गोला नदी -

- गोला नदी रामगंगा की सहायक नदी है
- गोला नदी नैनीताल जनपद से निकलती है व उधम सिंह नगर के किच्छा से राज्य से बाहर उत्तर प्रदेश में पहुंच जाती है

5.देहोआ नदी- इस नदी पर उधम सिंह नगर में नानक सागर बांध बना हुआ है

6.शारदा नहर -

- चम्पावत में काली नदी पर बनबसा बैराज स्थित है यहाँ से शारदा नहर निकलती है जो उधम सिंह नगर से होकर उत्तरप्रदेश पहुंच जाती है
- इसी शारदा नहर पर खटीमा के निकट लोहिया हैंड जल विद्युत परियोजना है

उधमसिंह नगर में स्थित प्रमुख परियोजनाऐं-

1.नानक सागर बांध - यह बांध देहला(देहोआ नदी) पर बना हुआ है

2.तुमड़िया बांध - फीका नदी पर बना हुआ है

3.बैगुल बांध - बैगुल नदी

4.ढोरा बांध

5.हरिपुरा बांध

6.लोहिया हैंड जल विद्युत परियोजना- यह परियोजना खटीमा में शारदा नहर पर स्थित है

प्रमुख ताल -

1.द्रोण सागर ताल - उधम सिंह नगर के काशीपुर में स्थित

2.गिरीताल - गिरीताल भी काशीपुर में स्थित है

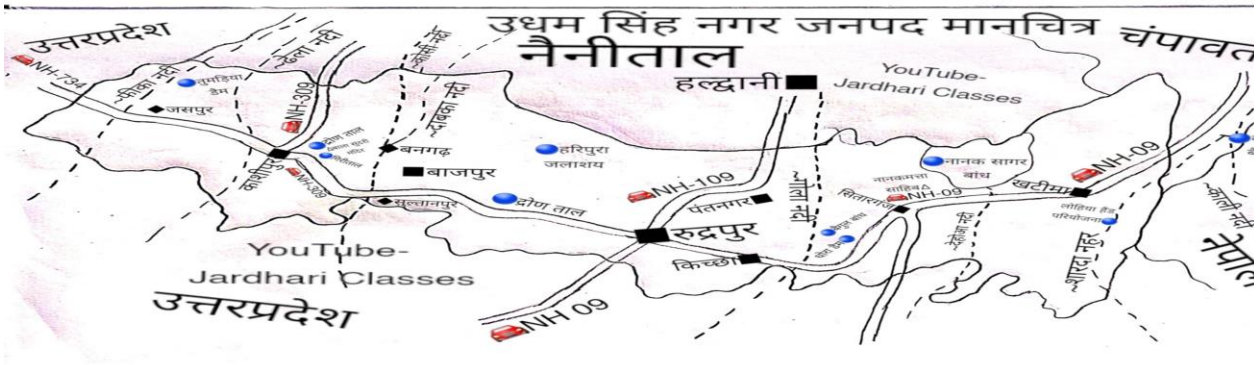

ऊधम सिंह नगर प्रमुख संस्थान-

- 1.राजकीय डिजाइन केंद्र(State Design Center) - काशीपुर
- 2.उत्तराखंड ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज संस्थान(Uttarakhand Rural Development and Panchayati Raj Institute) - रुद्रपुर
- 3.उत्तराखंड गन्ना विकास(शोध) संस्थान(Uttarakhand Sugarcane Development (Research) Institute) - काशीपुर
- 4.राजकीय खाद्य ओषधि एवं विश्लेषण प्रयोगशाला
- 5.भारतीय प्रबंधन संस्थान – काशीपुर
- 6.औषधीय एवं सुगंधित पौध संस्थान – पंतनगर

प्रमुख पार्क

- टेक्साइल पार्क- जसपुर(काशीपुर)
- मिनी स्पाइस पार्क- सितारगंज व सहसपुर
- हिमालयन मेगा फ़ूड पार्क - महुआखेड़ा काशीपुर
- एरोमा पार्क- काशीपुर

गोविंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विश्विद्यालय-

स्थापना- 1960

स्थित- पंतनगर

देश का प्रथम कृषि विश्विविद्यालय

समसामयिक घाटना

कुमाऊँ का पहला साइबर थाना –रुद्रपुर

- कुमाऊँ का पहला साइबर थाना रुद्रपुर(ऊधम सिंह नगर) में खोला गया यह अभी अस्थायी थाना है
- स्थापना- 1 जनवरी 2021
- उद्देश्य- कुमाऊँ में होने वाले साइबर अपराध पर अंकुश लगाना
- उत्तराखंड का पहला साइबर थाना खोला गया था- देहरादून 2015 में

मुख्यमंत्री पुस्कर धामी ने रुद्रपुर **में फहराया राज्य का सबसे ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज-**

- उत्तराखंड के रुद्रपुर के गांधी पार्क में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 2अक्टूबर को राज्य का सबसे ऊंचा तिरंगा फहराया
- इस तिरंगे की ऊंचाई 181 फीट है

उत्तराखंड के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी मनोज सरकार ने पैराओलंपिक में जीता कांस्य पदक –

- मनोज सरकार ने पुरुष एकल (एसएल3) बैडमिंटन वर्ग में जापान के डाइसुके फुजीहारा को 22-20,21-13 से हराकर कांस्य पदक जीता
- मनोज सरकार उत्तराखंड के रुद्रपुर के निवासी है
  मनोज सरकार को 2018 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया
- वर्ष 2019 में देवभूमि उत्तराखंड खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित

उत्तराखंड की पहली क्रोकोडाइल सफारी -

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 29 दिसंबर 2021 को खटीमा के सुरई वन रेंज में उत्तराखंड की पहली क्रोकोडाइल सफारी का लोकार्पण किया
- इसका उद्देश्य मगरमच्छों के संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा देना है
- यह सफारी सुरई रेंज के ककरा नाले में स्थित है

प्रशासनिक ढांचा

विधानसभा सीटें-
1.जसपुर 2.काशीपुर 3.बाजपुर(SC) 4.गदरपुर 5.रुद्रपुर 6.किच्छा 7.सितारगंज 8.नानकमत्ता(ST) 9.खटीमा

तहसील- काशीपुर, किच्छा, बाजपुर, जसपुर, रुद्रपुर, गदरपुर, खटीमा, सितारगंज

विकासखंड-
जसपुर, काशीपुर, बाजपुर, गदरपुर, रुद्रपुर, सितारगंज, खटीमा

जनसंख्या- 16,48,902
जनघनत्व- 649
लिंगानुपात - 920
साक्षरता - 73.10%(न्यूनतम साक्षरता वाला जनपद)
महिला साक्षरता - 64.5%
पुरुष साक्षरता-8%

"उत्तराखंड जिला दर्शन" में आपकी सुविधानुसार आगामी प्रतियोगी परिक्षाओं को ध्यान में रखते हुए, इस किताब का निर्माण किया गया है जिसमें प्रत्येक जनपद का विस्तृत अध्ययन के साथ प्रत्येक जिले के MCQ भी दिए गए हैं।
इस किताब में आँकड़ो एवं तथ्यों को प्रस्तुत करने में पूरी सावधानी बरती गई है, फिर भी किसी प्रकार की मानवीकृत त्रुटि होने पर आप हमें E-mail कर सकते हैं।
इसके साथ ही इस किताब के बारे में अपना Rivew देने के लिए आप हमें Jardhariclasses@gmail.com पर E - Mail कर सकते हैं।

उधम सिंह नगर जनपद MCQ

Q1.रुद्रपुर नगर निगम कब बना
A 2011
B.2012
C.2013
D.2014

Ans- C

Q2.लोहिया हैंड जल विद्युत परियोजना किस नदी पर है
A.देहोआ
B.शारदा
C.गोला नदी
D.कोसी नदी

Ans- B

Q3.उत्तराखंड ग्राम्य विकास संस्थान कहाँ स्थित है
A.काशीपुर
B.रुद्रपुर
C.बाजपुर
D.जसपुर

Ans- B

Q4.बाजपुर नगर का पुराना नाम है
A.बोक्साड
B.मुंडिया
C.नैनीताल
D.हल्द्वानी

Ans- B

Q5.द्रोणसागर ताल कहाँ स्थित है
A.रुद्रपुर
B.जसपुर
C.काशीपुर
D.बाजपुर

Ans-C

Q6.पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना कब हुई
A.1956
B.1958
C.1960
D.1962

Ans- C

Q7.निम्न में से किस नगर को उज्जयिनी नगर के नाम से जाना जाता है
A.काशीपुर
B.रुद्रपुर
C.बागेश्वर
D.जसपुर

Ans- A

Q8.काशीपुर नगर पालिका का गठन कब किया गया
A.1870
B.1872
C.1874
D.1875

Ans- B

Q9.उत्तराखंड का न्यूनतम साक्षरता वाला जनपद है
A.हरिद्वार
B.उधमसिंह नगर
C.उत्तरकाशी
D.टिहरी

Ans-B

Q10.अटरिया मेला उधम सिंह नगर जिले के किस स्थान पर लगता है
A.बाजपुर
B.जसपुर
C.रुद्रपुर
D.काशीपुर

Ans-C

JARDHARI CLASSES

Q11.निम्न में से किसका प्राचीन नाम शाहजाफर था
A.बाजपुर
B.जसपुर
C.रुद्रपुर
D.काशीपुर

Ans-B

Q12.बाला सुंदरी मेला किस जनपद में लगता है
A.नैनीताल
B.बागेश्वर
C.उधम सिंह नगर
D.चंपावत

Ans-C

Q13.नानकमत्ता का प्राचीन नाम है
A.मकरपुर
B.नानकपुर
C.बख्शी
D.किच्छा

Ans- C

Q14.कुमाऊँ का पहला साइबर थाना कहाँ खोला गया
A.काशीपुर
B.हल्द्वानी
C.रुद्रपुर
D.रामपुर

Ans- C

Q15.रुद्रपुर नगर की स्थापना किस चंद शासक ने की
A.बाजबहादुर चंद
B.रूप चंद
C.दीप चंद
D.रुद्र चंद

Ans-D

Q16.निम्न में से कौन सी सीट अनुसूचित जनजाति(ST) हेतु आरक्षित है
A नानकमत्ता
B.बाजपुर
C.सितारगंज
D.गदरपुर

Ans-A

Q17.मनोज सरकार का सम्बंध किस खेल से है
A.टेबल टेनिस
B.बैडमिंटन
C.क्रिकेट
D.मुक्केबाजी

Ans- B

Q18.उधम सिंह नगर का मुख्यालय कहाँ स्थित है
A.काशीपुर
B.रुद्रपुर
C.बाजपुर
D.जसपुर

Ans-B

Q19.उधम सिंह नगर निम्न में से किस जनपद से सीमा बनाता है
A.पिथौरागढ़
B.बागेश्वर
C.अल्मोड़ा
D.चम्पावत

Ans-D

Q20.उधम सिंह नगर राज्य के कितने जनपदों से सीमा बनाता है
A.2
B.3
C.4
D.5

Ans-A

Q21.टोक्यो पैराओलंपिक 2020 में मनोज सरकार ने कौन सा पदक जीता
A.स्वर्ण
B.रजत
C.कांस्य
D.इनमें से कोई नहीं

Ans- C

Q22.उत्तराखंड गन्ना विकास शोध संस्थान कहाँ है
A.रुद्रपुर
B.हल्द्वानी
C.काशीपुर
D.ऋषिकेश

Ans- C

Q23.काशीपुर को नगर निगम कब बनाया गया
A 2011
B.2012
C.2013
D.2014

Ans- C

Q24.चीनी यात्री ह्वेनसांग ने निम्न में से किस स्थल का विवरण अपनी यात्रा में किया
A.पंतनगर
B.गोविषाण
C.जसपुर
D.रुद्रपुर

Ans-B

Q25.सिक्खों का पवित्र स्थल नानकमत्ता साहिब किस जनपद में स्थित है
A.देहरादून
B.उधम सिंह नगर
C.अल्मोड़ा
D.हरिद्वार

Ans-B

Q26.निम्न में से कौन सा ताल उधम सिंह नगर जनपद में है
A.गिरीताल
B.श्यामताल
C.झिलमिल ताल
D.सुकुण्ड ताल

Ans-A

Q27.राजकीय डिजाइन केंद्र कहाँ है
A.रुद्रपुर
B.हल्द्वानी
C.काशीपुर
D.ऋषिकेश

Ans- C

Q28.टेक्साइल पार्क कहाँ है
A.रुद्रपुर
B.हल्द्वानी
C.काशीपुर
D.ऋषिकेश

Ans- C

Q29.उधम सिंह नगर का प्रसिद्ध चैती मेला किस मंदिर में लगता है
A.अटरिया देवी मंदि
B.चामुंडा देवी मंदिर
C.मोटेश्वर महादेव मंदिर
D.बालासुन्दरी देवी मंदिर

Ans-D

Q30.मोटेश्वर महादेव मंदिर कहाँ स्थित है
A.रुद्रपुर
B.जसपुर
C.काशीपुर
D.बाजपुर

Ans-C

Q31.उधम सिंह नगर का गठन कब किया गया
A.अगस्त 1995
B.सितम्बर 1996
C.अगस्त 1996
D.सितम्बर 1995

Ans-D

Q32.रुद्रपुर से हल्द्वानी को कौन सा राष्ट्रीय राजमार्ग जोड़ता है
A.NH 09
B.NH 309
C.NH 109
D.इनमें से कोई नहीं

Ans-C

Q33.निम्न में से कौन सा बांध ऊधम सिंह नगर में स्थित है
A.पंचेश्वर बांध
B.कालागढ़ बांध
C.तुमड़िया बांध
D.मोहमदपुर बांध

Ans-C

JARDHARI CLASSES